हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार

रांची संस्करण
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● रविवार ● 08.12.2024 ● वर्ष : 15 ● अंक : 136 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

पूरी दुनिया में भारत के प्रभाव को ताकत देते हैं बीएपीएस के कार्यकर्ता : प्रधानमंत्री

एजेंसी

अहमदाबाद : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में बीएपीएस सुवर्ण कार्यकर महोत्सव को वर्चुअल माध्यम से सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि आज प्रमुख स्वामी महाराज की 103वीं जयंती है, मैं उन्हें नमन करता हूं। प्रमुख स्वामी की शिक्षा और संकल्प आज परम पूज्य महंत स्वामी के समर्पण से फलीभूत कार्यक्रम हो रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीएपीएस के कार्यकर्ता पूरी दुनिया में भारत के प्रभाव को ताकत देते हैं। दुनियाके 28 देशों में बीएपीएस भगवान स्वामीनारायण संस्थान के 1800 मंदिर, 21000 से अधिक आध्यात्मिक केंद्र दुनिया जब देखती है तो भारत की आध्यात्मिक विरासत को देखती है। यह मंदिर भारतीय संस्कृति का प्रतीक है। जब कोई भी भारत से जुड़ जाता है तो उससे मोहित हुए बिना नहीं रहता। मोदी ने कहा कि अभी कुछ समय पहले अबू धाबी का मंदिर प्रतिष्ठित हुआ और मैं भी उसमें शामिल हुआ था। दुनिया ने भारत की सांस्कृतिक विविधता

देखी है। मैं सभी कार्यकारों को शुभकामनाएं देता हूं। आपकी बड़ी-बड़ी महत्वाकांक्षाएं इतनी आसानी से पूरी हो रही हैं, यह भगवान स्वामीनारायण की तपस्या का ही परिणाम है। आज बीएपीएस विश्व में वही प्रकाश फैला रहा है जिसकी स्थापना उन्होंने की थी। इन कार्यों को नदिया ना पिये कभी अपना जल... गीत की पंक्ति द्वारा समझा जा सकता है। नदी अपना पानी नहीं पीती, पेड़ अपना फल नहीं खाता, अपना फल नहीं खाता, मनका दूजो को जो दान है वो सच्चा इंसान, अरे धरती का भगवान। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि जब यूक्रेन में युद्ध बढ़ने लगा तो भारत सरकार ने वहां फंसे भारतीयों को तुरंत निकालने का फैसला किया। पोलैंड पहुंचे भारतीय इस बात पर विचार कर रहे थे कि युद्ध की स्थिति में अधिकतम सहायता कैसे प्रदान की जाए। उस समय मैंने रात 12-1 बजे एक बीएपीएस संत से बात की और कहा, जो भारतीय पोलैंड पहुंच रहे हैं, उन्हें निकालने के लिए मुझे आपकी मद्द चाहिए। मैंने रात भर देखा कि संगठन ने पोलैंड पहुंचे लोगों की मदद की। मानवता के हित में आपका यह योगदान सराहनीय है इसलिए कार्यकर सुवर्ण महोत्सव में मैं आपको धन्यवाद देता हूं। आज, बीएपीएस कार्यकर्ता लाखों लोगों का जीवन बदल रहे हैं। आप प्रेरणास्त्रोत हैं, प्रशंसनीय एवं प्रशंसनीय हैं। इससे पूर्व मंच पर पहुंचे महंत स्वामी, गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल का माला पहनाकर स्वागत किया गया। अमित शाह और भूपेन्द्र पटेल ने महंत स्वामी का आशीर्वाद लिया। पूरा स्टेडियम जय स्वामीनारायण के उद्घोष से गूंज उठा। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में वडोदरा से 10 हजार, सूरत से 4 हजार, अहमदाबाद-गांधीनगर से 30 हजार, राजकोट से 2600 और अन्य राज्यों से 1 लाख कार्यकर्ता अहमदाबाद पहुंचे।

डिप्टी सीएम बनते ही अजित पवार को मिली बड़ी राहत

आईटी ने अजित पवार की तीन साल पहले जब्त 1000 करोड़ की प्रॉपर्टी रिलीज की

एजेंसी

मुंबई : महाराष्ट्र में डिप्टी सीएम बनने के 2 दिन बाद ही अजित पवार को बड़ी राहत मिली है। इनकम टैक्स ने अजित पवार की 1 हजार करोड़ की प्रॉपर्टी को रिलीज कर दी है। 7 अक्टूबर 2021 को आईटी ने ये प्रॉपर्टीज जब्त की थी। आईटी ट्रिब्यूनल ने कहा इस मौके पर कहा, प्रॉपर्टीज में हेराफेरी का कोई सुबूत आईटी विभाग पेश नहीं कर सका है। मिली खबरों में बताया गया है कि आयकर ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और उनके परिवार के सदस्यों को बड़ी राहत दी है, जिन पर बेनामी लेनदेन के जरिए संपत्ति रखने के आरोप हैं। तीन साल पहले, आयकर विभाग ने बेनामी स्वामित्व का आरोप लगाते हुए

1,000 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की थी। उन्होंने जरानदेवर चीनी मिल की भी जांच की, जिसे प्रवर्तन निदेशालय ने पहले एमएससीबी घोटाले के धन शोधन मामले के संबंध में कुर्क किया था। आयकर और ईडी की जांच का सामना कर रहे एनसीपी नेता अजित पवार पिछले साल अपने चाचा शरद पवार की पार्टी से अलग हो गए थे और उपमुख्यमंत्री के रूप में सरकार में शामिल हो गए थे। गुरुवार को उन्हें फिर से भाजपा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार में उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ दिलाई गई। बहरहाल, अपने आदेश में, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण ने पवार और अन्य के खिलाफ आयकर के आरोप को खारिज कर दिया। न्यायाधिकरण ने जरानदेवर चीनी मिल मामले से संबंधित अजित पवार को क्लीन चिट भी दी। मुंबई की एक कंपनी ने एमएससीबी नीलामी के जरिए मिल का अधिग्रहण किया और बाद में इसे अजित पवार परिवार से जुड़ी एक फर्म को लंबी अवधि के लिए पट्टे पर दे दिया था। मिल के संबंध में, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण ने फैसला सुनाया, महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक या किसी अन्य कंपनी में अजीत पवार की स्थिति के आधार पर इसका अनुमान नहीं लगाया जा सकता है, जब तक कि यह साबित न हो जाए कि बेनामी संपत्ति हासिल करने के लिए उनके द्वारा धन हस्तांतरित किया गया था। 2022 में, आयकर न्यायाधिकरण ने बेनामी लेनदेन (निषेध) संशोधन अधिनियम, 2016 के तहत जरंदेश्वर सहकारी चीनी कारखाना और तीन अन्य संपत्तियों को छोड़ने का आदेश दिया। इसके बाद, मामला अपीलीय न्यायाधिकरण में चला गया। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत मिल को कुर्क किया गया, जिसकी पुष्टि न्यायाधिकरण द्वारा की गई। आयकर मामले में, पवार की कानूनी टीम ने हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि 2016 के अधिनियम संशोधन के बाद की गई कुर्की संशोधन से पहले खरीदी गई संपत्तियों पर लागू नहीं हो सकती, क्योंकि अधिनियम लागू नहीं होता है।

हेमन्त सोरेन और कल्पना सोरेन से पोषण सखी दीदियों ने की मुलाकात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और गांडेय विधायक कल्पना सोरेन से आज कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय परिसर में राज्य के विभिन्न जिलों से पहुंचीं पोषण सखी दीदियों ने मुलाकात कर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं। विगत कार्यकाल में राज्य सरकार द्वारा पोषण सखी के पुनर्बहाल के निर्णय पर हर्ष जताते हुए मुख्यमंत्री के प्रति पोषण सखी दीदियों ने आभार व्यक्त करते हुए उनका अभिनंदन किया। मौके पर मुख्यमंत्री ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। पोषण सखी दीदियों को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार आपके हक-अधिकार को पूरा करने के लिए प्रयासरत है। आप सभी पोषण सखी दीदियों ने सरकार की आंख, नाक और कान बनकर साथ दिया है। आने वाला नया साल आपकी जिंदगी में ढ़ेर सारी खुशियां लेकर आए। आपका परिवार सुख-समृद्धि के साथ जीवन व्यतीत करें, यही कामना करता हूं। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि यह सरकार आपके उम्मीद और आकांक्षाओं की सरकार है। आप सभी का कर्तव्य है कि आप ईमानदारी पूर्वक अपने कार्य को अंजाम देंगे। मैंने पहले भी कई बार कहा है कि हमारी सरकार शहर नहीं बल्कि गांव से चलने वाली सरकार है। हमारी सरकार आने वाली पीढ़ियों का तकदीर और तस्वीर कैसे बदल सकें, अधिक से अधिक रोजगार का सृजन कैसे उत्पन्न कर सकें, इसके प्रति संवेदनशीलता के साथ आगे बढ़ रही है।

जरूरत की चीजों पर जीएसटी बढ़ाने की योजना : राहुल गांधी

एजेंसी

नई दिल्ली : लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने आज आरोप लगाया कि केंद्र सरकार लोगों की जरूरत की चीजों पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) बढ़ाने की तैयारी कर रही है। सोशल मीडिया एक्स पर आज एक पोस्ट में राहुल गांधी ने कहा, पूंजीपतियों को छूट और आम लोगों से लूट का एक और उदाहरण देखिए। एक तरफ कॉरपोरेट टैक्स के मुकाबले इनकम टैक्स लगातार बढ़ रहा है। दूसरी तरफ मोदी सरकार गब्बर सिंह टैक्स से और ज्यादा वसूली की तैयारी कर रही है। राहुल गांधी ने कहा, सुनने

में आ रहा है कि जीएसटी से लगातार बढ़ती वसूली के बीच सरकार एक नया टैक्स स्लैब पेश करने जा रही है- आपकी जरूरत की चीजों पर जीएसटी बढ़ाने की योजना है। जरा सोचिए- अभी, शादियों का सीजन चल रहा है। लोग कब से पाई-पाई जोड़कर पैसे इकट्ठा कर रहे होंगे और सरकार इसी बीच 1500 से ऊपर के कपड़ों पर जीएसटी 12% से बढ़ाकर 18% करने जा रही है। यह घोर अन्याय है - अरबपतियों को टैक्स में छूट देने और उनके बड़े से बड़े कर्ज.माफ करने के लिए गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों की मेहनत की कमाई को टैक्स द्वारा लूटा जा रहा है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा, हमारी लड़ाई इसी अन्याय के खिलाफ है। आम लोगों पर पड़ रही टैक्स की मार के खिलाफ हम मजबूती से आवाज उठाएंगे और इस लूट को रोकने के लिए सरकार पर दबाव बनाएंगे।

किसान आज करेंगे दिल्ली कूच, हरियाणा डीजीपी ने पंजाब से की मीडिया को दूर रखने की मांग

एजेंसी

चंडीगढ़ : पंजाब के किसानों ने एक बार फिर रविवार को दिल्ली कूच का ऐलान किया है। इसी बीच हरियाणा के पुलिस महानिदेशक ने पंजाब के पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखकर मीडिया को हरियाणा व पंजाब की सीमा से एक किलोमीटर दूर रखने को कहा है। पंजाब के किसान पिछले 300 दिनों से शंभू बार्डर पर धरना दे रहे हैं। किसानों ने शुक्रवार को भी दिल्ली कूच का प्रयास किया था, लेकिन हरियाणा पुलिस ने उसे विफल कर दिया। अब रविवार को फिर से किसान दिल्ली कूच करेंगे। जिसके

चलते हरियाणा पुलिस सतर्क हो गई है। उल्लेखनीय है शुक्रवार को जिस समय पंजाब के किसान बैरीकेड तोड़कर आगे बढ़ने का प्रयास कर रहे थे तब मीडिया कर्मी वहां मौजूद थे। जिससे हरियाणा पुलिस को कानून-व्यवस्था नियंत्रित करने में दिक्कत आई थी। कई मीडिया कर्मी भी पुलिस कार्रवाई की चपेट में आ गए। जिसके चलते हरियाणा के पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव को पत्र लिखकर कहा है कि बार्डर पर जहां किसान धरना दे रहे हैं वहां तक मीडिया का प्रवेश बंद किया जाए। उन्होंने कहा कि हरियाणा पुलिस को आपात स्थिति में कानून-व्यवस्था नियंत्रित करने में कई तरह की दिक्कतें पेश आ रही हैं। ऐसे में मीडिया को धरना स्थल से करीब एक किलोमीटर पीछे सुरक्षित दायरे में रखा जाए। इससे पुलिस को आपात स्थिति में कानून-व्यवस्था नियंत्रित करने में परेशानी नहीं होगी और मीडिया अपना कार्य बेहतर तरीके से कर पाएगा।

यूपी में सरकारी कर्मचारी अगले 6 महीने तक नहीं कर सकेंगे हड़ताल, आदेश हुआ जारी

एजेंसी

यूपी : उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। दरअसल उत्तर प्रदेश में सरकारी कर्मचारियों व सरकारी सेवाओं से जुड़े कर्मचारी अगले 6 महीनों तक हड़ताल नहीं कर सकेंगे। इसे लेकर सरकारी आदेस जारी किया जा चुका है। यह आदेश उत्तर प्रदेश अत्यावश्यक सेवाओं के अनुरक्षण अधिनियम 1966 की धारा तीन की उपधारा के अधीन शक्तियों का प्रयोग करके जारी किया गया है। इस आदेश में कहा गया है कि आगामी 6 महीने तक सरकार की किसी भी सेवा से जुड़े

कर्मचारी किसी भी तरह का हड़ताल नहीं कर सकेंगे। इस आदेश में बताया गया है कि लोकहित को ध्यान में रखते हुए निर्णय लिया गया है। बता दें कि राज्य की योगी आदित्यनाथ सरकार ने यह फैसला ऐसे समय पर लिया है जब उत्तर प्रदेश में बिजली विभाग के कर्मचारी 7 दिसंबर को हड़ताल पर जाने वाले थे। राज्य सरकार ने एसेंशियल सर्विसेस मेंटेनेंस एक्स या ईएसएमए का प्रयोग करते हुए राज्य में 6 महीने तक हड़ताल पर रोक लगा दी है। बता दें कि राज्य सरकार द्वारा जारी यह नियम राज्य सरकार के सभी सरकारी कर्मचारी, सरकारी विभागों, कॉरपोरेशन और निगमों पर लागू होगा। बता दें कि पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल को लेकर पहले ही बिजली विभाग के कर्मचारियों के हड़ताल पर जाने की आशंका थी। बिजली विभाग के कर्मचारियों ने 7 दिसंबर को हड़ताल का ऐलान किया था। कर्मचारियों ने जब इस हड़ताल का आह्वान किया तो पावर कॉरपोरेशन सतर्क हो गया और इस मामले से शासन के बड़े अधिकारियों को अवगत कराया गया। इसके बाद राज्य सरकार द्वारा तत्परता दिखाते हुए यह फैसला लिया गया है। पावर कॉरपोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल ने जिलाधिकारी, मंडलायुक्तों, पुलिस कमिश्नरों और कप्तानों को पत्र लिखकर इसके लिए बंदोबस्त शुरू करने के आदेश पहले ही दे दिए थे। इसके बाद राज्य सरकार द्वारा फैसला लिए जाने के बाद पावर कॉरपोरेशन ने राहत की सांस ली है।

विदेश मंत्रालय ने जारी की एडवाइजरी

भारतीयों को सीरिया की यात्रा से बचने की सलाह

एजेंसी

नई दिल्ली : विदेश मंत्रालय ने सीरिया में जारी हिंसा के मद्देनजर भारतीय नागरिकों को अगले आदेश तक सीरिया की यात्रा करने से बचने की सलाह दी है। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को यात्रा परामर्श जारी करते हुए कहा कि सीरिया में मौजूदा स्थिति को देखते हुए भारतीय नागरिकों को अगली सूचना तक सीरिया की यात्रा करने से बचने की सलाह दी जाती है। मंत्रालय ने सीरिया में मौजूद भारतीयों को आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर और आधिकारिक ईमेल आईडी के माध्यम से दमिश्क में भारतीय

दूतावास के संपर्क में रहने की सलाह दी है। मंत्रालय की तरफ से कहा गया है कि जो लोग वापस लौट सकते हैं, उन्हें सलाह दी जाती है कि वे जल्द से जल्द उपलब्ध वाणिज्यिक उड़ानों से चले आएं और अन्य लोगों से अपनी सुरक्षा के बारे में अत्यधिक सावधानी बरतने और अपनी गतिविधियों को सीमित रखने की अपील की गई है।

एक नजर

शादी का झांसा देकर नेपाली युवतियों की चीन में हो रही है तस्करी

काठमांडू : नेपाल में रह रहे चीनी युवकों द्वारा नेपाली लड़कियों को शादी का झांसा देकर उन्हें चीन ले जाने और वहां पर उन्हें शारीरिक एवं मानसिक यातना देने की कई घटनाएं सामने आई हैं। चीन ले जायी गयीं ऐसी ही कई लड़कियों ने नेपाल लौटने के लिए बीजिंग स्थित नेपाली दूतावास से संपर्क किया है। नेपाल के इमिग्रेशन विभाग के मुताबिक, इस साल अक्टूबर एवं नवंबर में ही चीन जाने के लिए तैयार 41 नेपाली लड़कियों को तस्करी के संदेह में एयरपोर्ट से लौटा दिया गया। पिछले एक वर्ष के भीतर चीनी नागरिक से शादी कर चीन जाने के लिए एयरपोर्ट पहुंचे 184 युवतियों को वापस किया गया। हाल के वर्षों में चीनी लड़कों से शादी करने के बाद चीन जाने की इच्छा रखने वाली नेपाली लड़कियों की संख्या में वृद्धि हुई है। इमिग्रेशन विभाग के तत्कालीन महानिदेशक कोष हरि निरौला ने बताया कि उनके कार्यकाल में ऐसे करीब ढाई सौ से अधिक नेपाली युवतियों को गलत नीयत से चीन ले जाने वाले चीनी युवकों के चंगुल से बचाया गया है। निरौला का कहना है कि इस तरह की शादी को रोकना मुश्किल है क्योंकि यह निजी पसंद का मामला है और लड़की के बालिग होने तथा उसके परिवार वालों की रजामंदी होने के कारण कानूनी रूप से इसको रोका नहीं जा सकता है। निरौला ने बताया कि बड़े सपने और शादी के झांसे में आकर युवतियां चली तो जाती हैं लेकिन वहां पर कुछ दिन के बाद ही शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना की शिकार हो जाती हैं। इतना ही नहीं इनमें से अधिकतर नेपाली लड़कियों को वेश्यावृत्ति में ढकेले जाने की दर्जनों शिकायत मिल रही हैं।

राष्ट्रपति ने रायरंगपुर में विभिन्न विकास परियोजनाओं की रखी आधारशिला

नई दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने ओडिशा की पांच दिवसीय यात्रा के अंतिम दिन शनिवार को रायरंगपुर में तीन नई रेल लाइनों, जनजातीय अनुसंधान एवं विकास केंद्र, दंडबोस हवाई अड्डे और रायरंगपुर में उप-मंडलीय अस्पताल के नए भवन की आधारशिला रखी। इस मौके पर राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि उन्हें इस भूमि (ओडिशा) की बेटी होने पर हमेशा गर्व रहा है। जिम्मेदारियों और व्यस्तताओं ने उन्हें कभी भी अपनी जन्मभूमि और यहां के लोगों से दूर नहीं किया बल्कि लोगों का प्यार उन्हें हमेशा अपनी ओर खींचता रहता है। उन्होंने कहा कि मातृभूमि उनके विचारों और कार्यों में बसी है। इस क्षेत्र के लोगों का पवित्र और गहरा स्नेह हमेशा उनके मन में गूंजता रहता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नई रेल परियोजनाओं और हवाई अड्डे से क्षेत्र में परिवहन, वाणिज्य और व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। 100 बिस्तरों वाली नई अस्पताल इमारत स्थानीय लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करेगी। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि ओडिशा को भारत सरकार के पूर्वोदय विजन से लाभ मिल रहा है। शिक्षा, कौशल विकास, स्वास्थ्य, पर्यटन कनेक्टिविटी और परिवहन सुविधाओं सहित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से पूरे क्षेत्र के विकास को गति दी जा रही है। उन्होंने कहा कि आदिवासी बच्चों को शिक्षित करने के लिए एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय स्थापित किए जा रहे हैं। उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि ओडिशा में 100 से अधिक नए एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय स्थापित किए जा रहे हैं।

एक नजर

बच्चों की लड़ाई में वयस्क आपस में भिड़े

हजारीबाग : हजारीबाग जिले के कटकमदाग थाना अंतर्गत कुसुंभा गांव में एक व्यक्ति को घर में घुसकर अज्ञात लोगों ने बेरहमी से पिटाई कर दी। जिस व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया परिजन और ग्रामीण के मदद से उन्हें हजारीबाग का शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया जहां प्राथमिक की इलाज चल रहा है। घायल व्यक्ति बाली कुमार यादव कुसुंबा गांव का रहने वाला है। उन्होंने बताया कि गांव के ही अज्ञात छह लोग उनके घर पर घुसे और बेरहमी से जानलेवक हमला करते हुए पिटाई करने लगे और सभी फिर फरार हो गए । हालांकि इसको लेकर स्थानीय थाना पुलिस को जानकारी दी गई। उन्होंने फर्दब्यान के आधार पर मारपीट के मामले को दर्ज करवाया है । इसके साथ ही उन्होंने पुलिस से मामले की जांच करते हुए अज्ञात बदमाशों की पहचान करते हुए कार्रवाई की मांग की है। इस पूरे मामले पर कटकमदाग थाना प्रभारी पंकज कुमार ने बताया कि बच्चे बच्चे की लड़ाई में मारपीट और घायल जैसी स्थिति उत्पन्न हुई है। दोषियों पर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

4 दिवसीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम का तीसरे दिन का कार्यक्रम संपन्न

पदमा : पदमा प्रखंड स्थित मां विंध्यवासिनी कॉलेज आफ एजुकेशन नवागंतुक प्रशिक्षकों के लिए चल रहे चार दिवसीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम तीसरा दिन संपन्न हुआ जिसमें मंच संचालन प्रो. जितेंद्र झा एवं डॉ. नीतू उपाध्याय ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्रो. चन्द्रशेखर प्रसाद द्वारा किया गया। प्रो. अंशु लकड़ा तथा प्रो. सरिका मेहता के नेतृत्व में रजिस्ट्रेशन के उपरांत कार्यक्रम का आरंभ हुआ जिसमें डॉ. सुनील कुमार वर्मा ने संस्थान के विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों के अधिकार एवं कर्तव्य से नए-नए प्रशिक्षुओं को अवगत कराया। कार्यक्रम समन्वयक डॉक्टर प्रियंका कुमारी ने शिक्षा में तकनीकी के महत्व को बताते हुए वर्तमान शिक्षकों के लिए कंप्यूटर एवं इंटरनेट की महत्वपूर्ण बातों को बताया, कुछ एक्टिविटीज कराये साथ ही प्रशिक्षुओं को मनोवैज्ञानिक प्रयोग से अवगत कराया गया। भोजनोपरांत सत्र में प्रोफेसर अविनाश कुमार के निर्देशन में फिजिकल एक्टिविटीज कराई गई साथ ही दोनों वर्तमान छात्रों के बीच एक फ्रेंडली वालीबॉल मैच का आयोजन हुआ तथा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ वीरेंद्र चौरसिया के अध्यक्षीय भाषण के साथ सभा का समापन हुआ।

18 को सयाल डी परियोजना में धरना देगा अखिल कोयला श्रमिक संघ : सतीश सिन्हा

भुरकुंडा (रामगढ़) : अखिल झारखण्ड कोयला श्रमिक संघ की क्षेत्रीय कमेटी की बैठक सयाल स्थित यूनियन कार्यालय में हुई । जिसकी अध्यक्षता एरिया अध्यक्ष इंद्रदेव राम और संचालन एरिया सचिव संजय मिश्रा ने किया। बैठक में मुख्य रूप से यूनियन के केंद्रीय महासचिव सतीश सिन्हा उपस्थित थे। सतीश सिन्हा ने कहा की आज सयाल में लोकल सेल चालू होकर के यहां के प्रबंधन के नीजी स्वार्थ के चलते लोकल सेल बंद हो गया सयाल में दो दो आउटसोर्सिंग कम्पनी काम कर रही हैं पीएसएमइ एवं आरए माइनिंग लेकिन दोनों कम्पनियो में न्यूनतम मजदूरी नहीं दिया जा रहा हैं कम्पनी बाहर से लोगो को लाकर के काम करवा रही हैं। सयाल के कॉलोनीयों मे पेयजल की व्यवस्था नियमित ढंग से नहीं हो रही हैं सयाल डी परियोजना में कार्यरत मजदूरों का प्रमोशन टाइम से नहीं हो पे रहा ऐसे अनेको मुद्दे हैं जिनपे प्रबंधन का कोई ध्यान ही नहीं हैं।

विधायक ने किया 100 दिवसीय यक्ष्मा उन्मूलन अभियान का शुभारंभ

मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य लाभ एवं व्यवस्था दिलाना मेरी प्राथमिकता है : मनोज यादव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही अनुमंडलीय अस्पताल में शनिवार को 100 दिवसीय यक्ष्मा उन्मूलन अभियान का भव्य शुभारंभ हुआ। इस अभियान का उद्घाटन बरही के नवनिर्वाचित विधायक मनोज कुमार यादव ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। कार्यक्रम में जीप उपाध्यक्ष किशुन यादव, बीडीओ जयपाल महतो, बीसीओ संजय यादव, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, जीप सदस्य प्रीति कुमारी, सद्भावना विकास मंच अध्यक्ष राजसिंह चौहान, एचआईएमएस सदस्य सुरेंद्र रजक, जीप प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता और मुखिया संघ के अध्यक्ष विजय यादव समेत कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डीएस डॉ. प्रकाश ज्ञानी ने की, जबकि संचालन बीपीएम नारायण राम ने किया। उद्घाटन समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर निक्षय मित्रों को उनके योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया और उनसे आगे भी सहयोग की अपील की गई।

अभियान की सफलता और भविष्य की योजना

अभियान के तहत बताया गया कि बरही के करसो, रसोइया धमना, बरही पूर्वी, बरही पश्चिमी, कोनरा, धनवार, बरसोत, विजैया और सूरजपुरा टीबी मुक्त पंचायत बन चुके हैं। छुटे हुए पंचायतों को भी अभियान के तहत टीबी मुक्त करने के लिए सामाजिक संस्थाओं और पंचायत प्रतिनिधियों से सहयोग की अपील की गई।

विधायक की प्राथमिकता मरीजों की सुविधा

विधायक मनोज कुमार यादव ने निक्षय मित्रों को बधाई देते हुए कहा कि उनके प्रयासों से बरही में टीबी मरीजों की संख्या में उल्लेखनीय कमी आई है। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को निर्देश दिया कि आने वाले मरीजों को समुचित चिकित्सा सुविधाएं मिलें। उन्होंने कहा, मरीजों को बेहतर व्यवस्था दिलाना मेरी प्राथमिकता है। डीएस डॉ. प्रकाश ज्ञानी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2025 तक भारत को टीबी मुक्त बनाने के आह्वान के बाद सामाजिक संस्थाओं के 29 निक्षय मित्रों ने शुरू से ही टीबी मरीजों को गोद लेकर बरही अनुमंडलीय अस्पताल को जिले में सबसे आगे रखा है। इस अभियान का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2025 तक भारत को टीबी मुक्त बनाने के लक्ष्य को साकार करना है। बरही अनुमंडलीय अस्पताल का यह प्रयास पूरे जिले के लिए मिसाल बन रहा है। मौके पर पीके गर्ग, बीके तिवारी, राजा छाबड़ा, बीसीओ संजय यादव, मुखिया संघ अध्यक्ष विजय यादव, विहिप जिला सह मंत्री गुरुदेव गुप्ता, वरिष्ठ भाजपा नेता सुरेंद्र रजक, डॉ संगीता चौधरी, महेंद्र प्रसाद दुबे, डॉ प्रवीण कुमार, मुखिया मोतीलाल चौधरी, मनोज राणा, बीपीएम नारायण राम, बैम प्रमोद श्रीवास्तव, सुधांशु कुमार, बिजेंद्र कुमार, कुलदीप कुमार, प्रह्लाद कुमार, मो इरशाद समेत अन्य लोग मौजूद थे।

मध्य विद्यालय बरहीडीह में साइकिल वितरण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : मध्य विद्यालय बरहीडीह के प्रांगण में साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सरकार द्वारा छात्रों को प्रोत्साहित करने और उनकी शिक्षा में सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पंचायत के मुखिया शमसेर आलम ने भाग लिया। इसके साथ ही विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार सिंह, विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापिका कंचन कुमारी, सहायक अध्यापक अजय प्रजापति और कक्षा 8 के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। साइकिल वितरण के दौरान सहायक अध्यापक अजय प्रजापति ने ग्रामीणों से अपील की कि वे अपने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजें। उन्होंने कहा कि छात्रों की शत-प्रतिशत उपस्थिति से उनका भविष्य उज्ज्वल बनेगा। पंचायत के मुखिया शमसेर आलम ने सभी अभिभावकों से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों को सुसज्जित करके विद्यालय भेजें ताकि वे मन लगाकर पढ़ाई कर सकें। विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि बच्चों को प्रतिदिन विद्यालय आना चाहिए ताकि सरकार की योजनाओं का पूरा लाभ उन्हें मिल सके। साथ ही, उन्होंने शिक्षकों द्वारा प्रदान किए जाने वाले शिक्षा के महत्व पर भी जोर दिया।

डालमिया सीमेंट ने की हजारीबाग में मोबाइल मेडिकल वैन यूनिट सेवा की शुरुआत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए तथा जिला प्रशासन से निर्देश प्राप्त कर भारत के सीमेंट निमार्ता डालमिया सीमेंट लिमिटेड ने आज झारखंड के हजारीबात में एक नई मोबाइल मेडिकल यूनिट लॉन्च की। यह यूनिट दूर-दराज के गांवों तक पहुंचकर जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं और संसाधन उपलब्ध कराएगी, जो आमतौर पर ऐसे क्षेत्रों तक पहुंच पाना मुश्किल होता है। इस पहल की शुरूआत मानव कल्याण के लिए काम करने वाली एक गैर-लाभकारी संस्था वॉकहार्ट फाउंडेशन के साथ मिलकर 100 दिवसीय तपेदिक (टीबी) जागरूकता अभियान के साथ शुरू हुई। इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीणों को टीबी के प्रति जागरूक करना, उन्हें शिक्षित करना और स्क्रीनिंग के माध्यम से शुरूआती पहचान और समय पर उपचार को सुनिश्चित करना है। एमएम का उद्घाटन हजारीबाग के मुख्य चिकित्सा अधिकारी और सिविल सर्जन, डॉ. सरपू प्रसाद सिंह तथा इथन्यूएचओं के सलाहकार, डॉ. अरुण सेल्विन ने किया। यह यूनिट आसपास के पांच गांव पर्रा, चट्टी बरियातु, नवाखाप, गोपदा और डुमरी में टीबी जागरूकता और जांच सेवाएं प्रदान करेगी। इस मोबाइल यूनिट के माध्यम से दूर-दराज के क्षेत्रों में नियमित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

बड़कागांव में टीबी रोग को मिटाने के लिए कार्यशाला का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड में राष्ट्रीय यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कार्यशाला का आयोजन किया गया । जिसकी अध्यक्षता जिसकी अध्यक्षता उप प्रमुख वचन देव कुमार एवं संचालन प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अविनाश कुमार ने किया। टीबी रोग उन्मूलन को लेकर डॉ अविनाश कुमार ने लोगों को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मिशन 2025 तक देश में टीबी को समाप्त करने को लेकर अहम कार्यक्रम चलाई जा रही हैं। जिसके तहत झारखंड में हजारीबाग ,सिमडेगा ,रामगढ़ और गुमला जिले को चिन्हित किया गया है। टीवी उन्मूलन कार्य 7 दिसंबर से शुरू किया गया है। बड़का गांव में 100 दिन तक प्रखंड के स्वास्थ्य कर्मियों के द्वारा घर-घर जाकर टीबी से संबंधित रोगियों को चिन्हित किया जाएगा। इतना ही नहीं उनकी इलाज की पूरी व्यवस्था बड़कागांव सरकारी हॉस्पिटल से किया जाएगा। चिन्हित टीबी मरीज को निशुल्क दवा के साथ 1000 प्रतिमाह दिए जाएंगे। उप प्रमुख वचन देव कुमार एवं मुखिया संघ अध्यक्ष रंजीत कुमार ने कहा कि कोरोना जैसे गंभीर बीमारी को हम लोगों के समझदारी व सूझबूझ से ही समाप्त हुआ है। स्वास्थ्य बेहतर रखने के लिए हमेशा जांच कराते रहें। बढ़ती उम्र के साथ शरीर में प्रतिरोधक क्षमता भी घटती जाती है ,इसलिए दवा को उपयोग सही तरीके से समय पर जरूर करें। नियमित रूप से रोजाना योग व्यायाम जरूर करते रहें । ऐसा करने से कई बीमारियों का नाश होता है। चिकित्सा पदाधिकारी प्रखंड के सहीया सेविका व अन्य स्वास्थ्य कर्मियों से टीमवर्क के तहत काम ले हम जनप्रतिनिधि भी आपकी सहयोग के लिए निरंतर आगे रहकर सहयोग करते रहेंगे ताकि हमारे क्षेत्र से टीबी हमेशा के लिए समाप्त हो जाए। वही टीबी रोग ट्रीटमेंट सुपरवाइजर दीपक कुमार केरकेट्टा ने कहा कि शरीर के किसी भी अंग में टीबी रोग हो सकता है।

ठंड में शॉल ओढ़ाकर पुजारी बिट्टू बाबा ने दिया मानवता का संदेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

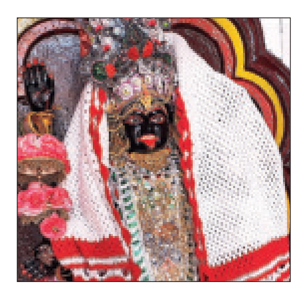

हजारीबाग : खिरगांव शमशान घाट स्थित ऐतिहासिक और भव्य मां काली मंदिर में इस सर्दी के मौसम में एक अनोखी परंपरा शुरू की गई है। मंदिर के मुख्य पुजारी बिट्टू बाबा ने मां काली की प्रतिमा को शॉल ओढ़ाकर मां के प्रति अपनी श्रद्धा और सेवा का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया। इस पहल ने न केवल मंदिर परिसर में बल्कि पूरे इलाके में भक्ति और जागरूकता का माहौल बना दिया है। पुजारी बिट्टू बाबा ने बताया मां काली हमारी शक्ति और सुरक्षा की प्रतीक हैं। जैसे एक मां ठंड में अपने बच्चों का ख्याल रखती है, वैसे ही हमने मां को शॉल ओढ़ाकर यह संदेश देने की कोशिश की है कि हर जीव, हर व्यक्ति और प्रकृति के प्रति हमारी सेवा और दायित्व होना चाहिए। यह केवल पूजा का हिस्सा नहीं, बल्कि मानवता का संदेश है। इस पहल का उद्देश्य न केवल मां काली की पूजा-अर्चना को और अधिक पवित्र बनाना है, बल्कि ठंड के इस मौसम में गरीबों और जरूरतमंदों के प्रति समाज को जागरूक करना भी है। पुजारी बिट्टू बाबा ने इस अवसर पर सभी भक्तों से अपील किया कि वे ठंड के मौसम में अपने आसपास के जरूरतमंदों की मदद करें। मंदिर के दर्शन करने आए श्रद्धालुओं में इस प्रयास को लेकर गहरी आस्था और उत्साह देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने इसे समाज के लिए प्रेरणादायक पहल बताया। मंदिर के आसपास रहने वाले लोगों ने भी इस कार्य की सराहना करते हुए कहा कि पुजारी बिट्टू बाबा का यह कदम न केवल धार्मिकता को बढ़ावा देता है बल्कि सामाजिक एकता और परोपकार का भी प्रतीक है।

प्रमंडलीय आयुक्त ने की जिले के कार्यों की समीक्षा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडलीय आयुक्त हजारीबाग पवन कुमार की अध्यक्षता में हजारीबाग जिले की समीक्षात्मक बैठक समाहरणालय सभागार कक्ष हजारीबाग में आयोजित की गई। बैठक के दौरान आयुक्त द्वारा ऑनलाइन कोर्ट मॉनिटरिंग सिस्टम मामलों, भू-अर्जन, भूमि हस्तांतरण एवं लीज बंदोबस्ती मामले और NGDRS से विमुक्तिकरण के निष्पादन वं लंबित मामलों की समीक्षा की गई। बैठक में हजारीबाग के विभिन्न विभागों के अधिकारियों और जिला प्रशासन के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

आयुक्त के द्वारा ऑनलाइन कोर्ट मॉनिटरिंग सिस्टम के द्वारा न्यायालय वादों के निष्पादन एवं लंबित मामलों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान अंचल अधिकारी, भूमि सुधार उपसमाहर्ता, अवर निबंधक से न्यायालय वादों के निष्पादन के प्रक्रिया और लंबित मामलों की जानकारी ली गई। जानकारी के उपरांत लंबे समय से लंबित मामलों को जल्द से जल्द निष्पादन करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। सभी राजस्व संग्रहण से संबंधित विभागों के प्रतिनिधि तथा सभी संबंधित पदाधिकारियों की उपस्थिति में जिला के सभी भू-अर्जन, भूमि हस्तांतरण एवं लीज बंदोबस्ती संबंधित लंबित मामलों की प्रमंडलीय आयुक्त ने समीक्षा की। इस दौरान हजारीबाग में संचालित कोल खनन परियोजना के भू-अर्जन एवं अधिग्रहित की गई भूमि की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निदेश दिए । आयुक्त ने हजारीबाग जिला अंतर्गत भारतमाला परियोजना के तहत फेज-11, ठल्ठ-02, ठल्ठ-522 से संबंधित भू-अर्जन स्थिति की भी समीक्षा की।आयुक्त ने भूमि हस्तांतरण और लीज संबंधी मामलों में पारदर्शिता, समयबद्धता और प्रक्रिया के सुचारु संचालन पर बल दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी प्रासंगिक दस्तावेजों और प्रक्रियाओं की उचित जांच की जाए ताकि भूमि विवादों और शिकायतों से बचा जा सके। आयुक्त पवन कुमार ने उपायुक्त एवं अपर समाहर्ता हजारीबाग के न्यायालय कार्यों, राष्ट्रीय सामान्य दस्तावेज पंजीकरण प्रणाली के तहत विमुक्तिकरण के निष्पादन एवं लंबित मामलों का निरीक्षण किया। साथ ही खास महाल कार्यालय में संचालित कार्यों का निरीक्षण किया।

मौके पर उपायुक्त हजारीबाग, अपर समाहर्ता हजारीबाग, प्रशिक्षु आईएएस, आयुक्त के सचिव, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, हजारीबाग अंतर्गत सभी अनुमंडल पदाधिकारी, निबंधन पदाधिकारी सदर एवं बरही, रजिस्टार सदर एवं बरही, भू-अर्जन से संबंधित सभी संबंधित विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

एनएमएल पकरी बरवाडीह परियोजना में नौवां कोल माइनिंग डे धूमधाम से मनाया गया

बड़कागांव : कोल माइनिंग प्रोजेक्टनौवीं कोल माइनिंग डे एनएमएल पकरी बरवाडीह कोल माइनिंग प्रोजेक्ट में धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। उत्सव की शुरूआत मुख्य अतिथि फैज तैय्यब, परियोजना प्रमुख द्वारा एनटीपीसी ध्वज फहराने के साथ हुई। तत्पश्चात उन्होंने एनएमएल द्वारा हासिल महत्वपूर्ण उपलब्धियों की चर्चा की और पकरी बरवाडीह परियोजना की सफलता में प्रत्येक कर्मचारी और विभाग के असाधारण योगदान की सराहना की। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि एनएमएल और विशेष रूप से पकरी बरवाडीह की उपलब्धियां टीमवर्क और संघर्ष की ताकत का प्रतीक हैं। साथ ही, उन्होंने भविष्य के प्रति अपनी आशा व्यक्त करते हुए कहा, जब हम अगले वर्ष एनएमएल के दसवें स्थापना दिवस मनाएंगे तो मुझे विश्वास है कि सामूहिक प्रयासों के साथ हम और भी बड़ी उपलब्धियों को एक टीम के रूप में हासिल करेंगे। सीकरी साइट स्थित प्रशासनिक भवन के समीप आयोजित यह कार्यक्रम कर्मचारियों को प्रेरित और उत्साहित करने का एक अवसर बन गया। जिससे एनएमएल में एकजुटता और साझा दृष्टिकोण की भावना को और भी मजबूती मिली। गौरतलब है कि आज से ठीक नौ वर्ष पूर्व पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना से जो ठळढउ की पहली कोयला खनन परियोजना है उससे पहली बार कोयला निकाला गया था जिसे अब कोल माइनिंग डे के रूप में मनाया जाता है। इस कार्यक्रम के दौरान परियोजना प्रमुख श्री फैज तैय्यब के अलावा विभागों के विभागाध्यक्ष एवं भारी संख्या में कर्मचारी मौजूद रहे।

समाजसेवी मिथिलेश कुमार पाण्डेय ने मंत्री दीपिका पांडे सिंह से की मुलाकात

केरेडारी : केरेडारी प्रखण्ड क्षेत्र अन्तर्गत केमो गांव निवासी मिथिलेश कुमार पाण्डेय ने झारखंड के मंत्री दीपीका पाण्डेय सिंह से औपचारिक मुलाकात किया और मंत्री बनने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मुलाकात के क्रम में मिथिलेश कुमार पाण्डेय ने केरेडारी प्रखण्ड में सरकारी महाविद्यालय की स्थापना करने का आग्रह किया। साथ हीं को बताया कि केरेडारी प्रखण्ड मे कई कंपनी कार्यरत हैं। लेकिन एक भी इस प्रखण्ड में महाविद्यालय नहीं है, छात्र छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए हजारीबाग रांची जाना पडता है। सुदुर अंचलों में उच्च शिक्षा की व्यवस्था होने से झारखंड का स्वागिर्ण विकास होगा!दीपीका पाण्डेय एक अनुभवी नेत्री है। इसलिए उनके मंत्री बनने पर सम्पूर्ण झारखंड वासियों को खुशी हो रही है। इसके साथ हीं मिथिलेश कुमार पाण्डेय ने मंत्री डॉक्टर इरफान अंसारी और संजय प्रसाद यादव से भी मुलाकात किया और मंत्री बनने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

रोडसेल समिति ने विधायक से की मुलाकात रोड सेल चालू करवाने की मांग की

भुरकुंडा (रामगढ़) : भुरकुंडा कोलियरी रोड सेल समिति के सदस्यों ने शनिवार को नव निर्वाचित विधायक रोशन लाल चौधरी से आवसीय कार्यालय पतरातु में मुलाकात किया । सेल समिति के सदस्यों ने विधायक रोशन लाल चौधरी को बुके देकर जीत की बधाई दी। साथ ही भुरकुण्डा कोलियरी क्षेत्र में 5 वर्षो से बंद लोकल सेल को पुनः चालू करवाने की दिशा में पहल करने का आग्राह किया। सेल समिति के लोगो ने कहा की रोड सेल (लोकल सेल) बंद होने से ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के लगभग 3000 मजदुर बेरोजगारी का दंश झेल रहे है। कोलियरी हित और पलायन को रोकने के लिए रोड सेल चालू किया जाना चाहिए। विधायक रोशन लाल चौधरी ने आश्वासन दिया की जल्द ही सीसीएल प्रबंधन से वार्त्ता कर रोड सेल खुलवाने का प्रयास करूंगा। मुलाकात करने वालो में दर्शन गंझू, रेवती रमण शर्मा, सरोज कांत झा, मुकेश पासवान, रविन्द्र सिंह, संजय मिश्रा, हरिशंकर चौधरी शामिल थे।

विभावि के कई विभागों में चलाया गया फिट इंडिया जागरूकता कार्यक्रम

हजारीबाग : भारत सरकार का फिट इंडिया वीक सेलिब्रेशन के तहत विनोबा भावे विश्वविद्यालय में इस कार्यक्रम के नोडल पदाधिकारी डॉ० उमेन्द्र सिंह के नेतृत्व में शनिवार को विभिन्न विभागों में जागरूकता अभियान का संचालन किया गया। विश्विद्यालय के हिंदी, उर्दू, अंग्रेजी, भूगोल, भौतिकी और भूविज्ञान विभागों में डॉ उमेंद्र सिंह के साथ अर्थशास्त्र विभाग के फिट इंडिया स्वयंसेवक विद्यार्थी पूरे उत्साह के साथ इस कार्यक्रम का प्रचार प्रसार किया। कार्यक्रम में अलग-अलग विभाग के लगभग 500 से अधिक छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और छात्रों को फिट इंडिया एप के उपयोग के लिए प्रेरित करना था। बड़ी संख्या में छात्रों ने इस एप को डाउनलोड कर अपनी फिटनेस को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया। यह अभियान छात्रों और शिक्षकों के बीच फिटनेस और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु भारत सरकार के दिशानिर्देशानुसार चलाया जा रहा है। इस अभियान में डॉ. उमेंद्र सिंह के साथ अर्थशास्त्र विभाग के शोधार्थी पुष्कर कुमार पुष्प, आरती मेहता, पल्लवी कुमारी, अदिति मिश्रा, संतोष पंडित तथा अन्य उपस्थित थे।

एक नजर

पहाड़ी मंदिर के जीर्णोद्धार की दिशा में मिली सफलता : संजय सेठ

रांची : पहाड़ी बाबा की कृपा से शनिवार को परिसर के पुनर्विकास कार्य का शिलान्यास रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ एवं विधायक सीपी सिंह ने संयुक्त रूप से किया। यह पुनर्विकास कार्य दो फेज में क्रमशः 4 करोड़ 24 लाख और 2 करोड़ 48 लाख की लागत से संपन्न होगा। मौके पर सेठ ने कहा कि पहाड़ी मंदिर कैसे संरक्षित हो, इसके लिए मेरा प्रयास काफी दिनों से चला आ रहा था। आज इसका काम पूर्ण हुआ। अभी तो इसकी शुरूआत है। आगे भी पहाड़ी बाबा के लिए और भी सारे काम किए जाएंगे। अभी इसमें बाउंड्रीवॉल-गार्डवाल, सीढ़ी, मेन गेट, टाइल्स, लाइट और यज्ञशाला का निर्माण होना है।

प्रदेश कांग्रेस का आभार समागम 21 को

रांची : प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में आभार समागम का आयोजन किया गया है। इस संबंध में शनिवार को प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने कहा कि 21 दिसंबर को चिरौंदी स्थित गीतांजली बैंक्विट हॉल में आभार समागम का आयोजन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में आयोजित किया गया है। सोनाल ने कहा कि कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर, सह प्रभारी सप्तगिरि शंकर, सांसद सह प्रभारी डॉक्टर सिरीबेला प्रसाद सहित विधानसभा चुनाव के लिए नियुक्त पर्यवेक्षक तारीक अनवर, बीके हरिप्रसाद, मोहन मारकम भी उपस्थित रहेंगे। उन्होंने कहा कि समागम में एआईसीसी सदस्य, प्रदेश प्रतिनिधि, जिला अध्यक्ष, अग्रणी संगठन के अध्यक्ष, विभाग के प्रदेश अध्यक्ष, प्रखंड और मंडल अध्यक्ष उपस्थित रहेंगे। सोनाल ने कहा कि विधानसभा चुनाव में कार्यकताओं और नेताओं की मेहनत के कारण झारखंड में पुनः सरकार की वापसी दमखम के साथ हुई है। पूरे विधानसभा चुनाव के दौरान सरकार के कार्यों को जनता तक पहुंचाने और भाजपा के विभाजनकारी नीतियों से लोगों को अवगत कराने के लिए कांग्रेस कार्यकताओं ने महागठबंधन दलों के साथ आपसी सामंजस्य करके जीत की मजबूत नींव रखी, जिसके कारण प्रचंड बहुमत जनता ने महागठबंधन को दिया। कार्यकताओं के प्रति आभार प्रकट करने और भविष्य के सांगठनिक पहलुओ पर निष्कर्ष करने के लिए समागम का आयोजन किया गया है।

हाईकोर्ट ने सरकार को जमीन सर्वे की प्रगति रिपोर्ट पेश करने का दिया आदेश

रांची : झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को जमीन सर्वे की प्रगति रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया है। चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव और जस्टिस दीपक रोशन की खंडपीठ ने शुक्रवार को जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए सरकार को फरवरी तक रिपोर्ट जमा करने का समय दिया है। सुनवाई के दौरान सरकार ने बताया कि राज्य में जमीन सर्वे का काम शुरू हो चुका है। लातेहार और लोहरदगा जिलों में सर्वे पूरा हो गया है। लेकिन बाकि जिलों में काम पूरा करने में अभी 6 महीने का समय लगेगा। वहीं याचिकाकर्ता गोकुलचंद ने अदालत को बताया कि झारखंड में 1980 से लैंड सर्वे का काम चल रहा है। लेकिन 40 से ज्यादा साल बीतने के बाद भी यह पूरा नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि सर्वे में देरी के कारण जमीन माफिया सक्रिय हो गए हैं और दस्तावेजों में गड़बड़ी कर जमीन की प्रकृति बदलकर उसकी खरीद-बिक्री कर रहे हैं। इससे सरकार को राजस्व का नुकसान हो रहा है। याचिकाकर्ता ने मांग की कि जमीन सर्वे का काम पूरा करने के लिए समय सीमा तय की जाए। अदालत ने इस मामले में सरकार से प्रगति रिपोर्ट मांगी है।

लोगों की समस्याओं का निदान करना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने शनिवार को समाहरणालय स्थित कक्ष में जिले के सभी वरीय पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने सभी सम्बंधित पदाधिकारियों से क्रमवार फायर सेफ्टी, साफ-सफाई, पार्किंग, शौचालय की साफ-सफाई, लिफ्ट एवं अन्य सम्बंधित मामलों की जानकारी लेते हुए उन्हें कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने सभी वरीय पदाधिकारियों को आई कार्ड देते हुए उन्हें विशेष रूप से कहा कि जन शिकायतों को प्राथमिकता दें। सभी अधिकारी,

पदाधिकारी और कर्मी समाहरणालय में आई कार्ड लगाकर आएं। सभी अधिकारी और कर्मी कार्यालय समय पर पहुंचे। सभी को समय का पालन करना अति आवश्यक है। उपायुक्त ने बैठक में सभी पदाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि दिए गए उत्तरदायित्व का पालन अच्छे से करें। सभी कार्यों का निष्पादन सही समय से करें। उन्होंने विशेष से रूप से कहा कि लोगों के समस्या का निदान करना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसमें किसी भी हालत में कोताही नही बरतें। लोगों की जिला प्रशासन से बहुत सारी अपेक्षाएं एवं उम्मीदें हैं, उन पर खरा उतरना हम सब की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि योग्य लाभुकों को सरकार के जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना और जमीनी स्तर पर राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को उतारना हम सब संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी है।

टेंडर कमीशन मामले में आलमगीर आलम सहित 12 के खिलाफ आरोप गठित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : टेंडर कमीशन घोटाला मामले में जेल में बंद झारखंड के पूर्व मंत्री आलमगीर आलम और निलंबित चीफ इंजीनियर वीरेंद्र राम सहित 12 आरोपितों के खिलाफ आरोप गठित कर दिया गया है। धन-शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत ने शनिवार को आरोपितों पर आरोप गठित किया। इससे आरोपितों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। मामले के आरोपितों को उनके ऊपर लगे आरोपों के बारे में कोर्ट ने पूछा। इस पर आरोपितों ने कहा कि मामले में वह निर्दोष हैं। इसके बाद अदालत ने आरोप गठित कर दिया। मामले में अब ईडी की ओर से साक्ष्य प्रस्तुत किया जाएगा। आरोप गठन के दौरान ईडी की

ओर से विशेष लोक अभियोजक शिव कुमार काका कोर्ट में मौजूद थे। मामले में आलमगीर आलम, वीरेंद्र राम, उसकी पत्नी राज कुमारी, भाई आलोक रंजन, पूर्व मंत्री के आप्त सचिव संजीव लाल, उसका नौकर जहांगीर आलम, मुकेश मित्तल, ताराचांद, नीरज मित्तल, राम प्रकाश भाटिया सहित 12 पर आरोप गठित किया गया। उल्लेखनीय है कि टेंडर कमीशन घोटाला मामले को लेकर ईडी ने सबसे पहले 21 फरवरी, 2023 को बड़ी कार्रवाई की थी। निलंबित चीफ इंजीनियर वीरेंद्र राम के रांची जमशेदपुर पटना और दिल्ली सहित कई ठिकाने पर छापेमारी की थी। छापेमारी के बाद वीरेंद्र राम सहित अन्य को ईडी ने गिरफ्तार किया था। ईडी की दूसरी बड़ी कार्रवाई 6 और 7 मई को हुई थी। इसमें कई इंजीनियर, कांट्रेक्टर-ठेकेदार और पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के पीएस के ठिकानों पर ईडी ने छापेमारी की थी। आलमगीर आलम के पीएस संजीव लाल के नौकर जहांगीर आलम के ठिकाने से लगभग 32.30 करोड़ कैश बरामद हुए थे। इसके बाद पूर्व मंत्री आलमगीर आलम से दो दिनों की पूछताछ के बाद ईडी ने 15 मई को गिरफ्तार कर लिया था।

झारखंड के मौसम में आयेगा बदलाव, 10 से बढ़ेगी ठंड

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में ठंड का उतार-चढ़ाव बना हुआ है। सुबह और शाम में ठंड का एहसास होने लगा है। राज्य में शनिवार को मौसम साफ रहा। इस दौरान अधिकतम तापमान 25 डिग्री के आसपास रहा जबकि न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस रहने की अनुमान है लेकिन रविवार से ठंड बढ़ सकती है। इसकी वजह है कि कई इलाकों में बारिश की संभावना जतायी गयी है। रांची स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, राज्य के उत्तर-पश्चिमी और इससे सटे कई इलाकों में हल्की बारिश हो सकती है, जिन इलाकों में बारिश के आसार हैं उनमें पलामू, गढ़वा, चतरा, कोडरमा, लातेहार, लोहरदगा और रांची जिला शामिल हैं। नौ दिसंबर को भी हल्की वर्षा की संभावना जतायी गयी है। आने वाले दो से तीन दिनों में मौसम में बदलाव आ सकता है। न्यूनतम तापमान में 3 से 4 डिग्री तक गिरावट दर्ज की जाएगी। कई जिलों में सुबह कोहरा छाया रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के कारण बारिश की संभावना बन रही है। राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली के कुछ हिस्सों पर एक सकुर्लेशन बन रहा है। पश्चिमी विक्षोभ और सकुर्लेशन मिलकर मौसम का मिजाज बदलेगा। देश के पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी के साथ बारिश हो सकती है। इस संबंध में रांची मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने शनिवार को बताया कि आज से बादल रहने की संभावना है। आठ और नौ दिसंबर को राज्य के कुछ जगहों पर बारिश होने की आशंका है। दस दिसंबर से फिर से आसमान साफ होने का अनुमान है।

सीएम 20 दिसंबर को करेंगे खादी मेला का उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की राजधानी रांची में प्रसिद्ध खादी, हस्तशिल्प एवं सरस मेला का आयोजन किया जाने वाला है। राज्य के प्रसिद्ध मेले का आयोजन मोरहाबादी मैदान में 20 दिसंबर से 6 जनवरी तक होगा। इसका उद्घाटन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 20 दिसंबर को करेंगे। इस दौरान सीएम के साथ उद्योग मंत्री संजय प्रसाद यादव सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहेंगे। बता दें कि झारखंड राज्य खादी बोर्ड मेले की तैयारियों में जुट गया है। मेले में दिखेगी हस्तकला और हस्तशिल्प की कारीगरी इसकी जानकारी देते हुए खादी बोर्ड की सीईओ सुमन पाठक ने कहा कि इस मेले में पूरे देश भर के तकरीबन 400 से 500 स्टॉल लगाये जायेंगे। साथ ही सुमन ने बताया कि रांची के मोरहाबादी में लगने वाले इस मेले में लोगों को अलग-अलग राज्यों की हस्तकला और हस्तशिल्प की कारीगरी देखने को

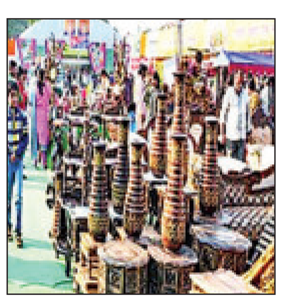

मिलेगी। इसके अलावा मेले में फूड स्टॉल और बच्चों के मनोरंजन की भी व्यवस्था रहेगी। हर दिन विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन होगा। बता दें कि मेले में बुकिंग के लिए ऑनलाइन आवेदन मंगाये जा रहे हैं। कब तक लिये जाएंगे आवेदन सीईओ सुमन पाठक ने बताया कि अब तक मेले में लगाए जाने के लिए करीब 300 स्टॉल की बुकिंग के आवेदन आ चुके हैं। वहीं, इसके लिए 8 दिसंबर तक ही आवेदन लिए जाएंगे। बताया जा रहा है कि सबसे ज्यादा स्टॉल झारखंड के हस्तशिल्प और खादी के लगाये जायेंगे।

अंचल कार्यालयों का चक्कर लगाने को मजबूर हैं मंईयां की हकदार महिलाएं : बाबूलाल मरांडी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची, 07 दिसंबर (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने शनिवार को मईयां सम्मान योजना को लेकर एक बार फिर राज्य सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि हजारीबाग जिले सहित पूरे झारखंड में महिलाएं ह्यमंईयां सम्मान योजनाह्न के तहत मिलने वाली राशि के लिए अंचल कार्यालयों के चक्कर लगाने को मजबूर हैं। मरांडी ने कहा कि 18 से 50 वर्ष की उम्र की विधवा, आर्थिक रूप से कमजोर और असहाय महिलाएं, जो इस योजना के अंतर्गत आती हैं, उन्हें लाभ नहीं मिल पा रहा। कई महिलाओं ने चार से पांच बार आवेदन किया लेकिन फिर भी उनके खातों में सम्मान राशि

जमा नहीं हुई। उन्होंने कहा कि योजना के तहत प्रतिमाह 2500 रुपये देने का प्रावधान है लेकिन अधिकांश महिलाओं को राशि मिलना तो दूर, आवेदन स्वीकृति की स्थिति तक स्पष्ट नहीं है, इससे झारखंड की सभी माताएं बहनें परेशान हो रही हैं। कई मामलों में फार्म भरने और आवश्यक दस्तावेज देने के बावजूद योजना का लाभ नहीं मिला। मरांडी ने कहा कि रामगढ़ जिले में भी स्थिति खराब है, जहां करीब 30 हजार महिलाओं को इस योजना की राशि अब तक नहीं मिली। प्रशासन की लापरवाही और प्रक्रियागत बाधाओं के कारण महिलाएं बार-बार कार्यालयों के चक्कर काट रही हैं। प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण माताएं बहनें दिनभर लाइनों में खड़ी रहती हैं लेकिन इसके बाद भी उन्हें केवल और केवल निराशा मिलती है। उन्होंने कहा कि भले ही योजना का उद्देश्य जरूरतमंद महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान करना था लेकिन सरकार की लापरवाही और देरी के कारण महिलाओं को मुश्किलों एवं सही क्रियान्वयन न होने से आर्थिक रूप से परेशानियों का भी सामना करना पड़ रहा है।

घोषणा पत्र में किये गये वादों को पूरा करने के लिए काम करेगी मंत्रिपरिषद : सुप्रियो भट्टाचार्य

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : जेएमएम के राष्ट्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने आज पीसी कर कहा कि इस चुनाव में सीएम हेमन्त सोरेन ने एक नये आयाम की स्थापना की है, जो कि राज्य के विकास को पहले से अधिक गति देगा। कहा कि मंत्रिमंडल के गठन के बाद उन्होंने अपने सहयोगियों को पहले ही दिन आगाह कर दिया कि जनहित में उनका मंत्रिमंडल में रहना कितना जरूरी है। कहा, हमने सरकार आपके द्वार जो कार्यक्रम शुरू किया, जिसके तहत बीडीओ सीओ से लेकर अन्य पदाधिकारी गांव-गांव में शिविर लगाते हैं। कहा कि अब मंत्रियों को भी ये कहा गया है कि वे अपने-अपने विभाग की समीक्षा जिला स्तर पर जाकर करेंगे। कहा

कि 9 तारीख से संवैधानिक तौर पर भी विधानसभा का गठन हो जायेगा। कहा कि ये मंत्रिपरिषद हमारे घोषणा पत्र में किये गये वादों के तहत काम करेगी। कहा कि मंईयां सम्मान योजना के तहत सरकार की ओर से किये गये कमिटमेंट को पूरा किया जायेगा। कहा कि योजनाओं से प्रभावित होने वाली जनता से सीधा संवाद करें। जिनको कठिनाई हो रही हो उनको सुने। कहा, और केवल विधायक ही नहीं, जो भी उस इलाके का जन प्रतिनिधि है, चाहे वो वार्ड का सदस्य ही क्यों न हो, उनके साथ भी एक संवाद कायम करें। इसमें दलगत भावना न हो। हमारी प्राथमिकता ईमानदारी से लोगों की सेवा करने की होनी चाहिये। क्योंकि सीएम हेमंत सोरेन को एक नई लकीर खींचने के लिए जनता ने जवाबदेही दी है। कहा कि इस जवाबदेही को पूरा करना पूरी मंत्रिपरिषद की जिम्मेदारी है। कहा कि ये मंत्रिपरिषद शायद पहली ऐसी मंत्रिपरिषद है जिसमें ओबीसी को सबसे ज्यादा प्रतिनिधित्व दिया गया है। कहा कि इस वर्ग से सात मंत्री बनाये गये हैं। इसके बाद जनजातीय समूह से मंत्री हैं। उनको भी क्षेत्रवार प्रतिनिधित्व मिला है। कहा कि ये एक समग्र मंत्रिमंडल है। कहा कि जो विधायक चुनकर इस बार आये हैं, उनमें सबसे बड़ी भागीदारी ओबीसी समाज की है। पहले कुछ खास जातियों को ही इसका लाभ मिलता था। लेकिन इस बार ये स्थापित हुआ कि सर्वजन का विकास हो। सर्वजन का विश्वास इस सरकार के साथ है। कहा, जहां इस तरह के उच्च मापदंड स्थापित किये जा रहे हैं, वहीं भाजपा के द्वारा जो निम्न स्तरीय हरकतें की जा रही हैं, वो लोकतंत्र का भी शर्मसार कर रहा है। कहा, कल राज्यसभा में इसकी बानगी देखने को मिली। कहा कि राज्यसभा में जब विपक्ष किसानों के हित की बात कर रहा था, तब दूसरी तरफ शंभू बॉर्डर पर किसानों पर गोलियां चल रही थीं। कहा, हमलोग जानते हैं, हमलोगों के पास एक दायित्व आया है। और हमको दायित्वों का निर्वहन करना है। कहा कि आधारभूत संरचना के नाम पर 2014 से 2019 तक जो राज्य का पूंजी निवेश हुआ, उसकी उपयोगिता पर भी जिस तरह के आयोजन हुए, उसको भी रोकने का प्रयास किया गया।

संक्षिप्त खबरें

राहुल गांधी की व्यक्तिगत पेशी से छूट मामले में एमपी एमएलए कोर्ट में अगली सुनवाई कल

रांची : रांची एमपी-एमएलए के विशेष न्यायाधीश सार्थक शर्मा की अदालत में राहुल गांधी के व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट मामले में अगली सुनवाई नौ दिसम्बर को होगी। अधिवक्ता विनोद साहू ने बताया कि मामले में शनिवार को किसी कारण वश सुनवाई नहीं हो सकी। मामले में अगली सुनवाई की तिथि नौ दिसम्बर को निर्धारित की गयी है। यह मामला भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह (अभी केंद्रीय गृह मंत्री) के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़ा है। राहुल गांधी इस मामले में व्यक्तिगत पेशी से छूट चाहते हैं। इसको लेकर उनके अधिवक्ता प्रदीप चंद्रा ने याचिका दाखिल की है। राहुल गांधी को मामले में कोर्ट में पेश होना है। पेशी को लेकर समन जारी है। इस पर शिकायतकर्ता नवीन झा के वकील विनोद साहू ने राहुल गांधी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने का आग्रह किया था। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2018 में मामले में शिकायतवाद दर्ज होने के बाद रांची सिविल कोर्ट ने पहली बार राहुल गांधी को समन जारी किया था। यह शिकायतवाद भाजपा कार्यकर्ता नवीन झा ने वर्ष 2018 को किया है। याचिका में कहा गया है कि कांग्रेस के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली में आयोजित अधिवेशन में भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी।

उद्योग मंत्री बने संजय यादव को राजद महासचिव ने दी बधाई

रांची : श्रम नियोजन और उद्योग मंत्री संजय यादव से शनिवार को नेपाल हाउस सचिवालय में प्रदेश राजद महासचिव कैलाश यादव ने मुलाकात कर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कैलाश ने कहा कि मंत्री संजय प्रसाद यादव से राजद और राज्यवासियों को काफी उम्मीदें बनी हुई हैं। राज्य में रोजगार और कौशल तथा उद्योग को बढ़ावा देने में निश्चित रूप से मंत्री का ध्यान केंद्रित होगा। इस दौरान महासचिव आबिद अली सहित अन्य लोग मौजूद थे।

श्रीश्याम मंदिर में 136वां श्रीश्याम भण्डारा का हुआ आयोजन

रांची: श्रीश्याम मित्र मण्डल द्वारा हरमू रोड़ के श्रीश्याम मंदिर में आज 136 वां श्रीश्याम भण्डारा का आयोजन किया गया। नारायण मोदी - पुष्पा मोदी, नवीन -शीतल मोदी, अक्षित मोदी - इशिता मोदी के परिजनों के द्वारा आज का भण्डारा निवेदित था। श्रीश्याम मित्र मण्डल के प्रथम महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया के नेतृत्व में भण्डारे का प्रसाद खाटूनरेश सहित मंदिर में विराजमान सभी देवी-देवताओं को मोदी परिवार ने अर्पित किया। सभी श्याम भक्तो ने मोदी परिवार के साथ श्याम बाबा के अति लोकप्रिय भोग भजन आवो -आवो भोग लगावो बाबा श्याम जी.. रुच-रुच भोग लगावो बाबा श्याम जी.. का ताली के साथ गायन कर खाटूनरेश से भोग स्वीकार करने की प्रार्थना की।भोग लगे प्रसाद को नवीन -अक्षित मोदी परिवार ने वृहद भण्डारे में मिश्रित करके महाप्रसाद बनाया। सर्वप्रथम रांची गौशाला की गाय माता के लिए अलग से प्रसाद भेजकर गौ माता की सेवा गयी। मण्डल के वरिष्ठ सदस्य रतन शर्मा व अन्य ने जाकर गौ माता को प्रसाद खिलाया। यजमानश्री मोदी परिवार ने मंदिर के आचार्यो को प्रसाद खिलाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। श्रीश्याम भण्डारे का समय होते-होते मंदिर व हरमू रोड़ में भक्तों की कतार लग गयी। पुरा क्षेत्र खाटूनरेश की जय-जयकारो से गूंजने लगा। मण्डल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी की निगरानी में केशरिया जलेबी, केशरिया वेजिटेवुल पुलाव,व तड़का दाल का प्रसाद बनाया गया था।

एसबीआई कार्ड ने दो करोड़ कार्ड्स-इन-फोर्स का आंकड़ा किया पार

रांची : एसबीआई कार्ड, भारत के सबसे बड़े प्योर प्ले क्रेडिट कार्ड जारीकर्ता, ने 2 करोड़ कार्ड्स-इन-फोर्स का महत्वपूर्ण आंकड़ा पार कर लिया है। यह उपलब्धि देश भर में अभिनव समाधान प्रदान करने और ग्राहकों के अनुभवों को बढ़ाने के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह उपलब्धि भारत के क्रेडिट कार्ड परिदृश्य को बदलने में एसबीआई कार्ड की महत्वपूर्ण भूमिका और 'डिजिटल इंडिया की करेंसी के अपने वादे को भी रेखांकित करती है। 1998 में अपनी स्थापना के बाद से, एसबीआई कार्ड ग्राहकों की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए व्यापक उत्पादों को डिजाइन करने में अग्रणी रहा है। खासे विचार विमर्श के बाद जारी कोर कार्डों से लेकर प्रीमियम ब्रांडों के साथ को-ब्रांडेड साझेदारियों तक, रिवाड्र्स-संचालित और जीवनशैली-केंद्रित आफरों तक, एसबीआई कार्ड ने लगातार भारतीय क्रेडिट कार्ड उद्योग में ग्राहक-केंद्रित नवाचार के लिए नए मानदंड स्थापित किए हैं और बाजार में अपनी लीडरशिप को मजबूत किया है। एसबीआई कार्ड ने वित्त वर्ष 19 और वित्त वर्ष 24 के बीच कार्ड्स-इन-फोर्स में लगभग 25% CAGR और स्पेंड्स में 26% CAGR की मजबूत वृद्धि देखी है। इस उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए, एसबीआई कार्ड के एमडी एवं सीईओ अभिजीत चक्रवर्ती ने कहा:श्एसबीआई कार्ड ब्रांड 'लाइफ को आसान बनाएं' के मूल्यवान सिद्धांत पर आधारित है। 2 करोड़ कार्ड जारी करने का आंकड़ा पार करना हमारे ग्राहकों द्वारा हम पर रखे गए विश्वास और आत्मविश्वास का प्रमाण है। यह नवाचार, बेहतर ग्राहक सेवा और हर भारतीय को सुविधाजनक, सुरक्षित और रिवाड्र्स देने वाले भुगतान समाधानों के साथ सशक्त बनाने के दृष्टिकोण पर हमारे अथक ध्यान को दर्शाता है। हम अपने बढ़ते ग्राहक आधार को अद्वितीय मूल्य प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं क्योंकि हम उनकी विकसित आवश्यकताओं को पूरा करना जारी रखते हैं।

एक नजर

वाहन जांच में हथियार के साथ 1 गिरफ्तार

धनबाद : वरीय पुलिस पदाधिकारी के निर्देश पर सघन वाहन जांच के दौरान गोंदूडीह ओ.पी. अंतर्गत भूली फाटक के पास वाहन जांच के दौरान मोटर साईकिल चालक अमन कुमार उम्र-करीब 20 वर्ष पिता-नरेश पंडित सा-आजादनगर नियर सरकारी विद्यालय थाना-भूली ओ.पी. जिला-धनबाद की संदिग्ध गतिविधि देखकर रोकने व जांच के दौरान अवैध हथियार तथा गोली की बरामदगी की गई। अभियुक्त अपने अपराध स्वीकारोक्ति बयान में केंदुआडीह थाना कांड संख्या-86/2024 दिनांक-25.08.2024 धारा-109 (1)/3(5) भा.न.सं. एवं 27 आर्म्स एक्ट में भी संलिप्तता की बात स्वीकार किए है। अभियुक्त का नाम पता- अमन कुमार उम्र-करीब 20 वर्ष पिता-नरेश पंडित सा-आजादनगर नियर सरकारी विद्यालय थाना-भूली ओ.पी. जिला-धनबाद ,जप्त सामान का विवरण-एक पिस्टल एक देशी कट्टा तीन 315 बोर की जिंदा गोली पांच 7.65 टट की जिंदा गोली एक होंडा शाइन 125 मोटरसाइकिल जिसका रजि. सं.-खल्10-उव-7750 छापामारी टीम में नौशाद आलम पुलिस उपाधीक्षक धनबाद राजन कुमार झा ओ.पी. प्रभारी गोंदूडीह स.अ.नि. अनिल तिग्गा आरक्षी 1749 रामकिशुन कुमार आरक्षी 446 दीपक कुमार महतो शामिल थे।

अर्बन बैंक में हुई गड़बड़ी पर जांचोपरांत दोषियों पर होगी कार्रवाई

बोकारो : साउथ ईस्टर्न रेलवे यूनियन की मान्यता को लेकर चुनाव संपन्न हो गया। 12 दिसंबर को मतगणना होगी। इस दिन स्पष्ट होगा कि रेलवे कर्मियों ने अपने हितैषी के रूप में किस यूनियन को मान्यता दी है। मेंस कांग्रेस आद्रा मंडल संयोजक रवि चटर्जी ने दक्षिण पूर्व रेलवे का दबदबा कायम रहने की बात कही। उन्होंने कहा कि बीते वर्षों में हमारे यूनियन द्वारा रेल कर्मचारियों के हित में जो काम किया गया है, उसके बदले कर्मियों ने खुलकर मतदान किया है। आगे भी कर्मचारियों के हित में यूनियन आवाज उठाती रहेगी। अर्बन बैंक में कई गड़बड़ियां: रवि चटर्जी ने बीते दिनों हुए अर्बन बैंक चुनाव को लेकर कहा कि हमारे यूनियन ने अन्य संगठनों के साथ समन्वय स्थापित कर 18 में से 16 जोन पर जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही हमारे प्रतिद्वंद्वी यूनियन के 35 वर्षों के मोनोपली को तोड़ने का काम किया।

नगर निगम की एनफोर्समेंट टीम ने चलाया अभियान

बोकारो : उपायुक्त विजया जाधव के निदेर्शानुसार एवं अपर नगर आयुक्त के मार्गदर्शन में शनिवार को चास नगर निगम द्वारा गठित एनफोर्समेंट टीम एवं चास थाना द्वारा संयुक्त रूप से सड़क मार्ग से अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया। यह अभियान मेन रोड, चास में सुभाष चौक से मुस्कान हॉस्पिटल गली तक चलाया गया। इस अभियान में फुटपाथ एवं सड़क किनारे स्थित व्यवसायिक दुकानों द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटाया गया एवं फुटपाथ पर सब्जी एवं फल विक्रेताओं को वेंडिंग जोन में जाने के लिए निर्देशित किया गया और साथ ही साथ व्यापार अनुज्ञप्ति की भी जांच की गई। अभियान दल का नेतृत्व सहायक नगर आयुक्त श्री जयपाल सिंह द्वारा किया गया। दल में नगर प्रबंधक अनूप गुंजन टोपनो, ललित नीलम लकड़ा, सिटी मिशन मैनेजर प्रशांत कुमार एवं कार्यालय कर्मी प्रवीन कुमार, मनीष कुमार हाजरा, अनिल कुमार रजवार, प्रकाश कुमार गोप, शिव शंकर सिन्हा, बंटी पाठक, राजेश साव एवं चास थाना के जवान शामिल थे।

इस्पातकर्मियों और ठेकाकर्मियों के आगे प्रबंधन को झुकना पड़ेगा : बिके चौधरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : इस्पातकमीर्यों और ठेकाकमीर्यों के चीर लम्बित मांगो को लेकर जय झारखंड मजदूर समाज द्वारा प्लांट मे चलाए जा रहे जनजागरण कार्यक्रम के तहत आज चौथे दिन सेन्टरींग प्लांट केन्टीन रेस्ट रूम मे उपस्थित मजदूरों ने अपनी एकता और दृढ संकल्प को ब्यक्त किया। मौके पर उपस्थित झारखण्ड मुक्ति मोर्चा केन्द्रीय सदस्य सह जय झारखंड मजदूर समाज के महामंत्री बि के चौधरी ने कहा कि हमारे युनियन का निति और नियत झारखंड मुक्ति मोर्चा के जनक परम आदरणीय माननीय गुरुजी के सपनों को मूल रूप देने के लिए बना है और यही कारण है युनियन का एक एक कार्यकर्ता गरीब असहाय ठेकाकमीर्यों और इस्पातक्रमीयों को उनका हक और अधिकार दिलबाने के कृतसंकल्पित है। 39 महिने का एरियर ,युनियन चूनाव,संबिदा मे स्थानीय को 75% काम पर रखने,एस डब्लू मजदूर को ई एस आई के दायरे मे जबतक नही लाया जाता है तबतक बोकारो जनरल अस्पताल मे ईलाज, बेतन से पैसा नही लोटाने पर गेट पास रोकना,ई एल बोनस मे भी बंदरबांट के खिलाफ तबतक लड़ाई जारी रहेगी जब तक समाधान नही हो जाता है। दुसरे तरफ प्रबंधन ने हमारी चीर लम्बित मांगो को मानते हुए बायोमेट्रिक सिस्टम से हाजरी बन बाने और ग्रुप इनस्योरेंस करबाना मजदूरों की बड़ी जीत है जिसके लिए जय झारखंड मजदूर समाज की ओर से बोकारो स्टील प्रबंधन को बहुत बहुत बधाई एवं शुभकामनाऐ। दुसरे तरफ प्रबंधन पर 11 जूलाई के ठेकाकमीर्यों का ब्लडप्रेशर और सुगर के नाम पर 28 दिन बैठाने खिलाफ होने बाले सफल हड़ताल को देखते हुए सहायक श्रमायुक्त केन्द्रीय धनबाद मे हुए त्रिपक्षीय समझोता के अनुसार 7 दिनके बाद री-मेडिकल और सेफ्टी अवधि समाप्तहोने के दुसरे दिन मेडिकल कर बाने के बदले दो दो महिना से ज्यादा बित जाने के बाद भी मेडिकल नहीं होना प्रबंधन का संवेदनहीनता को दशार्ता है। बि के चौधरी ने आगे कहा कि इस तरह कि बिभागीय जनजागरण के बाद आर पार की लड़ाई की घोषणा किया जायगा।जिसकी सारी जबाबदेही प्रबंधन की होगी। कार्यक्रम मे संयुक्त महामंत्री एन के सिंह, एस के सिंह, अनिल कुमार, रमा रबानी ,सी के एस मुण्डा,जे एल चौधरी,बादल कोयरी, आई अहमद ,बिनोद कुमार इत्यादि उपस्थित थे।

संजय शर्मा ने अपनी शादी की वर्षगांठ पर लगाया रक्तदान शिविर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : संजय शर्मा जो की बोकारो रक्तवीर परिवार के संस्थापक अध्यक्ष हैं, ने अपने शादी की वर्षगांठ पर बोकारो जेनरल अस्पताल, बोकारो में रक्तदान कर मनाया। इस खास मौके पर संस्था के सचिव बिनय कुमार ने कहा की हमारी संस्था लोगों की जरूरत पर हमेशा खडी रहती है, साथ ही संस्था के सारे सदस्य भी अपने खास मौके जैसे की जन्मदिन, वर्षगांठ सहित अन्य मौकों पर भी रक्तदान करते रहते हैं। आज संजय भैया अपने शादी की वर्षगांठ पर 51 वीं बार रक्तदान किये। संजय शर्मा की धर्मपत्नी पिंकी शर्मा ने कहा की मुझे अपने पति पर गर्व है, ये लोगों की जरूरत पर रक्तदान के द्वारा मदद करते ही हैं साथ ही खुद भी रक्तदान करते हैं। बी जी एच ब्लड सेंटर के डाक्टर सुरेंद्र ने कहा की अभी भी लोग जहाँ अपनों के लिए रक्तदान से डरते हैं वहीं संजय जी से सिख लेनी चाहिए की रक्तदान से कोई परेशानी नहीं होती है बल्कि फायदा ही होता है। आज इनके विवाह की वर्षगांठ पर पुरे बी जी एच ब्लड सेंटर की ओर से हार्दिक बधाई एवम शुभकामनायें देते हैं। इस खास मौके पर संस्था के सदस्य प्रवीण, नीरज, अमन सहित अन्य लोगों ने रक्तदान किया। संजय शर्मा ने कहा की लोगों को जागरूक कर ही रक्तदान को बढ़ाया जा सकता है जिसके लिए हमारी संस्था लगातार कार्यरत है।अपने खास मौके पर कुछ खास करना है तो रक्तदान करें।

दिव्यांग बच्चों के बीच हरि कीर्तन का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : शनिवार को विश्व दिव्यांगता सप्ताह का समापन पहला कदम स्कूल में हुआ। इस अवसर पर इस्कॉन धनबाद के विष्वजीत प्रभु, जितेश प्रभु, अंकित प्रभु,अभय प्रभु, राजीव प्रभु एवं अन्य प्रभु के नेतृत्व में दिव्यांग बच्चों के बीच एक भव्य हरि कीर्तन का आयोजन किया गया। इस कीर्तन में बच्चों ने उत्साह और उल्लास के साथ भाग लिया, जो आयोजन को और भी विशेष बना गया। इस कार्यक्रम के एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में इस्कॉन, धनबाद द्वारा दिव्यांग बच्चों के बीच महाप्रसाद का वितरण भी किया गया। महाप्रसाद का यह वितरण बच्चों के लिए एक आशीर्वाद था, जिसने उनके चेहरे पर प्रसन्नता और संतुष्टि की लहर ला दी। यह आयोजन दिव्यांगजनों के प्रति समाज की संवेदनशीलता और उनके लिए प्यार और सम्मान की भावना को प्रदर्शित करने वाला था। मुख्य अतिथि के रूप में धनबाद के विधायक राज सिन्हा उपस्थित रहे। उन्होंने दिव्यांग बच्चों को आशीर्वाद प्रदान किया और उनके साहस और समर्पण की सराहना की। सिन्हा ने कहा हमारे समाज का कर्तव्य है कि हम दिव्यांगजनों को समान अवसर दें और उन्हें अपने समाज का पूर्ण सदस्य महसूस कराएं। कार्यक्रम की समाप्ति पर पहला कदम स्कूल की सचिव अनीता अग्रवाल ने दिव्यांगता सप्ताह के समापन पर कहा की दिव्यांगता को लेकर समाज में जागरूकता बढ़ाना बेहद जरूरी है। दिव्यांगजन भी समाज का अभिन्न हिस्सा हैं और हमें उनकी क्षमता को समझते हुए उन्हें हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के अवसर देने चाहिए।

डीटीओ ने की सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : जिला परिवहन पदाधिकारी वंदना शेजवलकर ने अपने कार्यालय कक्ष में सड़क सुरक्षा संबंधित बैठक किया। बैठक में तीनों मोटर यान निरीक्षक, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधन एवं सड़क सुरक्षा कोषांग के सदस्य आदि उपस्थित थे। जिला परिवहन पदाधिकारी ने बैठक में सभी स्कूलों में परिचालित स्कूल बसों एवं अन्य वाहनों की सघन जांच मोटरयान निरीक्षक के द्वारा दैनिक स्तर पर करने, दस्तावेज अद्यतन नहीं होने पर एमबी एक्ट 1986 के सुसंगत धाराओं के अंतर्गत संचालित स्कूल बसों एवं विद्यालय पर कार्रवाई करने, बैनर पोस्टर के माध्यम से स्कूल बसों में तय सुरक्षा मानकों के प्रचार प्रसार हेतु निर्देशित किया। डीटीओ ने जिला अंतर्गत विभिन्न दुर्घटनास्थलों पर एएनआर कैमरा लगाकर ऑनलाइन फाइन करने हेतु प्रस्ताव तैयार करने का आदेश दिया है। वहीं, मोटर यान निरीक्षक को सभी वाहनों पर नियमानुसार रिफ्लेक्टिव टेप के जांच का आदेश दिया और दंडात्मक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही, नियमित स्तर पर हेलमेट एवं सीट बेल्ट की सघन जांच करने, वाहन इंश्योरेंस, वाहन फिटनेस आदि की भी जांच करना सुनिश्चित करने की बात कहीं।

रैयत- मजदूर ने वेदांत स्टील का किया गेट जाम

बोकारो : इलेक्ट्रो स्टील वेदांत के प्रभावित गांव के रैयत मजदूरों व कार्यरत मजदूर ने कंपनी के गलत नीति व पे रिवीजन, पे स्ट्रक्चर समेत अन्य मांगो को लेकर कर कंपनी के आर एच एम एस, 47 गेट सहीत सभी गेट को जाम कर दिया था। गेट जाम सुबह से दो बजे तक जाम रही। जाम से कंपनी का ट्रांसपोर्ट कार्य ठप रही तथा कर्मचारी का आना-जाना बंद रहा। रैयत मजदूर प्रतिनिधि मंडल के साथ कंपनी के पदाधिकारियों से बातचीत के बाद अनिश्चित काल जाम समाप्त हो गया। मौके पर राथू रजवार, जयदेव माहथा, विकास हजरा, नकुल माहथा, वासुदेव माहथा, अशोक माहथा, मोतीलाल महतो, विश्वनाथ शेखर, आशुतोष शर्मा, कंचन शर्मा ,कंचन गोप, कमाल अंसारी, परिमल पांडे ,धीरेन करमाकर, तपस गोराई, तरुण गोराई, पलटु माहतो, बंशीधर महतो ,राखहरी महतो ,विकास सिंह ,सपन माहथा, वेलाल अंसारी, खुश मोहम्मद अंसारी दिनेश माहथा, लक्ष्मी माहथा, गोरा चंद महतो रंगलाल महतो महावीर महतो , रवि महतो, जितेंद्र महतो, महेंद्र महतो , अमित महतो ,एनुल साई, काजल हाजरा, करमचंद महतो, सहित सैकड़ो लोग शामिल थे।

भाकपा माले ने अरूप चटर्जी और चंद्रदेव महतो का किया अभिनंदन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : शनिवार को टेम्पल रोड पुराना बाजार थनबाद स्थित अग्रसेन भवन धर्मशाला में भाकपा माले धनबाद जिला कमिटि की ओर से नव निर्वाचित विधायक द्वय का अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। अपने संबोधन मे निरसा विधायक कॉ.अरूप चटर्जी ने कहा की कॉ.ए.के.राय के अधुरे सपनो को पूरा करने के लिए मासस का माले मे विलय और जमीनी संघर्ष के बल पर इंडिया गठबंधन की रणनीति का ही परिणाम है कि आज पूरे झारखंड मे माले की विजय निरसा एंव सिंदरी सीटे पर हुई। अपने संबोधन के क्रम मे सिंदरी विधायक कॉ. चन्द्रदेव महतो उर्फ बब्लू ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि किसान और मजदूरो की लड़ाई लम्बे समय से पार्टी के नेतृत्व मे कोयलांचल मे चलती रही।आज माले की दो सीटो पर हमारे इंडिया गठबंधन के नेतृत्व मे सही रणनीति का देन है।इसके लिए जनता का आभार प्रकट करता हुं। समारोह मे शामिल होने के लिए विधायक द्वय का स्वागत बैंड बाजा तथा पटाखो के साथ हजारो की संख्या लोगो ने किया। समारोह का उद्घाटन माले जिला सचिव कॉ. बिन्दा पासवान ने किया। उन्होने अपने संबोधन मे कहा की पार्टी कॉमरेड की सक्रियता और संगठन की दृढ़ता ने विजय दिलाई। इसे मजबूत करके आने वाले संसदीय चुनाव मे जीत हासिल करेंगें। समारोह मे पोलित ब्यूरो सदस्य कॉ.हलधर महतो, सेन्ट्रल कमिटी सदस्य निताई महतो, हरि प्रसाद पप्पू, सुभाष प्रसाद सिंह, सुभाष चटर्जी, आनंद मयीपाल, प्रो.के.पी.अजीत, कार्तिक प्रसाद, राणा चटराज, विजय कुमार पासवान, हिमांशु मंडल, शेखर कुमार, कृष्णा सिंह, कल्याण घोषाल, जयदीप बनर्जी, मुक्तेश्वर महतो, भोला ताम्रकार, सुरेश पासवान, आदि शामिल हुए।

राष्ट्रीय राजमार्ग के गोविंदपुर और निरसा में सड़क जाम विकराल समस्या बन गई है : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में शनिवार को जिला सड़क सुरक्षा समिति की मासिक बैठक समाहरणालय के सभागार में आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने गोविंदपुर व निरसा में जाम की समस्या का समाधान निकालने, बैंक मोड़ फ्लाईओवर तथा सड़कों पर घूमने वाले आवारा पशुओं को लेकर संबंधित विभाग को त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। गोविंदपुर में लगने वाले जाम को लेकर उपायुक्त ने एनएचएआई को सर्विस रोड के अधूरे निर्माण को शीघ्र पूरा करने, सर्विस रोड से अतिक्रमण हटाने, गोविंदपुर थाना के पास सर्विस रोड पर खड़े वाहनों को शीघ्र हटाने तथा सड़क पर साइन बोर्ड लगाने का निर्देश दिया। वहीं निरसा में भी राष्ट्रीय राजमार्ग पर लगने वाले जाम को लेकर उपायुक्त ने एनएचएआई को सर्विस रोड से अतिक्रमण हटाने और अधूरे निर्माण को शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग के गोविंदपुर और निरसा में सड़क जाम एक विकराल समस्या बन गई है। इसका मुख्य कारण एनएचएआई द्वारा अर्ध निर्मित सर्विस लेन, एनएचएआई की सड़क पर अतिक्रमण और सही साइनेज नहीं लगाना है। सड़क जाम के सथ-साथ आए दिन दुर्घटनाएं भी होती है। इसकी गंभीरता को एनएचएआई समझे और अधूरे निर्माण कार्य तथा सड़क को अतिक्रमण मुक्त करने की दिशा में ठोस कदम उठाए। इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी। बैठक में बैंक मोड़ फ्लाईओवर को लेकर भी उपायुक्त ने विचार विमर्श किया। वहीं सड़क पर घूमने वाले आवारा पशुओं को लेकर उपायुक्त ने नगर निगम को ठोस कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि लोग अपने पालतू जानवरों को सड़क पर छोड़ देते हैं। जो राहगीरों और वाहन चालकों के लिए खतरा साबित हो रहे हैं। उन्होंने सड़क पर घूमने वाले आवारा पशुओं को पकड़कर पशु मालिक पर पब्लिक न्यूसेंस फैलने के लिए जुमार्ना लगाने और उनके विरुद्ध कार्रवाई करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान उपायुक्त ने गोविंदपुर और फकीरडीह में हुई सड़क दुर्घटना में मृतकों के आश्रित को शीघ्र मुआवजा का भुगतान करने, 8 लेन सड़क पर कुछ बंद पड़ी स्ट्रीट लाइट को शीघ्र चालू कराने का भी निर्देश दिया। बैठक में उपायुक्त सुश्री माधवी मिश्रा, सिटी एसपी अजीत कुमार, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर पीयूष सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, सभी अंचलों के अंचल अधिकारी, एनएचएआई के पदाधिकारी, गोविंदपुर, निरसा, बरवाअड्डा तथा राजगंज थाना के इंस्पेक्टर व थाना प्रभारी सहित अन्य विभाग के पदाधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

युवक ने काशी कवि कुम्भ में दिखाया जलवा, बढ़ाया झारखंड का मान

कतरास (धनबाद): धनबाद जिला अंतर्गत कतरास के रहने वाले सचिन सिन्हा ने उत्तर प्रदेश के वाराणसी में आयोजित काशी कवि कुम्भ सम्मेलन में हिस्सा लेकर हजारों लोगों के बीच अपना जलवा बिखेरा। इस भव्य कार्यक्रम के आयोजनकर्ता मातृभाषा हिंदी संगठन के कुमार लक्ष्मीकांत जी, निर्भय निर्वाण , मधुसूदन , धर्मराज, सुभाष आर्य, प्रीति कुमारी आदि सदस्यों ने कवि सचिन सिन्हा एवं अन्य कवियों को अंग वस्त्र तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। सचिन सिन्हा ने बताया कि इस 2 दिवसीय विशाल कार्यक्रम का आयोजन काशी सेवा समिति के पंडित मदन मोहन मालवीय सभागार वाराणसी में हुआ। जिसमें झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, पश्चिम बंगाल आदि देश भर से 201 कवि शामिल हुए। अपनी कविता का विषय और उसके उद्देश्यों के जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि ₹अपनी जिम्मेदारी₹ नामक कविता के माध्यम से नारी सुरक्षा के विषय मे अपनी जिम्मेदारी का अहसास कराते हुए समाज को झकझोर कर जगाने का प्रयास किया है। दूसरी कविता जिसका शीर्षक ₹जीवन₹ है, के माध्यम से व्यक्ति के जीवन में आने वाले उतार चढ़ाव का वर्णन और उसका सुंदर चित्रण करते हुए जीवन को सकारात्मक रूप में परिभाषित करने का प्रयास किया।

इनमोसा प्रतिनिधिमंडल ने निदेशक तकनीकी से की वार्ता

धनबाद: शनिवार को को कुश कुमार सिंह के नेतृत्व में इनमोसा का एक प्रतिनिधिमंडल ने निदेशक तकनीकी श्री संजय कुमार सिंह से 17 सूत्री मांगों पर एजेंडा मीटिंग किया। 17 सूत्री मांगों में सभी समितियां में इनमोसा की भागीदारी सुनिश्चित करने, माइनिंग तकनीकी में बदलाव को देखते हुए माइनिंग सरदार एवं ओवरमैन को आईआईसीएम रांची में ट्रेनिंग देने, रेस्क्यू ट्रेड सुपरवाइजर के करियर ग्रोथ के लिए सेपरेट कैडर स्कीम बनाने, रेस्क्यू ट्रेड सुपरवाइजर को चार्ज अलाउंस देना, रेस्क्यू स्टेशन एवं रेस्क्यू रूम के नवीनीकरण के साथ साथ रेस्क्यू अलाउंस को रिव्यू करना और मुनीडीह लोंगेवाल का चार्ज अलाउंस को कमेटी बनाकर रिव्यू के लिए कमेटी गठित करना, सभी मीनिंग सुपरवाइजर के लिए ड्रेस कोड जारी करना, माइनिंग सुपरवाइजर की कमी को जल्द से जल्द भरने, खदानों में डी जी एम एस द्वारा निर्गत गाइडलाइन का पालन करने, कंपनी स्तरीय माइनिंग सुरक्षा सेमिनार आयोजित कराने, खदानों की सुरक्षा के दृष्टिकोण से एमडीओ मोड से संचालित खदानों में नियंत्रण पदाधिकारी की रूपरेखा स्पष्ट करने आदि विषयों पर वार्ता हुई। कुश कुमार ने अवगत कराया की इनमोसा द्वारा एजेंडा नोट पत्रांक के माध्यम से निदेशक तकनीकी को दिया गया था एवं इस आधार पर निदेशक तकनीकी ने पत्रांक देकर के इनमोसा के केंद्रीय पदाधिकारी को वार्ता के लिए आमंत्रित किया था।

बलियापुर सीओ के नेतृत्व में सड़क के किनारे से हटाया गया अतिक्रमण

धनबाद: शनिवार को अंचल अधिकारी बलियापुर प्रवीण सिंह के नेतृत्व में बलियापुर मुख्य चौराहा के चारों तरफ की ओर सड़कों से आंशिक अतिक्रमण हटाया गया।जिसमें थाना प्रभारी आशीष भारती पुलिस बल के साथ उपस्थित थे। अंचल अधिकारी ने बताया कि नाली के ऊपर जो पाथवे बना है उसपर दुकानदारों के द्वारा सामान वगैरा रखकर अतिक्रमित कर दिया गया है, जिसके कारण पैदल चलने वाले राहगीरों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। पाथवे के अतिक्रमण को हटा दिया गया है। अंचल अधिकारी ने शेष अतिक्रमण को 24 घंटे के अंदर अपना अतिक्रमण स्वयं हटाने हेतु निर्देशित किया है ' दिए गए समय सीमा पर अतिक्रमण नहीं हटाने पर अंचल प्रशासन के द्वारा सोमवार को पुन: बलपूर्वक अतिक्रमण हटाया जाएगा, वैसी स्थिति में अतिक्रमण हटाने में होने वाले खर्च की वसूली सर्टिफिकेट केस दायर कर संबंधित अतिक्रमणकारी से की जाएगी। सड़क के किनारे वाहनों के खड़े होने से जाम की समस्या और भी प्रबल हो जाती है ऐसी स्थिति में अतिक्रमण हटने से यातायात सुगम हो सकेगा। किसी भी एंबुलेंस या जरूरतमंद को दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा। अंचल अधिकारी ने बताया कि आदेश का उल्लंघन करने वाले अतिक्रमणकारियों पर लोक भूमि अतिक्रमण अधिनियम 1956 के तहत कानूनी करवाई की जाएगी।

नाला साफ नही किया गया तो उत्पन्न हो सकती है कई बीमारियां : निताय सरकार

बरहरवा: प्रखण्ड अंतर्गत बरहरवा नगर पंचायत के वार्ड संख्या 03 में बहुत दिनों से नाला जाम होने की वजह से नाला का पानी सड़क के ऊपर आ गया है इसकी शिकायत वार्ड संख्या 03 के लोगों ने कांग्रेस प्रखण्ड महासचिव निताय सरकार से की इस पर प्रखण्ड महासचिव निताय सरकार ने वार्ड संख्या 03 के हरिजनपाड़ा जाकर स्थान का जायजा लिया तो पता चला कि नाला जाम होने की वजह से नाला का पानी निकासी नही हो पा रहा है, जिससे पानी सड़क के ऊपर आ गया है पानी के ऊपर आ जाने से लोगों को आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है साथ ही गंदा पानी जमा होने से कई बीमारियां उत्पन्न होने की आशंका है। स्थिति को देखते हुए प्रखण्ड महासचिव निताय सरकार ने बरहरवा नगर पंचायत जाकर कार्यपालक पदाधिकारी दीपक कुमार से मुलाकात की एवं लिखित आवेदन देकर उक्त समस्या से अवगत कराया तथा यथाशीघ्र समस्या का निदान करवाने की बात कही। इस पर कार्यपालक पदाधिकारी दीपक कुमार ने आश्वासन दिया कि यथाशीघ्र समस्या का निदान किया जाएगा। साथ ही प्रखण्ड महासचिव निताय सरकार ने गर्मी में उत्पन्न होने वाले विभिन्न समस्याओं पर भी वातार्लाप किया तथा कई सुझाव भी दिए ताकि गर्मी आने से पहले हम नगरवासीयों को समस्याओं से जूझना ना पड़े।

उपायुक्त ने किया आयुष्मान आरोग्य मंदिर व उ0म0 विधालय पथरघट्टा का औचक निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला दंडाधिकारी -सह- उपायुक्त हेमंत सती के द्वारा बोरियों प्रखंड के पहाड़पुर बोरियों आयुष्मान आरोग्य मंदिर, आयुष्मान आरोग्य मंदिर रामपुर, उ०म० विधालय पथरघट्टा का औचक निरीक्षण किया। उपायुक्त के द्वारा पहाड़पुर बोरियों आयुष्मान आरोग्य मंदिर का निरीक्षण के क्रम में आयुष्मान आरोग्य मंदिर बहुत ही दैनिय स्थिति में पाई गई। वहीं आरोग्य मंदिर में साफ-सफाई, पानी, शौचालय जैसी मुलभूत सुविधाओं की कमी पाई गई। प्रतिनियुक्त एएनएम के द्वारा बताया गया कि आरोग्य मंदिर में कोई भी सीएचओ प्रतिनियुक्ति नहीं है, वहीं उपायुक्त ने बोरियों एमओआईसी को आरोग्य मंदिर में सीएचओ को प्रतिनियुक्त करने हेतु निर्देशित किया गया, साथ ही संबंधित क्षेत्र के प्रधान मुखिया, पंचायत सचिव को अपने कार्यालय में उपस्थित होने को कहा गया। आयुष्मान प्रसव गृह केन्द्र ग्राम जिरूल का निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त के द्वारा प्रसव कक्ष का जायजा लिया। एएनएम के द्वारा आयुष्मान प्रसव गृह केन्द्र में विभिन्न उपकरणों से उपायुक्त को अवगत कराया गया जो अधिक महत्वपूर्ण है। वहीं उपायुक्त ने सभी उपकरणों को जल्द ही उपलब्ध कराने हेतु सिविल सर्जन को पत्र प्रेषित करने हेतु कहा गया। उ०म० विधालय पथरघट्टा, उ०म० विद्यालय शहरपुर का निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त द्वारा बच्चों की उपस्थिति, बच्चों को दी जा रही भोजन की गुणवत्ता, साफ- सफाई , को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

25 दिवसीय बम्बू क्राफ्ट ट्रेनिंग का हुआ समापन

साहिबगंज: मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड, साहिबगंज के माध्यम से कौशल उन्नयन योजना के तहत 25 दिवसीय बम्बू क्राफ्ट ट्रेनिंग सरया, दुमका के द्वारा साहिबगंज जिले के बोरियो प्रखण्ड के चासगामा में आज संपन्न हुआ। जिसमे 20 इच्छुक शिल्पकार का एक समूह के माध्यम से बम्बू क्राफ्ट प्रोडक्ट्स जैसा हैंगिंग लैंप, टेबल लैंप, ट्राय, पेन स्टैंड, गिफ्ट बॉक्स, आदि बानाने का ट्रेनिंग दिया गया। इस कार्यक्रम में साहिबगंज के उपायुक्त हेमंत सती मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उपायुक्त के द्वारा आज सर्टिफिकेट तथा टूल किट का वितरण किया गया तथा उनके द्वारा बताया गया कि यहां एक कॉमन फैसिलिटी सेंटर भी बनाया जाएगा जिसमें सभी आर्टिकल मिलकर अपना प्रोडक्ट्स बनाएंगे। मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड, साहिबगंज के जिला उद्यमी संयोजक देवब्रत कुमार ने बताया की आज सर्टिफिकेट तथा टूल कीट दिया गया। बांस शिल्पियो द्वारा निर्मित उत्पादों का मार्केटिंग लिंकेज फ्लिपकार्ट और अमेजॉन मे किया जाएगा।

पहले किया व्यापार अब कृषि से कर रहे जीवन साकार : मिथिलेश तिवारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : पूर्वी सिंहभूम जिले का पटमदा तो कृषि के क्षेत्र में एक अलग पहचान बना चुका हैं। लेकिन अब यहां के लोग अन्य प्रोफेशन को छोड़कर भी खेती से अपने जीवन को साकार कर रहे हैं। हम बात कर रहे हैं पूर्वी सिंहभूम जिले के पटमदा प्रखंड के खेडुआ पंचायत के खेडुआ गांव जिसका जिला प्रशासन के द्वारा कृषि मॉडल गांव के रूप में सांसद विद्युत वरण महतो के द्वारा चयन किया गया है। इस गांव के एक किसान गोपेन कुंभकार सब्जी की खेती नहीं चारा के रूप में नेपियर घास की उपज बड़ी तादाद में करके जिले में एक अलग पहचान बना चुके हैं। इसको जिला के उपायुक्त, डीडीसी, जिला पार्षद अध्यक्ष, जिला कृषि पदाधिकारी सहित कई कार्यालयों में बेहतर उत्पादन के लिए सम्मानित भी किया गया है। उन्होंने बताया कि मुझे नेपियर घास के उत्पादन की जानकारी यू ट्यूब से हुई। जिसके बाद मैंने कृषि विभाग के आत्मा से संपर्क किया। जिसके सौजन्य से मुझे नेपियर घास का बीज उपलब्ध करवाकर बेहतर ढंग से खेती करने की जानकारी खेत्र मोहन सर, बीटीएम सालगे सोरेन,एटीएम जितेंद्र रूहिदास से प्रशिक्षण के माध्यम से हुई। गोपेन कुंभकार बताते हैं कि इस क्षेत्र के अधिकांश किसान सब्जी और क्रॉप की खेती करते हैं। मेने कुछ नया करने का सोचा। मैं बंगाली विषय में स्नातक की पढ़ाई की। मुझे हिंदी बोलने समझने में कुछ दिक्क्कत होती थी। पढ़ाई के दौरान ही मैने घर की नाजुक स्थिति को देखते हुए एक होंडा मोटर के सहारे एक छोटा टेंट हाउस चलाना शुरू किया।

जिले में दस माह में 80 से ज्यादा लोग हुए सर्पदंश के शिकार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले में जनवरी से अक्तूबर माह तक 10 माह में कुल 80 लोगो से ज्यादा सांप ने काट लिया है, जिसमें 42 पुरुष व 38 महिला शामिल है और कुछ लोग सदर अस्पताल इलाज के लिए नहीं आए उनका आंकड़ा नहीं है। सांप के काटने के बाद जहां 80 लोग इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचे, जहां चिकत्सकों ने सभी का इलाज किया। जहां सभी सदर अस्पताल से स्वास्थ्य होकर अपने घर लौटे। हालांकि सांप के काटने के बाद सदर अस्पताल में इलाजरत एक भी लोगों के मरने की जानकारी अस्पताल प्रशासन को नही है। इस संबंध में सदर अस्पताल के प्रशासनिक डीएस डॉ मुकेश कुमार ने बताया कि जिसे भी सांप काटा है और समय पर इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंच जाते हैं तो उसकी जान बच जाती है, जो लो झाड़-फूंक व ओझा-गुनी के चक्कर में पड़ते हैं वैसे मरीजों की हालत बिगड़ते चली जाती है और मौत भी हो जाती है। बाढ़ के समय सांप काटने की संख्या में हुई थी वृद्धि साहिबगंज जिले के अन्य क्षेत्रों में बाढ़ के समय सांप काटने की संख्या में वृद्धि हुई थी। जुलाई से अक्तूबर तक के आंकड़ों पर गौर करें तो इन चार माह में कुल 62 लोग को सांप ने काटा, जिसमे 34 पुरुष व 28 महिलाएं शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, जुलाई से अक्तूबर के बीच गंगा नदी व दियारा क्षेत्र में बाढ़ रहने के कारण सांप काटने की घटनाओं मे बेतहाशा वृद्धि हो जाती है।

परियोजना निदेशक ने पीवीटीजी गांव के सर्वे रिपोर्ट का किया सत्यापन

साहिबगंज : जिला दंडाधिकारी –सह– उपायुक्त हेमंत सती के निदेशानुसार आज परियोजना निदेशक आईटीडीए संजय कुमार दास के द्वारा सुदूरवर्ती गांव बिजूलिया पहाड़ के पहाड़िया गांव पीएम जनमन योजना के तहत आंगनवाड़ी सेविका के द्वारा पीवीजीटी गाँव का सर्वे रिपोर्ट का सत्यापन किया गया। ज्ञात हो कि पुरे जिले मे अबतक 538 पीवीटीजी गांव है जिसमे अब तक 165 गांव का हीं सर्वे हो पाया है।

एसडीओ शताब्दी मजूमदार ने किया बोड़ाम प्रखंड का दौरा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : शनिवार को वरीय प्रभारी बोड़ाम सह धालभूम एसडीओ शताब्दी मजूमदार ने बोड़ाम प्रखंड का निरीक्षण किया। इस दौरान बोड़ाम प्रखंड के बीडीओ सहित सभी कर्मचारियों के साथ समीक्षा बैठक की। जानकारी देते हुए बोड़ाम बीडीओ किकू महतो ने बताया कि शनिवार को दोपहर धालभूम एसडीओ सह वरीय प्रभारी शताब्दी मजूमदार ने प्रखंड का निरीक्षण कर प्रखंड कर्मियों के साथ विभिन्न योजनाओं ओर कार्यों की समीक्षा की। वही प्रखंड के समीप स्थित आपूर्ति विभाग के गोदाम का निरीक्षण कर जांच करते हुए वास्तविक स्थिति की जानकारी ली।वही सभी लाभुको को नियमित अनाज समय पर उपलब्ध करवाने की बात कही। इस दौरान समीक्षा बैठक में बीडीओ किकू महतो, एई सुमित कुमार, बीपीओ बंधु महतो, आवास प्रखंड समन्वयक रजनी कुमारी, नीलम कुमारी, जेई सुशील बेसरा,बीएओ सहित कई कर्मचारी उपस्थित थे।

युवा कृषि उद्यमी प्रशिक्षण कार्यक्रम में पहुंचे डीजीएम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : टैगोर सोसाइटी फॉर रूरल डेवलेपमेंट माचा में चल रहे पांच दिवसीय युवा कृषि उद्यमी प्रशिक्षण कार्यक्रम में झारखंड जॉन के नाबार्ड डीजीएम गौरव कुमार और पूर्वी सिंहभूम के डीडीएम यशमिका बास्के उपस्थित हुए । कार्यक्रम में प्रशिक्षु के रूप में बोडाम पटमदा और गुड़ाबांधा के युवाओं को आधुनिक कृषि उच्च गुणवत्ता समेकित सब्जी और कृषि बाजार के माध्यम से अधिक उपज और मुनाफा के लिए बेहतरीन प्रशिक्षण के साथ वित्तीय सहायता के लिए जानकारी दी गई। जिसका लक्ष्य है युवाओं का पलायन से रोकना ओर आधुनिक खेती के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम के बाद युवाओं को सालाना 3 लाख आय हो सकता है। मौके पर टीएसआरडी के संयुक्त सचिव नंदलाल बक्सी , ट्रेनर - आदित विश्वास, रूपाली बक्सी , सौभिक कुंडू, कालीपद संतरा,संतोष आदि उपस्थित थे।

24 दिसंबर को मनाया जाएगा ग्राम सभा का स्थापना दिवस

पटमदा : शनिवार को दलमा क्षेत्र ग्राम सभा सुरक्षा मंच कोल्हान का कमिटी गठन एक बैठक निताई सिंह भवन में आयोजित कर किया गया। इस दौरान आगामी 24 दिसंबर को ग्राम सभा स्थापना दिवस मनाने का निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता अमर सिंह सरदार,संचालन कालीराम सिंह, सुकलाल पहाड़िया ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए जिला पार्षद प्रदीप बेसरा ने बताया कि दलमा के तराई क्षेत्र में जन जागरण अभियान चलाने की जरूरत है। भक्त रंजन भुमिज ने कहा कि केंद्र सरकार ने दलमा के तराई क्षेत्र में इको सेंसटिव जॉन बनाकर इस क्षेत्र में निवास करने वालों को डराने का काम किया है। वही दुलाल सिंह ओर करमू चंद्र मांडी ने भी संबोधन किया।

एनजीटी के आदेश के बावजूद अब तक जमा नहीं हुई पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति राशि

साहिबगंज: चर्चित सामाजिक कार्यकर्ता सह पर्यावरण प्रेमी सैयद अरशद नसर द्वारा नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल इस्टर्न जोन कोलकाता में राजमहल पहाड़ को बचाने व संवर्धन को लेकर तथा जिले में अवैध रूप से संचालित सभी स्टोन माईंस व क्रशर को पुरी तरह से बंद करने व पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति जुमार्ना लगाने के लिए दायर याचिका संख्या–ओए 23/2017 में बीते वर्ष दो सौ से अधिक पत्थर कारोबारीयों पर एक अरब से अधिक का पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति जुमार्ना लगाया गया था, परंतु कुछ पत्थर कारोबारी आंशिक पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति राशि जमा कर इकाई को संचालित कर रहे थे जिस पर एनजीटी ने बीते सितंबर माह में सुनवाई के दौरान कड़ा रूख अपनाते हुए इस मामले में झारखंड राज्य प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड को फ्रेश हलफनामा दायर कर दस दिसंबर तक इस मामले में अघतन स्थिति स्पष्ट करने को कहा है,ताकि इस मामले में दस दिसंबर को सुनवाई हो सके। एनजीटी के कड़े तेवर के चलते झारखंड राज्य प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव राजीव लोचन बख्शी ने जिले के सैंकड़ों पत्थर कारोबारियों को नोटिस निर्गत कर एक सप्ताह के भीतर बकाया पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति जुमार्ना राशि जमा करने को कहा है।

केंद्रीय अधिवेशन के सफल संचालन के लिए झारखंड मजदूर संघ की 9 सदस्यीय कमेटी गठित

साहिबगंज/बाकुडी: झारखंड मजदूर संघ(प्रजा०)जिला कमेटी की बैठक केंद्रीय कार्यालय बाकुडी में जिला अध्यक्ष मिथुन कुमार यादव की अध्यक्षता में हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव मौजूद थे। बैठक में आगामी 21 दिसंबर 2024 को रेलवे मैदान बाकुडी में होने वाली केंद्रीय अधिवेशन की सफलता के बारे में चर्चा किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जिले के सभी प्रखंडों को 3 जॉन में बांट कर बैठक की तिथि निर्धारित की गई। 15 दिसंबर को बरहेट, पतना और बरहरवा की संयुक्त बैठक होगी। राजमहल तालझारी एवं उधवा की बैठक 16 दिसंबर और साहिबगंज मंडरो और बोरियो की बैठक 17 दिसंबर को होगी।

टीवी मुक्त अभियान का हुआ शुभारंभ जागरूकता रथ को किया गया रवाना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चैनपुर : प्रखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 100 दिन का टीवी मुक्त अभियान का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में जिला परिषद सदस्य मेरी लकड़ा, चैनपुर मुखिया शोभा देवी, वार्ड सदस्य रश्मि भारती खलखो टोप्पो, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. धर्मनाथ ठाकुर ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रथ को रवाना किया।

गांव-गांव में टीवी मुक्त अभियान

अभियान के तहत चैनपुर प्रखंड के सभी गांवों में घर-घर जाकर प्रत्येक व्यक्ति की टीबी संबंधित स्क्रीनिंग की जाएगी। संभावित मरीजों की पहचान होने पर स्वास्थ्य विभाग की ओर से उनकी समुचित जांच और इलाज की व्यवस्था की जाएगी।

टीबी मुक्त प्रखंड का लक्ष्य

इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य मेरी लकड़ा ने कहा की टीबी एक गंभीर बीमारी है, जिसे समय पर पहचान और इलाज के माध्यम से ठीक किया जा सकता है। चैनपुर प्रखंड को पूरी तरह से टीबी मुक्त बनाना हमारा लक्ष्य है। यह अभियान सिर्फ स्वास्थ्य कर्मियों का नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। सभी को इस पहल में सहयोग करना चाहिए। चैनपुर मुखिया शोभा देवी ने जागरूकता पर बल देते हुए कहा की ग्रामीण क्षेत्र में टीबी के प्रति जागरूकता की कमी है। यह अभियान लोगों को इस बीमारी के लक्षण और इसके इलाज के प्रति सजग करेगा। सामुदायिक सहभागिता से ही हम इस चुनौती का सामना कर सकते हैं। वार्ड सदस्य रश्मि भारती ने अपनी बात रखते हुए कहा की टीबी मुक्त चैनपुर हमारा सपना है। मैं सभी जनप्रतिनिधियों, युवाओं और स्वास्थ्य विभाग की टीम से अपील करती हूं कि वे इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें।

स्वास्थ्य विभाग की भूमिका

प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. धर्मनाथ ठाकुर ने बताया की इस अभियान के तहत संभावित मरीजों की पहचान के लिए घर-घर स्क्रीनिंग की जाएगी। प्रारंभिक लक्षण दिखने पर समुचित जांच और उपचार की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। यह अभियान 100 दिनों तक चलेगा और इसके परिणामस्वरूप प्रखंड को टीबी मुक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जाएगा। डॉक्टर ठाकुर ने कहा की स्वास्थ्य कर्मियों के साथ-साथ आम जनता की जागरूकता इस अभियान की सफलता की कुंजी है।

उपायुक्त–सह– जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय लोहरदगा
(विकास शाखा)

विज्ञप्ति संख्या .... दिनांक ....

राज्य सरकार के विभिन्न विभागों / कार्यालयों के लिए बाह्य स्त्रोत से वाहन उपलब्ध कराने हेतु इच्छुक आपूर्तिकर्ता के लिए आवेदन पत्र आमंत्रण सूचना।

राज्य सरकार के संकल्प संख्या 2316/वि0 दिनांक 04.10.2024 के क्रम में जिला परिषद, लोहरदगा अवस्थित विकास शाखा (DMFT कोषांग), जिला कार्यालय, लोहरदगा के लिए बाह्य स्त्रोत से वाहनों (एक स्कार्पियों एवं दो बोलेरो) की आपूर्ति किये जाने हेतु इच्छुक आपूर्तिकर्त्ताओं का चयन कर वाहन का दर निर्धारण किया जाना है। अतः ऐसे इच्छुक आपूर्तिकर्ता, जो विभाग / कार्यालय द्वारा निर्धारित शर्तो के अन्तर्गत वाहन उपलब्ध कराने में सहमत है, से आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि दिनांक 16.12.2024 है। आवेदन पत्र का प्रारूप एवं शर्ते तथा अन्य विवरणी लोहरदगा जिला के आधिकारिक वेबसाईट www.Lohardaga.nic.in से डाउनलोड किये जा सकते है।

उप विकास आयुक्त,
लोहरदगा

PR 341486 (Lohardaga)24-25*D

कृषि पशुपालन एवं सहकारित विभाग
(गव्य विकास प्रभाग), झारखण्ड, राँची
कार्यालय :– जिला गव्य विकास पदाधिकारी, गुमला

पशुपालकों के लिए आवश्यक सूचना

गुमला जिले के इच्छुक व्यक्तिगत लघु उद्यमियों / युवा शिक्षित बेरोजगारों / स्वयं सहायता समूह के सदस्यों / प्रगतिशील पशुपालकों के लिए अनुमानित दर पर 50 गाय / भैंस परियोजना की स्थापना का दुग्ध उत्पादन कार्यक्रम को [illegible] एवं स्वरोजगार के सशक्त साधन के रूप में स्थापित करने तथा राज्य को दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए वित्तीय वर्ष 2024–25 से 2025–26 की अवधि के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में अनुदान सह बैंक ऋण / [illegible] अंशदान (सामान्य जाति के लिए 25% अनुदान तथा अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के 33.33% अनुदान) पर दुधारू मवेशी [illegible] की दो चरणों में कार्यान्वित किये जाने वाली कामधेनु डेयरी फॉर्मिंग योजना के लिए आवेदन पत्र प्रकाशन की तिथि से 15 दिनों तक आमंत्रित किए जाते हैं। जिला में झारखण्ड मिल्क फेडरेशन के कार्य क्षेत्र में [illegible] कामधेनु डेयरी फॉर्मिंग को प्राथमिकता के आधार पर चयनित किया जाएगा।
योजना का विवरण निम्नवत है:–

क्र0	योजना का नाम	परियोजना लागत मूल्य	अनुदान प्रतिशत	बैंक ऋण	[illegible]	अर्हताएं
1	कामधेनु डेयरी फॉर्मिंग अन्तर्गत 50 दुधारू गाय / भैंस की योजना	रू0 5976250=00	सामान्य जाति के लिए 25% अनुदान तथा अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के लिए 33.33% अनुदान	सामान्य जाति के लिए 75% अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के लिए 66.67%	सभी के लिए 10%	इच्छुक व्यक्तिगत लघु उद्यमी / युवा शिक्षित बेरोजगार / स्वयं सहायता समूह के सदस्य / प्रगतिशील पशुपालक

जिला गव्य विकास कार्यालय, गुमला / प्रखण्ड पशुपालन कार्यालय, गुमला जिला से निःशुल्क आवेदन पत्र प्राप्त किए जा सकते है। पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्र फोटो युक्त, आधार कार्ड की प्रति, बैंक खाता की प्रति, भूमि स्वामित्व प्रमाण पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा। आवेदन पत्र पर ग्राम पंचायत की अनुशंसा अनिवार्य होगा।
नोट :– अधिक जानकारी के लिए जिला गव्य विकास कार्यालय, गुमला / अपने प्रखण्ड के प्रखण्ड पशुपालन पदाधिकारी से सम्पर्क किया जा सकता है।

PR 341488 Agriculture,Animal Husbandry And Co-opretive Department(24-25).D

जिला गव्य विकास पदाधिकारी
गुमला

झारखण्ड सरकार
श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग,
जिला नियोजनालय-सह-मॉडल कैरियर सेन्टर, लोहरदगा

" अप्रेन्टेशिप मेला" दिनांक 09.12.2024
आवश्यक सूचना

निदेशक, नियोजन एवं प्रशिक्षण, झारखण्ड, राँची के पत्रांक–सं0–सं0–05/प्रशि0 (शिक्षु0)–01–2024–1823, दिनांक–06.12.2024 के आलोक में सूचित किया जाता है कि MSDE भारत सरकार के तत्वाधान में बलदेव साहु कॉलेज परिसर, लोहरदगा में दिनांक 09.12.2024 को PM National Apprenticeship Mela-PMNAM का आयोजन किया जा रहा है।

अतः सभी इच्छुक आई0टी0आई0 उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थी, 5वीं से स्नातक पास अभ्यार्थी अपने सभी शैक्षणिक प्रमाण पत्रों एवं फोटोग्राफ के साथ ससमय 10:30 बजे प्रातः से उपरोक्त वर्णित स्थल पर आयोजित अप्रेन्टेशिप मेला में भाग लेकर सुनहरे अवसर का लाभ उठायें।

उपरोक्त संदर्भ में राज्य अवस्थित एवं जिला अवस्थित सभी औद्योगिक ईकाईयों से अनुरोध है कि अपनी प्रविष्टि जिला नियोजनालय, लोहरदगा अथवा (https://dgt.gov.in/appmela2022/establishment.php) में दर्ज करते हुए उक्त आयोजित मेला में भाग लेने की कृपा करें।

जिला नियोजन पदाधिकारी
लोहरदगा।

PR.NO.341455 Lohardaga(24-25):D

कार्यालय जिला परिषद, पलामू।
E-mail-zilaparishad.palamu@gmail.com
आम सूचना (11th Call)

एतद् द्वारा सभी आम एवं खास को सूचित किया जाता है कि जिला परिषद, पलामू के नियंत्रणाधीन बहुद्देशीय भवन एवं डाक बंगला की बंदोबस्ती तीन वर्षो के लिए खुली डाक के द्वारा निम्नांकित तिथि को उप विकास आयुक्त–सह– मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद, पलामू के डी0आर0डी0ए0 स्थित कार्यालय प्रकोष्ट में की जायेगी।

क्र0	सैरात का नाम	प्रखण्ड	तीन वर्षो के लिए डाक की न्यूनतम राशि	अग्रधन की राशि 25%	डाक की तिथि	समय
1	2	3	4	5	6	7
1	नया डाक बंगला, पाँकी	पाँकी	288000.00	72000.00	17/12/2024	12:00 बजे
2	डाक बंगला, नावाखास	पाटन	288000.00	72000.00		
3	बहुद्देशीय भवन, किशुनपुर	पाटन	234000.00	58500.00		
4	बहुद्देशीय भवन, मोहम्मदगंज	मोहम्मदगंज	90000.00	22500.00		
5	बहुद्देशीय भवन, दुबियाखाड़	सदर मेदिनीनगर	108000.00	27000.00		
6	बहुद्देशीय भवन, गनादू	गनादू	90000.00	22500.00		
7	बहुद्देशीय भवन, सेमरी	पाटन	180000.00	45000.00		
8	नया डाक बंगला, पंडवा	पंडवा	288000.00	72000.00		
9	बस पड़ाव मोहम्मदगंज	मोहम्मदगंज	360000.00	90000.00		

उपरोक्त सैरात के बंदोबस्ती हेतु खुली डाक में भाग लेने के इच्छुक व्यक्तियों को दिनांक 16.12.2024 तक कॉलम संख्या–5 में निर्धारित अग्रधन राशि बैंक ड्राफ्ट / चेक द्वारा जो सचिव, जिला परिषद, पलामू (Secretary, Zila Parishad, Palamu) के पदनाम से भुगतेय होगा कार्यालय जिला परिषद, पलामू में जमा करना अनिवार्य होगा। बैंक ड्राफ्ट / चेक के साथ दो पासपोर्ट साईज फोटो, चैध चरित्र प्रमाण पत्र, स्थानीय निवास प्रमाण पत्र, पहचान पत्र एवं पैन कार्ड का छायाप्रति जमा करना आवश्यक होगा। सैरात की बंदोबस्ती की अवधि तीन वर्षो की होगी। सर्वोच्च डाक वक्ता को डाक समाप्ति के पश्चात तत्काल सम्पूर्ण डाक राशि का 50% नकद राशि के रूप में जमा करना अनिवार्य होगा।

उप विकास आयुक्त–सह– मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद, पलामू को बिना कारण बताये डाक स्थगित करने का सर्वाधिकार सुरक्षित रहेगा। किसी भी प्रकार के वाद–विवाद का निपटारा स्थानीय न्यायालय में किया जायेगा।

ह0/–
उप विकास आयुक्त –सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद, पलामू।

PR 341439 District(24-25)D

जिला खेल पदाधिकारी का कार्यालय, गुमला
(जिला पर्यटन,कला —संस्कृति, खेलकूद एवं युवाकार्य शाखा)
E-mail Id: sportsgumla@gmail.com

प्रेस विज्ञप्ति

निदेशक, खेलकूद एवं युवाकार्य निदेशालय, झारखण्ड, राँची के बैठक कार्यवाही ज्ञापांक–643/राँची, दिनांक–29.11.2024 के आलोक में गुमला जिलान्तर्गत जिला खेल कार्यालय, गुमला, नेहरू युवा केन्द्र संगठन, गुमला एवं एन०एस०एस०, गुमला के संयुक्त तत्वधान से जिला स्तरीय युवा महोत्सव 2024–25 कार्यक्रम का आयोजन किया जाना निर्धारित है जो निम्नवत है :–

क्र०	कार्यक्रम की विवरणी	पुरस्कार राशि	आयु वर्ग	स्थान	तिथि एवं समय
1	सामूहिक लोकनृत्य (10 की सं० में महिला/पुरूष मिलाकर तथा स्वयं का वाद्य यंत्र सहित)	1st-7000/-, 2nd-5000/-, 3rd-3000/-	15 से 29 (पुरूष/महिला)	नगर भवन, गुमला	दिनांक 13.12.2024 पूर्वाह्न 09:00 बजे से
2	सामूहिक लोकगीत	1st-7000/-, 2nd-5000/-, 3rd-3000/-			
3	एकल लोकनृत्य	1st-2500/-, 2nd-1500/-, 3rd-1000/-			
4	एकल लोकगीत	1st-2500/-, 2nd-1500/-, 3rd-1000/-			
5	भाषण	1st-2500/-, 2nd-1500/-, 3rd-1000/-			
6	कविता लेखन	1st-2500/-, 2nd-1500/-, 3rd-1000/-		विज्ञान भवन, गुमला	
7	कहानी लेखन	1st-2500/-, 2nd-1500/-, 3rd-1000/-			
8	चित्रकला	1st-2500/-, 2nd-1500/-, 3rd-1000/-			
9	फोटोग्राफी	1st-2500/-, 2nd-1500/-, 3rd-1000/-			
10	विज्ञान मेला (एकल)	1st-2500/-, 2nd-1500/-, 3rd-1000/-			
11	विज्ञान मेला (सामूहिक)	1st-7000/-, 2nd-5000/-, 3rd-3000/-			

उपरोक्त प्रतियोगिता में भाग लेने वाले इच्छुक युवा दिनांक–11.12.2024 के अपराह्न 03:00 बजे तक संलग्न प्रपत्र में विवरण भरकर अपना आवेदन जिला खेल कार्यालय / नेहरू युवा केन्द्र संगठन / एन०एस०एस० कार्यालय, गुमला में हाथों हाथ जमा कर सकते हैं। विस्तृत जानकारी हेतु श्री विशेश्वर गुप्ता, नेहरू युवा केन्द्र, कार्यक्रम प्रेक्षक मो०–7766003795, श्री भवानी [illegible] मो०–9523706138 एवं श्री रोहित कुमार सिंह, लिपिक, जिला खेल कार्यालय मो०–8579879010 से सम्पर्क किया जा सकता है। उक्त आयोजन पंच प्रण थीम पर आधारित है, जो निम्न हैः– **1. विकसित भारत का लक्ष्य 2. गुलामी के हर अंश से मुक्ति, 3. अपनी विरासत पर गर्व करना, 4. एकता और एकजुटता एवं 5. नागरिकों में कर्तव्य की भावना का होना।**

नोट : 1. रजिस्ट्रेशन फोर्म जिला खेल कार्यालय, गुमला से भी प्राप्त किया जा सकता है।
2. चयनित विजेता मण्डल स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे।
3. भाग लेने वाले प्रतिभागियों को http:mybharat.gov.in My Bharat Portal पर अनिवार्य रूप से पंजीकृत कराना आवश्यक है।
4. विस्तृत जानकारी एवं रजिस्ट्रेशन फोर्म www.gumla.nic.in से भी प्राप्त किया जा सकता है।

जिला खेल पदाधिकारी
गुमला

PR 341501 District(24-25)#D

दिल्ली-एनसीआर के लोग आखिर कहां जाएं

योगेंद्र योगी

सवाल दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी परियोजना क्षेत्र (एनसीआर) के करोड़ों लोगों के जीवन का है। इतने लोग अपना कामकाज, घर-बार छोड़ कर कहां जाएं। प्रदूषण के धीमे जहर को पीना उनकी मजबूरी बन गई है। ज्यादातर सांसदों, मंत्रियों पर अकूत दौलत है। उनके लिए प्रदूषण से बचने के लिए कहीं भी देश में सरकारी खर्च पर आना-जाना आसान है। वैसे भी नेताओं को संसद और विधानसभा को सुचारू चलाने की ज्यादा चिंता नहीं है। दिल्ली और एनसीआर के लोगों को सरकारी मशीनरी और नेताओं के नकारापन का अभिशाप झेलने को मजबूर होना पड़ रहा है। देश की राजधानी होने के बावजूद दिल्ली हर तरह के जानलेवा प्रदूषण की शिकार है।

देश की राजधानी दिल्ली का प्रदूषण इतना खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी दिल्ली आने से घबराते हैं। गडकरी ने कहा कि स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पडे से वह दिल्ली आने से कतराते हैं। गडकरी मंत्री हैं। उनके पास साधन और सुविधाएं हैं। वह कहीं भी आसानी से आवागमन कर सकते हैं। सवाल दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी परियोजना क्षेत्र (एनसीआर) के करोड़ों लोगों के जीवन का है। इतने लोग अपना कामकाज, घर-बार छोड़ कर कहां जाएं। प्रदूषण के धीमे जहर को पीना उनकी मजबूरी बन गई है। ज्यादातर सांसदों, मंत्रियों पर अकूत दौलत है। उनके लिए प्रदूषण से बचने के लिए कहीं भी देश में सरकारी खर्च पर आना-जाना आसान है। वैसे भी नेताओं को संसद और विधानसभा को सुचारू चलाने की ज्यादा चिंता नहीं है। दिल्ली और एनसीआर के लोगों को सरकारी मशीनरी और नेताओं के नकारापन का अभिशाप झेलने को मजबूर होना पड़ रहा है। देश की राजधानी होने के बावजूद दिल्ली हर तरह के जानलेवा प्रदूषण की शिकार है। वाहनों और फैक्टरी के धुएं से होने वाला प्रदूषण, यमुना का प्रदूषण और घरों-प्रतिष्ठानों से निकलने वाले कचरे का प्रदूषण। तीनों तरह के प्रदूषण का बोझ उठाने के लिए दिल्ली अभिशप्त हो चुकी है। दिल्ली में केंद्र में भाजपा गठबंधन की और राज्य में आप की सरकार मौजूद हैं। इससे पहले दिल्ली में लंबी अवधि तक कांग्रेस का शासन रहा है। प्रदूषण से निपटने में सभी राजनीतिक दल नाकाम रहे हैं। दिल्ली में कचरे का पहाड़ आज भी नेताओं के दावों-वादों को मुंह चिढ़ा रहा है।

हिंदू-मुस्लिम विवाद और भ्रष्टाचार की तरह प्रदूषण नेताओं के लिए कभी चुनावी मुद्दा नहीं बन पाया। जब कभी प्रदूषण का मुद्दा उठता भी है, तो केंद्र और दिल्ली की सरकार गेंद एक-दूसरे के पाले में डाल कर अपनी जिम्मेदारी से बरी हो जाती हैं। यही वजह है कि दिल्ली और एनसीआर की आबोहवा इतनी बिगड़ चुकी है कि सांस लेना भी दूभर हो रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक दिल्ली में रहने वाले कम से कम 10 सिगरेट जितना प्रदूषण हर दिन लेने को विवश हैं। सुप्रीम कोर्ट और राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण जैसी संवैधानिक स्वतंत्र संस्थाएं भी तमाम प्रयासों के बावजूद दिल्ली और एनसीआर के प्रदूषण से निपटने में प्रभावी भूमिका अदा नहीं कर सकीं। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने अपने बयान में स्वीकार किया था कि दिल्ली में 50 प्रतिशत प्रदूषण वाहनों से निकलता है। गडकरी देश के परिवहन मंत्री हैं। ऐसे में सवाल यही उठता है कि आखिर प्रदूषण की विकराल समस्या से निपटने की जिम्मेदार किसकी है। जब देश का परिवहन मंत्री ही समस्या के समाधान से मुंह चुराने लगे तो अवाम किससे उम्मीद करे। स्विस संगठन की विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट 2023 में दिल्ली को सबसे खराब वायु गुणवत्ता वाला राजधानी शहर बताया गया है। रिपोर्ट 2023 के अनुसार, 2023 में 134 देशों में से बांग्लादेश और पाकिस्तान के बाद भारत की वायु गुणवत्ता तीसरी सबसे खराब की भविष्यवाणी की गई। राष्ट्रीय राजधानी को वर्ष 2018 से लगातार चार बार विश्व का सबसे प्रदूषित राजधानी शहर बताया गया है। रिपोर्ट में कहा गया कि अनुमान है कि भारत में 1.36 अरब लोग पीएम 2.5 की सांद्रता का अनुभव करते हैं, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा अनुशंसित वार्षिक दिशानिर्देश स्तर 5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से अधिक है। दिल्ली और एनसीआर में प्रदूषण से खराब हालात में सुधार करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के प्रयास भी सरकारों के नकारापन के कारण बौने साबित हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट दर्जनों बार फटकार लगा चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर सुनवाई के दौरान कहा कि कोर्ट कमिश्नरों की रिपोर्ट में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। अदालत ने कहा कि सरकारी एजेंसियों और दिल्ली पुलिस के बीच समन्वय की कमी है। साथ ही अदालत ने कहा कि दिल्ली में फिलहाल ग्रैप-4 जारी रहेगा। दिल्ली सरकार, एमसीडी, डीपीसीसी, सीएक्यूएम और अन्य अधिकारियों के बीच समन्वय की पूरी तरह से कमी है। समन्वय सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग पर है।

इसलिए ग्रैप-4 को लागू करने के लिए समन्वय हो। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार के साथ-साथ पंजाब और हरियाणा की राज्य सरकारों को फटकार लगाई क्योंकि राज्य प्रदूषण विरोधी उपायों को लागू करने में विफल रहे। वह ऐसे समय में हुआ है जब दिल्ली एनसीआर की वायु गुणवत्ता बहुत खराब बनी हुई है, जिससे सांस संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। मामले की सुनवाई कर रही शीर्ष अदालत की पीठ ने पंजाब और हरियाणा सरकारों द्वारा खेतों में लगी आग को बुझाने के प्रयासों को मात्र दिखावा करार दिया। हवा की गुणवत्ता खराब होने का एक स्पष्ट कारण पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश जैसे कृषि प्रधान राज्यों में पराली जलाने की बार-बार होने वाली घटनाएं हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने 23 अक्टूबर को पर्यावरण कानूनों को शक्तिहीन बनाने के लिए केंद्र की आलोचना की और कहा कि वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) अधिनियम के तहत पराली जलाने पर दंड से संबंधित प्रावधानों को लागू नहीं किया गया है। मामले की सुनवाई कर रही पीठ ने कहा कि वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के प्रावधान को लागू करने के लिए कोई आवश्यक तंत्र बनाए बिना ही अधिनियम लागू कर दिया गया। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के अनुसार भारत में हर साल पैदा होने वाले 22 मिलियन टन चावल के ठूंठ में से लगभग 14 मिलियन टन पराली को आग के हवाले कर दिया जाता है। यह पैदा होने वाले चावल के ठूंठ का लगभग 63.6 प्रतिशत है और हरियाणा और पंजाब में अकेले जलाई जाने वाली पराली का 48 प्रतिशत हिस्सा है। हालत यह है कि वोटों के डर से राज्य और केंद्र की सरकारें पराली जलाने पर पूरी तरह रोक नहीं लगा पा रही हैं। राजनीतिक दलों के लिए किसानों का वोट बैंक आम लोगों के जीवन पर भारी पड़ रहा है। यही वजह है कि पराली जलाने की हर साल होने वाली घटनाओं के बावजूद कोई भी सरकार सख्त कदम उठाने से हिचकिचाती है। यहां तक कि सरकारें वोटों के लालच में लगातार अदालत के निर्देशों की अवहेलना कर रही हैं। कुछ दिन पहले हरियाणा सरकार ने कथित तौर पर कैथल जिले में पराली जलाने के आरोप में 18 किसानों को गिरफ्तार किया था। ऐसी गतिविधियों पर लगाम लगाने में विफल रहने के कारण राज्य के कृषि विभाग के करीब 24 अधिकारियों को निलंबित भी किया गया था। गौरतलब है कि हजारों किसान पराली हर साल जलाते हैं। इसके बावजूद कुछ किसानों की गिरफ्तारी महज दिखावा है। केंद्र सरकार ने 2022 में पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और दिल्ली एनसीआर राज्यों में फसल अवशेषों के इन-सीटू प्रबंधन के लिए कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने की योजना शुरू की। पंजाब को पराली जलाने की समस्या से निपटने के लिए 2018-22 के दौरान इस योजना के तहत 1387.6 करोड़ रुपए से अधिक मिले। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने 22 अक्टूबर को पंजाब सरकार को निर्देश दिया कि वह बताए कि राज्य में धान की पराली जलाने पर रोक लगाने के लिए उसने क्या कदम उठाए हैं। सुप्रीम कोर्ट और एनजीटी के लगातार प्रयासों के बावजूद प्रदूषण से बिगड़े हालात में ज्यादा सुधार नहीं हुआ है। दरअसल नौकरशाह नेताओं के इशारों पर काम करते हैं। नेता वोट के कारण किसानों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने से कतराते हैं। यह निश्चित है कि विश्व में प्रदूषण को लेकर बदनाम हो चुकी राजधानी के हालात सुधारने के लिए जब तक अदालतें नौकरशाहों के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं करेंगी, तब तक इनकी प्रवृत्ति में सुधार संभव नहीं है। दिल्ली की गंदी होती सांसों को स्वच्छ बनाने की जरूरत है।

(स्वतंत्र लेखक)

संपादकीय

एकता का महत्व

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संभल में उपद्रवियों के प्रति हमदर्दी रखने वाले दलों पर सीधा हमला बोला है। वह अयोध्या में रामायण मेले में उद्घाटन के बाद बोल रहे थे। योगी ने अयोध्या और संभल में मुगल शासक बाबर की सेना ने जो किया था, और जो आज बांग्लादेश में हो रहा है, उसका ड़ीएनए एक ही बताया। उन्होंने कहा, अगर हमने एकता को महत्त्व दिया होता, देश के दुश्मनों की रणनीति सफल न होने दी होती तो यह देश कभी गुलाम नहीं बनता। हमारे तीर्थ कभी अपवित्र नहीं होते। मुट्ठी भर आक्रांता कभी हम पर आक्रमण नहीं कर पाते। हालांकि योगी ने किसी का नाम नहीं लिया। मगर सामाजिक

तानेबाने को छिन्न-भिन्न करने वालों के लिए जाति आधारित राजनीति करने का आरोप लगाया। असल में संभल में हिंसा, उपद्रव और गोली-बारी की घटना के बाद से विपक्ष राज्य सरकार को निशाने पर रखे हुए है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने उपद्रवियों को बेकसूर बताते हुए उनके परिवारों को आर्थिक मदद का ऐलान किया है। विपक्ष का आरोप है कि भाजपा लोगों का ध्यान भटकाने के लिए जान बूझकर संभल में तनाव उत्पन्न करवा रही है। योगी भगवान राम, रामराज और सनातन धर्म की रक्षा की बात भले ही कर रहे थे मगर हकीकत यही है कि भाजपा ने सत्ता में आने के बाद से देश को धर्म के नाम पर बांटने का ही काम किया है। रामलला को अयोध्या धाम में विराजमान कराने और भव्य मंदिर बनाने के बाद से उत्साहित राज्य सरकार राम के आदर्शों की दुहाइयां जनता को देती रहती है। हालांकि संभल की घटना को बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ हो रहे दंगों से जोड़ना अतिश्योक्ति है क्योंकि संभल की जिस जामा मस्जिद के सर्वे को लेकर मामला भड़का, वह विवादों में भले ही रही है मगर उसके करीब रहने वाले दोनों समुदायों के लोग मिल-जुल कर रहते आए हैं। जब तक असल दोषियों की पहचान नहीं होती, इस तरह की बायनबाजी से सबको बचना चाहिए। मुगल शासकों का अपना इतिहास है जिसे बदला नहीं जा सकता। देश की गुलामी का दोष किसी समुदाय के मत्थे मढ़ने से हकीकत नहीं बदली जा सकती। भगवान राम और जानकी के प्रति श्रद्धा भाव रखने वाला कोई भी सनातनी निष्ठुर नहीं हो सकता। राम त्याग और बलिदान की साक्षात मूर्ति हैं। उनसे हमें सहिष्णुता सीखनी चाहिए। राज्य में अमन और शांति की बहाली का काम सरकार का है। निःसंदेह एकता का महत्त्व कम नहीं है। दुश्मनों से भिड़ने के लिए हमें इस एकता के महत्त्व को कमतर नहीं आंकना चाहिए।

चिंतन-मनन

ईश्वर का दोस्त

एक संत ने एक रात स्वप्न देखा कि उनके पास एक देवदूत आया है। देवदूत के हाथ में एक सूची थी। उसने कहा, यह उन लोगों की सूची है, जो प्रभु से प्रेम करते हैं। संत ने कहा, मैं भी प्रभु से प्रेम करता हूं। मेरा नाम तो इसमें अवश्य होगा। देवदूत बोला, नहीं, इसमें आप का नाम नहीं है। संत उदास हो गए। फिर उन्होंने पूछा, इसमें मेरा नाम क्यों नहीं है? मैं ईश्वर से ही प्रेम नहीं करता बल्कि गरीबों से भी प्रेम करता हूं। मैं अपना अधिकतर समय निर्धनों की सेवा में लगाता हूं। उसके बाद जो समय बचता है उसमें प्रभु का स्मरण करता हूं। तभी संत की आंख खुल गई। दिन में वह स्वप्न को याद कर उदास थे। एक शिष्य ने उदासी का कारण पूछा तो संत ने स्वप्न की बात बताई और कहा, लगता है सेवा करने में कहीं कोई कमी रह गई है। दूसरे दिन संत ने फिर वही स्वप्न देखा। वही देवदूत फिर उनके सामने खड़ा था। इस बार भी उसके हाथ में कागज था। संत ने बेरुखी से कहा, अब क्यों आए हो मेरे पास? मुझे प्रभु से कुछ नहीं चाहिए।

देवदूत ने कहा, आपको प्रभु से कुछ नहीं चाहिए, लेकिन प्रभु का तो आप पर भरोसा है। इस बार मेरे हाथ में दूसरी सूची है। संत ने कहा, तुम उनके पास जाओ जिनके नाम इस सूची में हैं। मेरे पास क्यों आए हो? देवदूत बोला, इस सूची में आप का नाम सबसे ऊपर है। यह सुन कर संत को आश्चर्य हुआ। बोले, क्या यह भी ईश्वर से प्रेम करने वालों की सूची है। देवदूत ने कहा, नहीं, यह वह सूची है जिन्हें प्रभु प्रेम करते हैं। ईश्वर से प्रेम करने वाले तो बहुत हैं, लेकिन प्रभु उसको प्रेम करते हैं जो गरीबों से प्रेम करते हैं। प्रभु उसको प्रेम नहीं करते जो दिन रात कुछ पाने के लिए प्रभु का गुणगान करते रहते हैं।

संसद में नोटों की गड्डियों का रहस्य

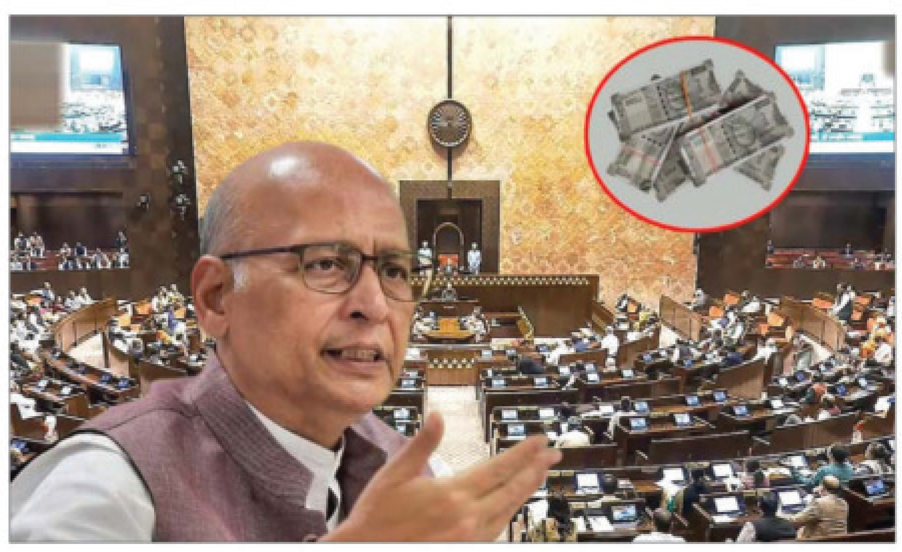

राकेश अचल

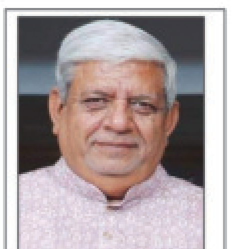

भारतीय संसद हर मामले में दुनिया की दूसरी सांसदों से अलग है ,अनूठी है ,विशिष्ट है । हमारी संसद में प्रदर्शनकारी भी घुस सकते हैं , आतंकी भी हमला कर सकते हैं और सांसद भी नोटों की गड्डियां लहरा सकते हैं। विधेयकों को फाड़ना तो आम बात है। संसद के शीत सत्र में जिस दिन किसान आंदोलन पर,संविधान पर चर्चा होना थी उसे नोटों की गड्डियों ने धूमिल कर दिया। सभापति श्रीमान जगदीप धनकड़ साहब ने सदन की कार्रवाई शुरू होते ही ये बम फोड़ा।

धनकड़ साहब की मासूमियत पर मेरा दिल तो हमेशा से फिदा है । वे कहते हैं कि उन्होंने सोचा कि जिस किसी सांसद के ये नोट होंगे वो आएगा और अपना दावा जतायेगा,किन्तु जब कोई नहीं आया तब उन्होंने इस मामले की जांच करने के लिए कहा। धनकड़ साहब की सूचना सत्ता पक्ष के लिए एक नया हथियार बन गया । सत्ता पक्ष ने विपक्ष को आड़े हाथ लिया तो विपक्ष के नेता श्रीमान मल्लिकार्जुन खड़गे खड़े हो गए । उन्होंने कहा की जब तक मामले की जांच के निष्कर्ष नहीं आ जाते तब तक कोई किसी को कैसे दोषी ठहरा सकता है। सत्ता पक्ष के नेता जेपी नड्डा साहब ने खड़गे पर माले की जांच को दबाने की कोशिश बताया तो बात और बिगड़ गयी।

मजे की बात ये है कि जैसे ही सीट नंबर 222 का जिक्र हुआ ,वैसे ही इस सीट पर बैठने वाले कांग्रेस के अभिषेक मनु सिंघवी का बयान आ गया । अभिषेक जी कहते हैं कि वे तो केवल पांच सौ का एक नॉट लेकर सदन जाते हैं। उनकी सीट पर नोटों की ये गड्डियां कहाँ से आयीं ,वे नहीं जानते। सिंधवी का कहना है कि वे तो सदन में केवल तीन मिनीट ही रुके ,क्योंकि उनके आते ही सदन की कार्रवाई समाप्त हो गयी थी। अब सवाल ये है की किसे सही माना जाए ? अभिषेक जी को या धनकड़ जी को। सच्चाई का पता तो जांच के बाद ही चल सकता है। अब सब जानते हैं की नोटों के न पंख होते हैं और न पैर । वे सदन में न उड़कर आ सकते हैं और न चलके । मतलब ये कि उन्हें कोई न कोई तो लेकर आय। या तो वे अभिषेक सिंधवी के साथ आये या इन नोटों को कोई और लेकर आया और ये नोट जानबूझकर अभिषेक की सीट पर रखे गए ताकि सिंघवी को बढ़नाम किया जा सके। या फिर सदन में किसानों के मुद्दे पर कार्रवाई को टाला जा सके।

आपकी जानकारी के लिए बता दूँ कि इससे पहले सदन में नोट चलकर कभी नहीं आये । उन्हें लाया गया । 2008 में भाजपा सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते,अशोक अर्गल और महावीर सिंह करोड़ नोटों की गड्डियां लहराते हुए सदन में आये थे । आरोप था कि तत्कालीन सरकार को गिरने से बचाने के लिए किसी अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें ये नोट दिए। इस मामले में भी जांच हुई और नतीजा वो ही चूं-चूं का मुरब्बा ही निकला। संसद में पिछले साल परदरसशंकारियों ने सदन के भीतर जाकर प्रदर्शन किया था ,लेकिन क्या हुआ ? कुछ नहीं। संसद आम जनता के लिए सुरक्षा के नाम पर अलभ्य है लेकिन फिर भी वहां कुछ न कुछ होता ही रहता है।

हमारी संसद आखिर संसद न हुई ,किसी गरीब की जोरू हो गयी। कोई जब मन करे तब संसद को अपने ढंग से चलाने की कोशिश करता है। कभी सदन हंगामें डूबा रहता है तो कभी वहां हाथापई की नौबत आए जाती है । कभीयहां नोट लहराए जाते हैं तो कभी भगवान की तस्वीरें दिखा सकता है। संसद फैशन परेड का रैम्प तो पहले से है ही। सदन में ल्ली चुने सांसद हैं जो सच्चे मन से संसदीय कार्रवाई में हिस्सा लेने की तैयारी करआते है। बाकी के लिए तो संसद हाजरी लगाने की जगह रह गयी है।

देश चाहता है की राजयसभा में नोटों की गड्डियां मिलने का रहस्य केवल रहस्य न रहे बल्कि उजागर हो ताकि भविष्य में इस तरह की अशोभनीय घटनाओं को रोका जा सके।

महंगाई-विकास : संतुलन साधने का प्रयास

सतीश सिंह

भारतीय रिजर्व बैंक ने 11वीं बार रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। साथ ही, नीतिगत दरों में बदलाव नहीं करने से स्टैंडिंग डिपॉजिट फैसिलिटी यानी एसडीएफ दर 6.25 प्रतिशत परङ्क मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी यानी एमएसएफ दर और बैंक दर 6.75 प्रतिशत पर यथावत है।

इससे पहले फरवरी, 2023 में रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी, जिससे यह बढ़ कर 6.5 प्रतिशत के स्तर पर आ गई थी। उल्लेखनीय है कि कोरोना महामारी से पहले 6 फरवरी, 2020 को रेपो दर 5.15 प्रतिशत के स्तर पर थी। रिजर्व बैंक ने 27 मार्च, 2020 से 9 अक्टूबर, 2020 के दौरान रेपो दर में 0.40 प्रतिशत की कटौती की। तदुपरांत, मौद्रिक नीति समिति ने अपनी 10 बैठकों में 5 बार रेपो दर में बढ़ोतरी की, जबकि 4 बार रेपो दर को यथावत रखा और 1 बार अगस्त, 2022 में रेपो दर में 0.50 आधार अंकों की कटौती की। रिजर्व बैंक मुद्रास्फीति को लेकर अभी भी आशंकित है क्योंकि मुद्रास्फीति सीधे तौर पर विकास की गति को धीमा करती है और यह अभी उच्च स्तर पर बनी हुई है। पुनः महंगाई बढ़ने की आशंका की वजह से रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वृद्धि दर के अनुमान को 7.2 से घटा कर 6.6 प्रतिशत कर दिया है।

चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में जीडीपी 5.4 प्रतिशत रही जो विगत 7 तिमाहियों का सबसे निचला स्तर है। गिरावट का मूल कारण विनिर्माण और खनन क्षेत्र में विकास दर में उल्लेखनीय कमी आना है। पहली तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 6.7 प्रतिशत रही थी, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 8.1 प्रतिशत रही थी। रिजर्व बैंक के अनुसार खरीफ की अच्छी पैदावार, सिंचाई की उपलब्धता में आई बेहतरी से कृषि क्षेत्र की विकास दर में तेजी आई है। खनन और बिजली क्षेत्र में भी वृद्धि दर की गति संतोषजनक रही है, और औद्योगिक गतिविधियों में तेजी आने की उम्मीद है, लेकिन भू-राजनैतिक संकट लगातार बने रहने और मुद्रास्फीति में तेजी आने से जीडीपी वृद्धि दर धीमी पड़ने की आशंका भी बनी हुई है, क्योंकि इन दो कारकों के कारण विकास के दूसरे मानकों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने ताजा अनुमान में मुद्रास्फीति के वित्त वर्ष 2024-25 में 5.6 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 5.8 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 4.2 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। वहीं, अक्टूबर, 2024 में मुद्रास्फीति 14 महीनों के उच्च स्तर 6.21 प्रतिशत पर थी, जबकि सितम्बर, 2024 में यह 6.6 प्रतिशत के स्तर पर थी। इस तरह, विगत 2 महीनों में औसत मुद्रास्फीति दर 5.9 प्रतिशत रही है। किसी की क्रय शक्ति को निर्धारित करने में मुद्रास्फीति महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मुद्रास्फीति बढ़ने पर वस्तु एवं सेवा, दोनों की कीमतों में इजाफा होता है, जिससे व्यक्ति की खरीददारी क्षमता कम हो जाती है, और वस्तुओं एवं सेवाओं की मांग कम हो जाती है। फिर, उनकी बिक्री कम होती है, उनके उत्पादन में कमी आती है, कंपनी को घाटा होता है, कामगारों की छंटनी होती है, रोजगार सृजन में कमी आती है आदि। फलतः आर्थिक गतिविधियां धीमी पड़ जाती हैं एवं विकास की गति बाधित होती है। ऐसे में कहना समीचीन होगा कि मुद्रास्फीति को कम करने से ही विकास की गाड़ी तेज गति से आगे बढ़ सकती है।

रेपो दर फरवरी, 2023 से 6.5 प्रतिशत के स्तर पर कायम है, जिसके कारण उधारी दर भी उच्च स्तर पर बनी हुई है। 15 नवम्बर, 2024 तक ऋण उठाव घट कर 11.1 प्रतिशत रह गया, जो विगत वर्ष आलोच्य अवधि में 20.6 प्रतिशत था। इस अवधि में जमा वृद्धि दर में भी उल्लेखनीय कमी आई है, और इसकी औसत वृद्धि दर मार्च से महज 6.7 प्रतिशत है। बैंक जमा में आई कमी की प्रतिपूर्ति के लिए बैंक सरकारी बॉन्डस को परिपक्वता तिथि से पहले भुना रहे हैं। पूंजी की किल्लत की वजह से उधारी के उठाव में भी उल्लेखनीय कमी आई है, क्योंकि बैंक को पूंजी की कमी के कारण ऋण देने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बैंकों में लगातार पूंजी की किल्लत को देखते हुए रिजर्व बैंक ने नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) को 4.5 प्रतिशत से घटा कर 4 प्रतिशत कर दिया है। पूंजी की उपलब्धता रहने पर बैंक जरूरतमंदों, खुदरा कारोबारियों, लघु, मध्यम, मझौले और बड़े उद्यमियों और कॉरपोरेट्स को ऋण उपलब्ध करा सकेंगे, जिससे आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी और विकास को बल मिलेगा।

बैंकों को अपने पास जमा राशि का एक न्यूनतम प्रतिशत रिजर्व बैंक के पास रिजर्व के तौर पर रखना होता है, जिसे सीआरआर कहते हैं। इसका इस्तेमाल रिजर्व बैंक अर्थव्यवस्था में पैसों के प्रवाह को नियंत्रित करने के लिए करता है, जिससे तरलता यानी बाजार में नकदी की उपलब्धता नियंत्रित रहती है। बहरहाल, केंद्रीय बैंक अभी भी महंगाई की चाल पर पैनी निगाह बनाए हुए है, क्योंकि यह विकास की राह में सबसे बड़ी बाधा है, और साथ में कई प्रकार के दूसरे दुष्परिणामों की जननी भी है। इसलिए, इस बार भी रिजर्व बैंक और मौद्रिक नीति समिति ने रेपो दर को 6.5 प्रतिशत के स्तर पर यथावत रखा है, लेकिन बैंकों के समक्ष पूंजी की कमी को देखते हुए और विकास की गति में तेजी लाने के लिए सीआरआर में 0.50 प्रतिशत की कटौती भी की है।

वाराणसी : शादी के बंधन में बंधे 401 जोड़े

सीएम योगी ने नए जोड़ों को दिया आशीर्वाद

बोले- बेटियों का सम्मान ही प्राथमिकता

संवाददाता

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को पिंडरा तहसील के नेशनल इंटर कॉलेज मैदान में आयोजित 401 जोड़ों के शादी समारोह में शामिल हुए। सीएम योगी आदित्यनाथ ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यह सामूहिक विवाह कार्यक्रम सामाजिक कुरीति पर जोरदार प्रहार है। कहा कि जब दहेज रूपी दानव के कारण अनेकों परिवारों के सामने संकट पैदा होता है, कितनी बेटियां अविवाहित रह जाती हैं। ऐसी स्थिति में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना को महान आयोजन बताया। 401 वर-वधु को आशीर्वाद देते हुए सीएम योगी ने इस कार्यक्रम में सम्मिलित अभिभावकों को भी शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की देश में सरकार बनने के बाद उन्होंने महिलाओं को व्यापक स्तर पर सम्मान दिया। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ से उन्होंने जो कार्यक्रम शुरू किया, वह आज देश के अंदर प्रत्येक क्षेत्र में बेटियों द्वारा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया जा रहा, उसका सर्वत्र स्वागत किया जा रहा है। सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री की प्रेरणा से वर्ष 2017 में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना कार्यक्रम शुरू किया गया। जिसके अंतर्गत अब तक प्रदेश में चार लाख से अधिक बेटियों की शादियां कराई जा चुकी हैं। सामूहिक शादी कार्यक्रम को यज्ञ बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इसमें हम लोग भी सम्मिलित होकर गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने वर वधुओं एवं उनके परिजनों को संबोधित करते हुए कहा कि यह सौभाग्य की बात है कि इस सामूहिक शादी का कार्ड जिले के डीएम ने बांटे और शादी कार्यक्रम में हम सब शामिल हो रहे हैं। हर हालत में बेटियों की सुरक्षा सरकार की जिम्मेदारी है। सीएम ने कहा कि इज्जत घर के रूप में शौचालय, उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना आदि नारी के सम्मान एवं उनके गौरव का प्रतीक बना। देश में 10 करोड़ लोगों को इस योजना से लाभान्वित कराया गया। जिसमें उत्तर प्रदेश के लगभग 2 करोड़ लोगों को लाभ पहुंचाया गया। महिला एवं सहायता समूह के माध्यम से तीन करोड़ दीदीयों को लखपति बनाने की योजना भी उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में किया गया। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 70 वर्ष से अधिक उम्र की वह महिला या पुरुष हो, किसी जाति, धर्म, मजहब की हो, उसे प्रत्येक वर्ष 05 लाख रुपये का निःशुल्क मेडिकल सुविधा मिले, इसका प्रारंभ हो गया है। मुख्यमंत्री ने प्रतीकात्मक रूप से साधना-अभिषेक, पूनम-अजय, प्रियाकुमारी, ज्योति-कृष्ण दत्त, अनिशा- राहुल, सविता पटेल- कुलदीप व वंदना धर्मराज जोड़ो को उपहार दिए। सामूहिक विवाह कार्यक्रम में स्टांप एवं न्यायालय पंजीयन शुल्क राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या, एमएलसी धर्मेंद्र राय, एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा, विधायक सौरभ श्रीवास्तव, विधायक डॉ. अवधेश सिंह, विधायक सुनील पटेल, विधायक टी राम, विधायक सुशील सिंह, पूर्व सांसद डॉ बी.पी. सरोज के अलावा कमिश्नर कौशल राज शर्मा, पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल, जिलाधिकारी एस. राजलिंगम, मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु नागपाल आदि लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

डा. भीम राव अम्बेडकर का मनाया गया महापरिनिर्वाण दिवस

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगरपालिका परिषद कुशीनगर अंतर्गत केश्वर इंटर कालेज बनवारी टोला में भारत रत्न व संविधान निमार्ता डा. भीम राव अम्बेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर उनके चित्र पर पुष्पार्चन कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। आयोजित कार्यक्रम में प्रधानाचार्य पुरन्दर प्रताप यादव ने कहा कहा कि बाबा साहब शोषित समाज के मसीहा थे। उन्होंने सबको स्वतंत्रता, बंधुता, न्याय, शिक्षा, काम, भोजन का अधिकार दिया। बाबा साहब के बताए मार्ग पर चलकर ही विकसित भारत का निर्माण होगा। बच्चों में स्वागत गीत व राष्ट्र गीत प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रभारी देवेन्द्र प्रताप यादव, कन्हैया वर्मा, अमरजीत यादव, कमलेश भारती, जय सिंह प्रसाद, गिरिधर गोपाल, अम्बालिका, शशिमा पटेल, मुन्नी देवी सहित बच्चे मौजूद रहे।

ज्ञान यज्ञ में गायत्री मंत्र की महिमा का हुआ बखान

संवाददाता

कुशीनगर। फाजिलनगर नगर पंचायत के जूनियर हाई स्कूल प्रांगण में आयोजित चार दिवसीय 108 कुण्डीय नारी शक्ति संवर्धन गायत्री महायज्ञ के पहले दिन शांति कुंज हरिद्वार से आए परिव्राजक सुनील शर्मा ने सायं काल ज्ञान यज्ञ में गायत्री यज्ञ का महात्म्य बताते हुए इसकी आध्यात्मिक महत्ता पर प्रकाश डाला। कहा कि गायत्री यज्ञ वेदों में वर्णित एक पवित्र और प्रभावशाली अनुष्ठान है। जो भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परंपरा में विशेष स्थान रखता है। गायत्री मंत्र को संजीवनी शक्ति कहा गया है। जिसका जप और यज्ञ करने से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा, शुद्धता और दिव्यता का संचार होता है। यह

मानसिक और आत्मिक शुद्धि प्रदान करता है, मन की चंचलता दूर करता है, और आत्मा को शांति देता है। यज्ञ की अग्नि और मंत्रों के उच्चारण से नकारात्मक विचार नष्ट होते हैं, और व्यक्ति में धर्म व सत्य की भावना का विकास होता है, जिससे ईश्वर के प्रति समर्पण और भक्ति बढ़ती है। यह आयोजन नारी शक्ति के महत्व और मानव जीवन में आध्यात्मिकता को केंद्र में रखकर किया गया है। ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ भाजपा के वरिष्ठ नेता बैरिस्टर जायसवाल ने पूजन के साथ किया। जिला संयोजक डा. डीएस तिवारी और शांतिकुंज हरिद्वार से आई टोली के सदस्य रामप्रताप, रामबीर नेगी, दिलशिव, विवेक प्रताप सिंह के अलावे अवकाश प्राप्त सार्जेंट अभिमन्यु पांडेय, शिवशंकर सिंह, त्रिवेणी सिंह, डा. राम एकबाल कुशवाहा, डा. हीरालाल श्रीवास्तव , नरेन्द्र मिश्र, कन्हैयालाल स्वर्णकार, राम ग्रहण सिंह, नीतीश बरनवाल, मुन्ना सिंह, आमोद उपाध्याय, नंदलाल विद्रोही, नन्हे राय सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। महिलाओं में द्रोपदी देवी, राजपति देवी, निर्मला देवी, उर्मिला देवी, सिम्पल उपाध्याय, कंचन उपाध्याय और सिंधु बरनवाल रही।

यूपी में 2500 मस्जिद-मंदिर से

लाउडस्पीकर उतरवाए

कानपुर में मौलाना ने कहा- नोटिस नहीं, मानक वाले भी हटाए

कानपुर। यूपी में पिछले 24 घंटे में लाउडस्पीकर पर बड़ा अभियान चला। 2500 से ज्यादा मंदिर-मस्जिदों से लाउडस्पीकर उतारे गए। कानपुर, लखनऊ, गोरखपुर, संतकबीरनगर और आजमगढ़ से लाउडस्पीकर उतारने के विजुअल सामने आए। पीलीभीत में मौलाना ने खुद स्पीकर उतार दिए। वहीं, कानपुर में मौलाना ने नाराजगी जाहिर की है। अलग-अलग जिलों में गुरुवार सुबह 4 बजे से पुलिस एक्टिव हुई, मंदिर और मस्जिदों पर बिना अनुमति चलते मिले लाउडस्पीकर को उतरवाया गया। इसकी मॉनिटरिंग लखनऊ डीजीपी ऑफिस से हो रही है। दरअसल, बुधवार शाम को सीएम योगी ने एक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की। इसमें यूपी के सभी पुलिस अफसरों को सर्च ऑपरेशन चलाने के निर्देश हुए कि मानक से इतर, कहां-कहां लाउडस्पीकर बजाए जा रहे हैं। इसके लिए मंदिर के पंडित और मस्जिद के मौलवियों से बातचीत

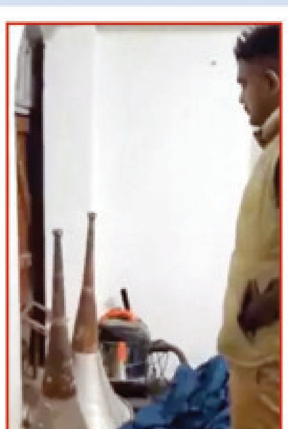

करने और सिस्टम को उतरवाने के लिए कहा गया। इसके बाद ही पुलिस एक्टिव हो गई। चूंकि अभियान जारी है, ऐसे में मस्जिदों की जांच और लाउडस्पीकरों पर कार्रवाई का डेटा अभी और बढ़ेगा। कानपुर पुलिस ने 6 घंटे के अलर्ट को देखते हुए 24 घंटे के भीतर 54 लाउडस्पीकर उतराए। इस पर मौलानाओं और उलेमाओं ने नाराजगी भी जताई। उनका कहना है कि मानक के मुताबिक मस्जिदों में लगे लाउडस्पीकर को भी उतरवा दिया गया। इतना ही नहीं कोई नोटिस भी नहीं दिया गया है। इनका इस्तेमाल दिन में पांच बार पांच-पांच मिनट से भी कम समय के लिए होता है, इसके बावजूद कार्रवाई की जा रही है। वहीं, दूसरी तरफ शहर काजी हाफिज अब्दुल कुद्दूस हादी ने पुलिस कमिश्नर से भेंट की। उन्होंने कहा कि पहले भी पुलिस ने जब अभियान चलाया था तो सभी जगह मानक के अनुरूप करा दिया गया था। लाउडस्पीकर यदि मानक के अनुरूप हैं तो इसे न उतरवाया जाए। पीलीभीत में पुलिस ने लाउडस्पीकर उतरवाने का अभियान चलाया। जिसके तहत 133 धार्मिक स्थलों पर लगे तेज आवाज वाले लाउडस्पीकरों पर एक्शन लिया गया। पुलिस की तरफ से एक वीडियो ऐसा भी जारी हुआ, जिसमें मौलाना खुद ही सिस्टम उतार रहे हैं। अलग-अलग धार्मिक स्थलों पर भविष्य में नियमों को मानने के लिए कहा गया। धार्मिक व सार्वजनिक स्थलों से लाउडस्पीकरऔर ध्वनि विस्तार हटाने के लिए गुरुवार को विशेष अभियान चलाया गया। डीएम कृष्णा करुणेश और एसएसपी डा. गौरव ग्रोवर की अगुवाई में चले अभियान के दौरान अधिकारियों ने जिले के सभी थाना क्षेत्रों में दौरा किया और धार्मिक एवं सार्वजनिक स्थलों पर लगे अवैध लाउडस्पीकरों की जांच की।

संविधान निमार्ता बाबा साहब अम्बेडकर को रालोद ने दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

कुशीनगर। राष्ट्रीय लोकदल जिला कार्यालय पडरौना में भारत रत्न व संविधान निमार्ता डा. भीम राव अम्बेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर उनके चित्र पर पुष्पार्चन कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय राज्यमंत्री जयंत चौधरी के निर्देश पर प्रदेश में आयोजित अम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस मनाने के क्रम में पडरौना में आयोजित कार्यक्रम में रालोद जिलाध्यक्ष विनोद प्रताप कुंवर ने कहा कि बाबा साहब डॉ अम्बेडर आजीवन दलितों, पिछड़ों और शोषित समाज के हक व सम्मान के लिए संघर्ष करते रहे। उन्होंने समता मुलक समाज की परिकल्पना को साकार करने के लिए संविधान की रचना की। वह संविधान सभा के प्राक्कलन समिति के अध्यक्ष थे और देश को विश्व का अनूठा संविधान देश को दिया। उन्होंने सबको स्वतंत्रता, बंधुता, न्याय, शिक्षा, काम, भोजन का अधिकार दिया। बाबा साहब के बताए मार्ग पर चलकर ही विकसित भारत का निर्माण होगा। बच्चों में स्वागत गीत व राष्ट्र गीत प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रभारी देवेन्द्र प्रताप यादव, कन्हैया वर्मा, अमरजीत यादव, कमलेश भारती, जय सिंह प्रसाद, गिरिधर गोपाल, अम्बालिका, शशिमा पटेल, मुन्नी देवी सहित बच्चे मौजूद रहे। इस अवसर पर प्रदेश महासचिव सीता राम मौर्या, हरी कसेरा, राजेश शाही, विन्देश्वरी निगम सहित भारी संख्या में पार्टी के लोग मौजूद रहे।

30 दिन में हुई पांच हजार शादियां, 1500 करोड़ की हुई धनवर्षा

वाराणसी। सहालग से वेडिंग कारोबार की बल्ले-बल्ले है। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक पिछले 30 दिन में पांच हजार शादियों में 1500 करोड़ का कारोबार हुआ। मैरिज लॉन, होटल-बैंक्वेट हॉल, कैटरिंग, ट्रेवेल्स, ऑटोमोबाइल्स, फर्नीचर, सराफा, रेडिमेड कपड़े और साड़ी से लेकर इवेंट तक के बाजार में खूब धनवर्षा हुई। मई-जून में कम लग्न से ठंडे पड़े कारोबार में नवंबर-दिसंबर की लग्न ने जान डाल दी। 12 नवंबर से ही वैवाहिक सीजन शुरू है। शुभ मुहूर्त 14 दिसंबर तक है। इस बीच पिछले एक माह से शहर के मैरिज लॉन, बैंक्वेट हॉल और बड़े होटलों और ग्रामीण क्षेत्रों में शादियां चल रही हैं। लगभग पांच हजार शादियां इस लग्न में हैं। कारोबारियों के अनुसार सहालग में 1500 करोड़ का कारोबार हुआ। महानगर उद्योग व्यापार समिति के संरक्षक और कपड़ा कारोबारी श्रीनारायण खेमका ने

बताया कि शादियों का ट्रेंड बदलता जा रहा है। हल्दी, मेंहदी, शादी, रिसेप्शन, इंगेजमेंट में अलग-अलग पोशाक चल रहा है। औसतन मध्यम वर्गीय परिवार में कम से कम चार से पांच लाख रुपये सिर्फ कपड़ों पर खर्च होते हैं। इस बार के लग्न में सिर्फ वाराणसी में 500 करोड़ रुपये का कारोबार रेडिमेड कपड़ों और साड़ियों का हुआ है। कुछ ऐसे भी शहर में शोरूम है, जिनकी एक दिन की बिक्री आठ से 10 लाख रुपये की हो रही है। वाराणसी मैरिज लॉन व्यापार मंडल के उपाध्यक्ष मृत्युंजय सोनकर ने बताया कि जिले भर में 800 मैरिज लॉन और 200 बैंक्वेट हॉल, 1000 से अधिक छोटे-बड़े होटल हैं। इस लग्न में सभी के यहां बुकिंग बहुत अच्छी है। औसतन एक लॉन दो लाख रुपये में बुक होते हैं। 70 फीसदी लॉन दो लाख रुपये के अंदर में बुक होते हैं। इस आधार पर देखें तो 5000 शादियों में सिर्फ लॉन, होटल और बैंक्वेट हाल वालों ने 100 करोड़ का कारोबार किया। उत्तर प्रदेश स्वर्णकार संघ के प्रदेश अध्यक्ष सत्यनारायण सेठ ने बताया कि मध्यम वर्गीय परिवार की एक शादी में कम से कम वर-वधु दोनों का मिलाकर 10 लाख रुपये आभूषण पर खर्च होते हैं।

संक्षिप्त डायरी

वरिष्ठ अधिवक्ता के निधन पर शोक

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। दीवानी एवं सत्र न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता गिरीश नारायण राय के निधन पर अधिवक्ताओं व विशिष्ट जनों ने शोक प्रकट किया है। वरिष्ठ अधिवक्ता श्री राय मूलतः ग्राम विशुनपुर बरियापट्टी टोला रिसालपट्टी पोस्ट दुधई जिला कुशीनगर के निवासी थे। अपने वकालत के शुरूआती जीवन के समय में जब देवरिया जिला हुआ करता था तब देवरिया से वकालत शुरू किया और देवरिया, कसया और पडरौना में वकालत किए। उनका निधन इलाज के दौरान 4 दिसम्बर को लखनऊ एक अस्पताल में हो गया। निधन पर कसया सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन कुशीनगर अध्यक्ष बार संघ के अध्यक्ष अरविंद कुमार पाठक, बार संघ महामंत्री ज्ञान प्रकाश द्विवेदी, एखलाक अहमद लारी, आलोक श्रीवास्तव, पूर्व अध्यक्ष ओमप्रकाश पाण्डेय, बद्री नारायण दुबे, रघुनाथ यादव, रविन्द्र मणि, अवधेश पाण्डेय, जलज सिंह, मनोज पाण्डेय, रमेश वर्मा, अम्बरीष चौबे, शिव शंकर यादव, दिव्य प्रकाश मणि, अरविंद शर्मा, चन्द्र शेखर शुक्ला, राकेश तिवारी, ओंकार पाण्डेय आदि अधिवक्ताओं सहित आदि ने शोक व्यक्त किया है। उनके पुत्र अमरेंद्र राय दिल्ली में अध्यापक, सतेंद्र राय ऑस्ट्रेलिया में इंजीनियर और विजेंद्र राय मुम्बई में अधिवक्ता हैं।

प्रतियोगिता से निखरती है बच्चों में छिपी प्रतिभा: ओमप्रकाश जायसवाल

संवाददाता

कुशीनगर। वीर अब्दुल हमीद नगर रामकोला रोड स्थित बुद्ध विद्या विहार परिसर में आयोजित सुलेख प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि भाजपा नेता व समाजसेवी ओमप्रकाश जायसवाल ने प्रथम आए हुए बच्चों को मेडल एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। शनिवार को आयोजित सुलेख प्रतियोगिता को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री जायसवाल ने कहा कि सुलेख प्रतियोगिता कराने से बच्चों के अंदर छिपी प्रतिभा निखरती है एवं उनकी मनोभावनाएं विकसित होती है। सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए प्रधानाचार्य वीरेंद्र सिंह ने कहा कि सुलेख प्रतियोगिता हमेशा कराया जाता है तथा प्रतिदिन श्रुतलेख लिखवाया जाता है कि बच्चों की हस्तलेखनसुंदर एवं अच्छी हो जाए। इसी तरह शारीरिक एवं मानसिक स्तर की भी प्रतियोगिता कराई जाती है। सुलेख प्रतियोगिता में प्रथम दुर्गेश गुप्ता, द्वितीय कुनाल गुप्ता, तृतीय निकेश गुप्ता को ट्राफी तथा अन्य 15 बच्चों को मेडल देकर सम्मानित किया तथा नर्सरी एलकेजी यूकेजीके बच्चों को फुटबॉल तथा अन्य खेल सामग्री वितरण किया गया। इस अवसर पर दीवानी न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता केदार राय, सत्र न्यायालय के अधिवक्ता गौरव सिंह, अधिवक्ता दिनेश सिंह, अनिल जयसवाल, अध्यापक विशाल, आराधना, रिंकी, रवि सहित बच्चे उपस्थित रहे।

मुस्करा पुलिस ने दो किलो सौ ग्राम अवैध गांजे के साथ शातिर अभियुक्त को किया गिरफ्तार

संवाददाता

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर की मुस्करा पुलिस ने अपराधियों की धरपकड़ के लिये चलाये जा रहे अभियान के तहत आधा दर्जन मामलों में अलग थानों में नामजद अभियुक्त को थाना क्षेत्र के मसगांव नहर के पास से दो किलो सौ ग्राम अवैध गांजे के साथ 30 वर्षीय रामशंकर पुत्र उदयभान निवासी इलाही तालाब थाना मौदहा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि इस मामले में अभियुक्त के खिलाफ मुस्करा पुलिस ने मु०अ०सं० 262/2024 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में खासतौर से एस आईमानवेन्द्र सिंह, हेडकांस्टेबल नरेन्द्र सिंह सहित कांस्टेबल प्रदीप कुमार शर्मा मौजूद रहे।

लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों का हंगामा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में सेमेस्टर एग्जाम का टाइम बदलने से छात्र हंगामा कर रहे हैं। शनिवार दोपहर बड़ी संख्या में स्टूडेंट प्रशासनिक भवन पहुंचे। यहां एग्जाम पैटर्न और समय बदलने की मांग करते हुए वीसी के खिलाफ नारे लगाए। इस दौरान प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सदस्यों से छात्रों की बहस हो गई। छात्रों का कहना है कि विश्वविद्यालय प्रशासन एग्जाम के 10 दिन पहले पैटर्न बदल दिया। इस बदलाव के लिए छात्र मानसिक रूप से तैयार नहीं हैं। पैटर्न में बदलाव को लेकर सेमेस्टर के शुरुआत में सूचना जारी करनी थी। कई स्टूडेंट हैं जो काफी दूर से आते हैं। सुबह ठंड ज्यादा होने के कारण सुबह 8 बजे परीक्षा सेंटर पहुंचना मुश्किल है। छात्रों ने कहा- विश्वविद्यालय प्रशासन है कि वह स्टूडेंट के हित में काम करें। इस बदलाव का असर हजारों छात्रों पर पड़ रहा है। उनके लिए ये परेशानी है। ऐसे में परीक्षा नियंत्रक को फैसला वापस लेना चाहिए। प्रदर्शन कर रहे छात्र राणा सुधांशु ने बताया कि पहले 9 से 12 की टाइमिंग में 3 घंटे का पेपर होता था। अचानक इसे सुबह 8 बजे से कर दिया गया। पेपर का ड्यूरेशन अब महज 2 घंटे का रखा गया है। ये सभी डिसीजन मनमाने तरीके से लिए गए हैं। पेपर पैटर्न में बदलाव करना था तो समय रहते इन्फॉर्म करना चाहिए था। स्टूडेंट्स ने नारेबाजी करते हुए परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी को ज्ञापन भी सौंपा। कहा- यदि स्टूडेंट्स की मांगे नहीं मानी जाती तो बड़ा प्रदर्शन होगा।

जेपी मार्गन ने अदाणी के चार बॉन्ड को ओवरवेट रेटिंग दी

ऋण दबाव कम होने की उम्मीद

मुंबई । अमेरिकी निवेश बैंकर जेपी मॉर्गन ने अदाणी समूह के चार बॉन्ड को ओवरवेट रेटिंग दी है। यह रेटिंग कंपनी के वित्तीय स्थिति और कारोबार के प्रदर्शन के प्रति मुहैया करती है। जेपी मॉर्गन ने अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड के तीन बॉन्ड और अदाणी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई लिमिटेड (अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड की एक सहायक कंपनी) के एक बॉन्ड को भी ओवरवेट रेटिंग दी है। इसके साथ ही जोखिम को ध्यान में रखते हुए वे अदाणी के अन्य पांच बॉन्ड पर तटस्थ रुख अपनाते हैं और अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के बॉन्ड पर अंडरवेट हैं। जेपी मॉर्गन के इस निर्णय से समूचे बाजार में उत्साह बढ़ा है क्योंकि अदाणी समूह के बॉन्डों को इस प्रकार की ऊंची रेटिंग मिलने से विश्वास और आत्म-विश्वास बढ़ा है। हालांकि, अदाणी समूह ने उन्हें लगाए गए निराधार आरोपों का खंडन किया है और कहा है कि उन्हें उचित समाधान मिलेगा। जेपी मॉर्गन के कहने में अनुसार अदाणी समूह के प्रदर्शन में सुधार होने की संभावना है और इससे बॉन्ड के लिए और अधिक उत्तम स्थिति देखने की संभावना है। जोखिम के संदर्भ में प्रतिभूति और विनिमय आयोग और न्याय विभाग के जांच में त्वरित समाधान की उम्मीद है। एक ओवरवेट रेटिंग के साथ अदाणी समूह ने अपने उद्यमी स्वाभिमान और आत्म-विश्वास को सुधारने का प्रयास जारी रखा है। इसका परिणाम होता है कि उन्हें विभिन्न वित्तीय संस्थाएं से साझेदारी और उचित वित्तीय समर्थन प्राप्त हो सकेगा।

कोरियाई कंपनी एलजी ने सेबी में दाखिल किया आईपीओ के लिए आवेदन

- 15 हजार करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य

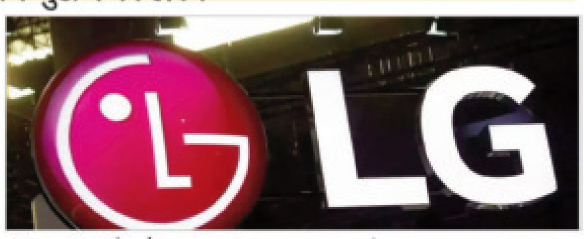

नई दिल्ली । कोरियाई कंपनी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने आईपीओ लाने के लिए तैयारी कर ली है। यह देश का चौथा सबसे बड़ा आईपीओ होगा। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने 1.8 बिलियन डॉलर के आईपीओ के लिए आवेदन किया है। कंपनी अपने योजना के मुताबिक 15 हजार करोड़ रुपये जुटाने की इच्छा रख रही है। आईपीओ के आवेदन में कम्पनी द्वारा करीब 10.2 करोड़ शेयर बेचने का प्रस्ताव शामिल है। इससे पहले कोरियाई कंपनी हुंडई भी आईपीओ लेकर आई थी, जिसका इश्यू साइज 27 हजार करोड़ रुपये से अधिक था। आईपीओ के 35 फीसदी हिस्सा खुदरा निवेशकों के लिए, 50 फीसदी संस्थागत निवेशकों के लिए और शेष 15 फीसदी गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए आरक्षित होगा। एलजी कंपनी ने भारत में पिछले करीब तीन दशकों से मजबूती से व्यापार किया है और अलग-अलग उत्पादों में काम कर रही है। आईपीओ में शेयर ओएफएस के तहत जारी किए जाएंगे, लेकिन कोई नया शेयर जारी नहीं होगा। इसका मतलब है कि कंपनी को इससे कोई अतिरिक्त आय प्राप्त नहीं होगी।

आम निवेशकों को कब से बोली लगाने का मौका मिलेगा, उसके बारे में अभी तक कोई जानकारी नहीं है।

2025 में सेंसेक्स 105,000 तक पहुंच सकता है: मॉर्गन स्टेनली

- छोटे और मझोले कंपनियों के शेयर में हालिया गिरावट के बाद अच्छे रिटर्न देने की संभावना

नई दिल्ली । मॉर्गन स्टैनली ने भविष्यवाणी की है कि 2025 में भारत का स्टॉक मार्केट सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला हो सकता है। उनके अनुसार बीएसई सेंसेक्स 105,000 तक जा सकता है, जो मजबूत कमाई, आर्थिक स्थिरता और घरेलू निवेश के कारण होगा। मॉर्गन स्टैनली के मुताबिक भारतीय अर्थव्यवस्था में स्थिरता, सरकारी सुधार और विदेशी निवेशों में वृद्धि सेंसेक्स के लिए सकारात्मक संकेत हो सकते हैं। यदि स्थिति और बेहतर होती है, तो सेंसेक्स 105,000 तक पहुंच सकता है।

तेल की कीमतों में कमी, महंगाई कम होना और सरकार द्वारा किये गए सुधार के साथ विदेशी निवेश बढ़ने के संकेत हो सकते हैं। हालांकि, अगर नकारात्मक घटनाएं आती हैं जैसे कि तेल की कीमतों में वृद्धि हो, आरबीआई की नीतियां कठोर की जाती है या अमेरिका में मंदी आती है, तो सेंसेक्स 70,000 तक गिर सकता है।

इस स्थिति में सेंसेक्स की कमाई 15 फीसदी से बढ़ने की उम्मीद है। मॉर्गन स्टैनली का कहना है कि वित्तीय, तकनीकी, उपभोक्ता और औद्योगिक क्षेत्रों में प्रतिबद्ध रहना महत्वपूर्ण है। छोटे और मझोले कंपनियों के शेयर हालिया गिरावट के बाद अच्छे रिटर्न देने की संभावना है। मारुति सुजुकी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई इंसुरेंस और इंफोसिस जैसी कंपनियां निवेशकों के लिए आकर्षक हो सकती हैं। इस सहायक रिपोर्ट से स्पष्ट होता है कि भारतीय स्टॉक मार्केट 2025 में एक उदार मंच हो सकता है जो निवेशकों के लिए बढ़िया मौके प्रदान कर सकता है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 658.09 अरब डॉलर

- विदेशी मुद्रा आस्तियां भी 2.06 अरब डॉलर बढ़कर 568.85 अरब डॉलर रही

नई दिल्ली। देश के विदेशी मुद्रा भंडार में महत्वपूर्ण बदलाव के द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक ने एक बड़ा चेतावनी संकेत दिया है।

हाल ही में जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार देश का विदेशी मुद्रा भंडार समाप्त सप्ताह में 1.51 अरब डॉलर बढ़कर 658.09 अरब डॉलर हो गया है। इसका मतलब है कि अंतिम सप्ताह की तुलना में 1.31 अरब डॉलर की गिरावट के साथ भारत का विदेशी मुद्रा भंडार वापस बढ़ गया है। रिजर्व बैंक के आने वाले सप्ताह की आँकड़ों के अनुसार विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां भी 29 नवंबर को 2.06 अरब डॉलर बढ़कर 568.85 अरब डॉलर रही। डॉलर का मजबूत होने के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में, विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। स्वर्ण भंडार का मूल्य भी 59.5 करोड़ डॉलर घटकर 66.98 अरब डॉलर रहा है, जबकि विशेष आहरण अधिकार 2.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.01 अरब डॉलर है। समय के साथ, देश के अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार भी बढ़कर 4.25 अरब डॉलर रहा है। इस बदलाव के साथ-साथ, भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में हाल ही में दिखाई गई गिरावट का भी उल्लेख उपलब्ध है।

पिछले दो महीनों में, भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 48 बिलियन डॉलर की गिरावट आई है। इसमें रिजर्व बैंक की कड़ी मेहनत के आंकड़े और उनके संभावित कदमों का प्रभाव भी है। विशेषज्ञों का कहना है कि मजबूत डॉलर सूचकांक और पूंजी बहिर्वाह ने भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट को बढ़ावा दिया है। इसके साथ ही, रूपया की कमजोरी भी इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस पूरे संदर्भ में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में हुए बदलाव को ध्यान में रखते हुए, निगरानी में रखने की जरूरत है कि कैसे यह स्थिति भविष्य में प्रभावित हो सकती है और क्या उपाय आवश्यक हैं। नकारात्मक प्रभावों को दूर करने के लिए, सजगता और सहयोगी कार्रवाई की जरूरत होगी।

भारतीय फिनटेक इंडस्ट्री में 7.5 प्रतिशत नौकरियां बढ़ने का अनुमान : रिपोर्ट

बेंगलुरु । डिजिटल भुगतान, ब्लॉकचेन इनोवेशन और ओपन बैंकिंग सिस्टम के विकास से भारतीय फिनटेक उद्योग में रोजगार के मौकों में 7.5 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई। ताजा जानकारी के अनुसार, बैंकिंग उद्योग में रोजगार में 7.3 प्रतिशत की शुद्ध वृद्धि देखी गई है, जो विनियामक पहलों से प्रेरित है। वहीं, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) भी रोजगार में 5.1 प्रतिशत की शुद्ध वृद्धि के साथ स्थिर वृद्धि दिखा रही हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि इंडस्ट्री अब केवल कर्मचारियों की संख्या के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए ही भर्ती नहीं कर रही हैं, बल्कि रणनीतिक रूप से कार्यबल कौशल को विकसित होते व्यावसायिक मॉडल के साथ जोड़ रही हैं। उदाहरण के लिए, क्लाउड अपनाने, एआई और आईओटी के एकीकरण में बढ़त ने न केवल व्यवसायों के संचालन के तरीके को बदला है, बल्कि आवश्यक भूमिकाओं और कौशल को भी फिर से परिभाषित किया है। ये रुझान बताते हैं कि कार्यबल वृद्धि अधिक गुणात्मक होती जा रही है, जहां उत्पादकता, इनोवेशन और बदलती परिस्थितियों के साथ तालमेल बैठना विस्तार के समान ही महत्वपूर्ण हैं। बैंक की ओर से पारंपरिक बैंकिंग प्रैक्टिस को बनाए रखते हुए अधिक डिजिटल-केंद्रित सेवाओं की ओर ट्रांजिशन को सुविधाजनक बनाने के लिए अनुपालन, डिजिटल उत्पाद प्रबंधन और एआई के जरिए धोखाधड़ी का पता लगाने जैसे क्षेत्रों में भर्ती को प्राथमिकता दी जा रही है। लगभग 63 प्रतिशत एनबीएफसी कारोबार में आगे विस्तार की उम्मीद जता रहे हैं।

वित्त मंत्रालय ने बैंकों से 'म्यूलहंटर डॉट एआई' का इस्तेमाल करने को कहा

- सरकार का मुख्य उद्देश्य वित्तीय धोखाधड़ी को रोकना है

नई दिल्ली । वित्त मंत्रालय ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों के लिए म्यूलहंटर डॉट एआई का इस्तेमाल करने की दिशा में कदम उठाया। इसका मुख्य उद्देश्य वित्तीय धोखाधड़ी को रोकना है। वित्तीय सेवा सचिव एम नागराजू की अध्यक्षता में हुई बैठक में बैंकों से सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने का आवाहन किया गया है। वित्तीय सेवा विभाग ने उचित निरीक्षण और सक्रिय उपाय करने की मांग की है। इस बारे में उन्होंने कहा कि यह हर नागरिक की साझी जिम्मेदारी है। रिजर्व बैंक ने बैंकों से म्यूल खातों नामक फर्जी खातों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का आग्रह किया है। म्यूल खाते से पैसा लूटने का अपराध किया जाता है, जिससे लोग ठगी के शिकार हो जाते हैं। इस नए कदम से बैंकों के बीच सहयोग बढ़ेगा और वित्तीय धोखाधड़ी को रोकने में मदद मिलेगी। लोगों को चाहिए कि वे अपने वित्तीय सुरक्षा के लिए सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना दें।

भारतीय निर्यात में वृद्धि के साथ बढ़ती विश्वसनीयता

10 वर्षों में भारत के निर्यात में 67 फीसदी की वृद्धि हासिल की गई

मुंबई । भारतीय निर्यात प्रदर्शन में हो रही उल्लेखनीय वृद्धि ने देश को वैश्विक बाजार में एक मजबूत स्थिति में ले जाने में मदद की है। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि पिछले दशक में भारतीय निर्यात 466 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2023-24 में 778 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया है, इससे 67 फीसदी की वृद्धि दर्शाते हैं। इस सफलता के पीछे का रहस्य है सरल निर्यात बढ़ाने के लिए तैयार किया गया रोडमैप और विस्तारित नीतियों के तहत निर्यातकों को वित्तीय सहायता प्रदान किया जा रहा है। कृषि, समुद्री उत्पादों के निर्यात, और गुणवत्ता निज़ामन के माध्यम से निर्यात को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं। ये योजनाएं श्रम-प्रधान उद्योगों और निर्यात-आधारित क्षेत्रों को समर्थन प्रदान करने के लिए हैं। इसके साथ ही डिजिटल और क्षेत्रीय पहल के रूप में जिला निर्यात केंद्र कार्यक्रम द्वारा निर्यात को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है। भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा गुणवत्ता नियंत्रण आदेश लागू किए गए हैं, जिससे निम्न गुणवत्ता वाले आयात को रोकने में मदद मिलेगी। सरकारी प्रयासों और उद्यमिता के साथ भारत का निर्यात सेक्टर विश्वसनीयता बढ़ा रहा है और देश को वैश्विक मंच पर अच्छी दिखाई दे रहा है।

बॉश कंपनी 7 हजार कर्मचारियों की करेगी छंटनी

- जर्मनी में आ सकता है बेरोजगारी का संकट

मुंबई । जर्मनी की एक बड़ी ऑटोमोटिव और टेक्नोलॉजी कंपनी बॉश ने 7,000 कर्मचारियों की छंटनी करने की योजना बनाई है। कंपनी के सीईओ ने बताया कि यह कदम उनके आर्थिक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए लिया गया है। हालांकि, इससे जर्मनी में बेरोजगारी का संकट आ सकता है। उन्होंने बताया कि कंपनी का रेवेन्यू 98 बिलियन यूएस डॉलर था, और उनका लक्ष्य है कि इसे 2026 तक 7 फीसदी तक बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि इस समय कंपनी अपने स्टाफिंग संसाधनों को समायोजित करने की जरूरत है। कंपनी ने इस कदम के साथ ही आयरिश कंपनी जॉनसन कंट्रोल्स का अधिग्रहण करने का भी प्लान बनाया है। इस अधिग्रहण से बॉश ने हीट पंप और एयर कंडीशनिंग उद्योग में अपनी स्थिति मजबूत करने की योजना बनाई है। इस घटना ने आर्थिक समृद्धि और रोजगार के मामले में चिंता बढ़ा दी है, और लोगों में चिंता और असमंजस की भावना उत्पन्न की है। इसके बावजूद, बॉश के लिए यह एक महत्वपूर्ण कदम है और उन्हें उनके ध्येय की दिशा में आगे बढ़ने के लिए नेतृत्व करना होगा।

मां वैष्णों देवी भक्तों के लिए रेलवे ने शुरू की बैटरी कार सेवा

- यात्रियों के लिए सफर होगा आसान

कटड़ा । रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए स्टेशन परिसर से बैटरी कार सेवाएं शुरू की हैं। यह सुविधा यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण बनेगी, खासकर उन यात्रियों के लिए जो विशाल संख्या में वैष्णो देवी यात्रा का आनंद लेते हैं। पहले चरण में पांच बैटरी कार सेवाएं कार्यरत हैं, जो मात्र 50 रुपए में प्रति सवारी और 250 रुपए में फुल बैटरी कार बुक कराती हैं। यह सेवाएं श्रद्धालुओं को प्लेटफॉर्म से पार्किंग और पार्किंग से प्लेटफार्म तक आसानी से ले जा रही हैं। विशेषकर वैष्णो देवी यात्रा के दौरान जहां श्रद्धालुओं को 12 किलोमीटर का पैदल सफर करना पड़ता है, बैटरी कार सेवाएं उनके लिए वरदान साबित होंगी। यह सुनिश्चित करेगी कि अब यात्रियों को किसी भी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा और वे अपनी यात्रा का आनंद सही तरीके से उठा सकें। रेलवे प्रशासन ने इस सुविधा को शुरू करके यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखा है और यह उनके सफर को अधिक आसान और सुरक्षित बनाने में मदद करेगी।

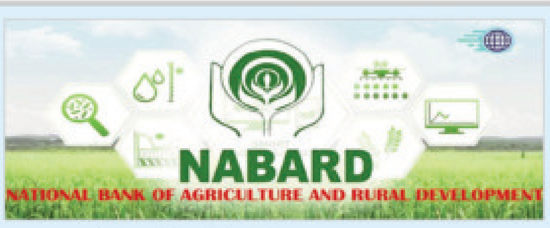

भारत में कृषि और किसान संकटः नया खतरा नजर आ रहा हैः रिपोर्ट

- भारतीय किसानों के पास केवल 0.74 हेक्टेयर भूमि बची

मुंबई । नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चरल एंड रूरल डेवलपमेंट (नाबार्ड) ने हाल ही में रिपोर्ट जारी की है, जिसमें भारतीय किसानों की चिंताजनक स्थिति का परिदृश्य पेश किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार 2021-22 में भारतीय किसान परिवारों की मासिक औसत आय सिर्फ 13,661 रुपए है, जिसमें से 11,710 रुपए खर्च हो जाते हैं। इससे बचत मात्र 1,951 रुपए रह जाती है, जो किसानों के लिए बड़ी समस्या बन गई है। रिपोर्ट ने दर्शाया कि भारतीय किसानों के पास केवल 0.74 हेक्टेयर भूमि बची है, जो पिछले वर्षों में 1.08 हेक्टेयर से कम हो गई है। इससे किसानों की उत्पादकता और आय पर असर पड़ा है। 55.4 फीसदी किसान परिवार कर्जदार हैं, औसतन 91,231 रुपए का कर्ज उन पर है। किसानों के पास आधुनिक उपकरण की कमी, उचित दाम न मिलने से हुआ नुकसान और आर्थिक असुरक्षा के मुद्दों पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सवाल उठाए हैं। रिपोर्ट का मानना है कि कृषि संकट न केवल आर्थिक, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक सुधार की मांग करता है। सरकार को किसानों की स्थिति में सुधार करने, कर्ज मुक्ति और फसलों के उचित मूल्य की गारंटी देने के लिए समग्र नीतियां बनानी होंगी। यही हमारी किसानों की मजबूती का रास्ता है, ताकि हम एक समृद्ध और आत्मनिर्भर कृषि क्षेत्र का निर्माण कर सकें।

शेयर बाजार में सप्ताह में चार दिन तेजी, एक दिन गिरावट रही

- सेंसेक्स 56.74 अंक की गिरावट के साथ 81,709 अंक पर बंद
- निफ्टी 30.60 अंक गिरकर 24,677.80 पर बंद

मुंबई । बीते सप्ताह देश के शेयर बाजारों में उतार-चढ़ाव के बावजूद तेजी के साथ कारोबार होता देखा गया। लेकिन विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर अडानी पोर्ट्स, भारती एयरटेल, रिलायंस, इंफोसिस, टीसीएस और आईसीआईसीआई बैंक समेत सोलह दिग्गज कंपनियों में हुई बिकवाली से शेयर बाजार की पिछले पांच दिनों की तेजी शुक्रवार को थम गई। बीते सप्ताह शेयर बाजार में चार दिन तेजी और एक दिन गिरावट रही। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन शेयर बाजार की शुरुआत लाल निशान पर हुई, लेकिन उसके बाद बेंचमार्क सूचकांक हरे निशान पर लौट आया। सोमवार को बीएसई का सेंसेक्स 436.59 अंकों की बढ़त के साथ 80,239.38 पर खुला और 445.29 अंक की बढ़त के साथ 80,248.08 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 146.75 अंक उछलकर 24,277.85 पर खुला और 144.95 अंक बढ़कर 24,276.05 पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को कारोबार में तेजी देखी गई है। सुबह सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही हरे निशान पर खुले। सेंसेक्स 120 अंक ऊपर चढ़कर 80,350 तक के आंकड़े पर खुला और 597.67 अंक या 0.74 प्रतिशत उछलकर 80,845.75 अंक पर बंद हुआ। एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसे ब्लू-चिप शेयरों में खरीदारी और वैश्विक बाजारों में मजबूत रुख के बीच मंगलवार को बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में लगातार तीसरे सत्र में तेजी रही। निफ्टी भी 33 अंक ऊपर खुला और 24,309 तक पहुंच गया और .10 अंक या 0.75 प्रतिशत बढ़कर 24,457.15 अंक पर बंद हुआ। शेयर बाजार बुधवार को हरे निशान पर खुला। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 190.47 अंक चढ़कर 81,036.22 अंक पर खुला और 110.58 अंक चढ़कर 80,956.33 पर और निफ्टी 10.30 अंक बढ़कर 24,467.45 पर बंद हुआ। निफ्टी 48.1 अंक की बढ़त के साथ 24,505.25 अंक पर खुला और 10.30 अंक बढ़कर 24,467.45 पर बंद हुआ। गुरुवार को बीएसई सेंसेक्स 226.41 अंकों की बढ़त के साथ 81,182.74 अंकों पर खुला और 809.53 अंक बढ़कर 81,765.86 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 50 भी 71.7 अंकों की तेजी के साथ 24,539.15 अंकों पर खुला और 240.95 अंक बढ़कर 24,708.40 पर बंद हुआ। शेयर बाजार हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन लाल निशान पर खुला। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 75.16 अंक की गिरावट के साथ 81,690.70 अंक पर खुला और 56.74 अंक की गिरावट के साथ 81,709.12 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 25.45 अंक फिसलकर 24,682.95 अंक पर खुला और 30.60 अंक गिरकर 24,677.80 पर बंद हुआ।

एलन मस्क ने ट्रंप की जीत के लिए चुनाव में पानी की तरह बहाया पैसा

मस्क ने कम से कम 270 मिलियन डॉलर यानी 22,86,11,56,500 रुपए खर्च किए

वाशिंगटन । दुनिया के मशहूर अरबपति एलन मस्क ने प्रमुख समर्थक डोनाल्ड ट्रंप की जीत के लिए बेहद भरपूर राशि खर्च की है। अपनी बहुमुखी सहायता के जरिए मस्क ने अमेरिकी चुनाव में एक बड़ा योगदान दिया है। उन्होंने कम से कम 270 मिलियन डॉलर (22,86,11,56,500 रुपये) खर्च करके डोनाल्ड ट्रंप के प्रचार में मदद की है। एलन मस्क का यह कदम उसकी चुनौतीपूर्ण सोच और राजनीतिक दान करने की साफ रुचि को दिखाता है। इसके साथ ही एलन मस्क ने अमेरिका पीएसी और आरबीजी पीएसी को भी बड़े हिस्से में दान दिया है। इससे उन्होंने आर्थिक मदद की और उनका समर्थन भी देखा गया है। एलन मस्क की यह राजनीतिक दानदाता बनने की प्रक्रिया उनकी राजनीतिक सामर्थ्य को और भी मजबूती देती है। उनका अमेरिकी चुनाव में भूमिका खासतौर से महत्वपूर्ण है और इससे उनकी दुनियाभर में षड़यंत्रकारी छाया बने रहने की संभावना बढ़ जाती है। एलन मस्क ने डोनाल्ड ट्रंप की जीत में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और इससे उनकी प्रशंसा भी उनके उच्च स्तरीय समाजिक और राजनीतिक पहचान को और बढ़ा देती है। संघीय चुनाव आयोग को हाल ही में दायर किए गए दस्तावेजों से पता चला है कि एलन मस्क ने अमेरिका पीएसी को 238 मिलियन डॉलर का दान दिया। यह एक राजनीतिक कार्रवाई समिति है, जिसकी स्थापना उन्होंने ट्रंप का समर्थन करने के लिए की थी। इसके अलावा एलन मस्क ने आरबीजी पीएसी को 20 मिलियन डॉलर दिए। यह एक ऐसा समूह है, जो गर्भपात के अहम मुद्दे पर ट्रंप की सख्त छवि को नरम करने के लिए विज्ञापन का इस्तेमाल करता है। नवंबर में अपनी चुनावी जीत के बाद से एलन मस्क डोनाल्ड ट्रंप के साथ लगातार नजर आ रहे हैं। उन्होंने ट्रंप को टेक्सास में अपनी कंपनी स्पेसएक्स की ओर से रॉकेट लॉन्च देखने के लिए भी आमंत्रित किया था।

ब्रिटानिका एजुकेशन ने भारत में स्कूली शिक्षा के लिए डिजिटल समाधान पेश किए

- छात्रों और शिक्षकों को मदद मिलेगी

नई दिल्ली । ब्रिटानिका एजुकेशन ने भारत में शिक्षा के लिए 12 डिजिटल शिक्षण समाधान पेश किए, जिसके जरिए छात्रों और शिक्षकों को मदद मिलेगी। इन समाधानों में अन्नपूर्णा शिक्षा, प्रशिक्षण, और वेबिनार्स शामिल हैं, जो दिग्दर्शन, सोचने की क्षमता, और डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए उन्हें साथ लाएगा। कंपनी ने यह भी दावा किया है कि ये समाधान राष्ट्रीय शिक्षा नीति के साथ मेल खाते हैं। ब्रिटानिका एजुकेशन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसके बारे में कहा कि हमारे समाधान शिक्षा में जिज्ञासा, सीखने की खुशी को बढ़ावा देते हैं, जिससे शिक्षकों और छात्रों को सामग्री की मिलेगी। हम डिजिटल में परिवर्तित हो रहे हैं और ऑनलाइन संसाधनों को प्रदान कर रहे हैं ताकि छात्रों और शिक्षकों को महत्वपूर्ण सोच, शोध कौशल, और डिजिटल साक्षरता का बढ़ावा मिले। इन समाधानों का मुख्य ध्यान बुनियादी साक्षरता और 21वीं सदी के कौशल पर है। इन समाधानों की सदस्यता प्राप्त करने से शिक्षकों और छात्रों को उनकी शिक्षा में वृद्धि होगी और उन्हें नए और स्वास्थ्यपूर्ण शिक्षण तकनीकों का प्रयोग करने का अवसर मिलेगा। इससे भारतीय शिक्षा क्षेत्र में एक नये दौर की शुरुआत होगी।

बंगाल की रोक बरकरार: 10 दिन में आएंगे नए आलू

यूपी-पंजाब से भी आएगी नई फसल बिहार उत्पादन में तीसरे नंबर पर लेकिन खपत ज्यादा

बिहार। पश्चिम बंगाल सरकार ने झारखंड-बिहार आने वाले आलू की सप्लाई पर रोक लगा दी है। बंगाल में आलू-प्याज की कीमत अधिक होने की आशंका जताते हुए ममता बनर्जी की सरकार ने यह निर्णय लिया है। वैसे तो बिहार आलू उत्पादन में देश में तीसरे नंबर पर है, लेकिन यहां खपत ज्यादा है। इसलिए यहां आलू के दाम यूपी-बंगाल से ज्यादा है। अब सवाल उठ रहे है कि बंगाल से सप्लाई रोके जाने के बाद क्या बिहार में आलू की कीमत बढ़ सकती है। भास्कर ने बाजार समिति के दुकानदारों से बात की। वे कहते हैं कि आलू की कीमत बिहार में नहीं बढ़ेगी। आलू के थोक विक्रेता बताते हैं कि नया आलू बिहार में 40-45 रुपए किलो बिक रहा है। अभी आलू झारखंड से आ रहा है। फिलहाल हम हजारीबाग का आलू बिहार में बेच रहे हैं। हमारा सवाल था कि झारखंड में तो खुद आलू की कमी है। इसके जवाब में बाजार समिति, पटना के मुकेश कुमार और सुजित कुमार कहते हैं, 'बिहार में आलू की कीमत पर इसलिए असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि नया आलू 10 दिनों में आ जाएगा। इसके साथ ही यूपी और पंजाब से भी नया आलू आएगा।' वे यह भी बताते हैं कि झारखंड के किसानों को आलू की अच्छी कीमत मिल रही है। वे खेतों से आलू हटाएंगे और गेहूं रोपेंगे। वहां कोल्ड स्टोरेज भी अधिक नहीं हैं। कच्चा आलू खुले में रखने पर जल्दी खराब हो जाता है, इसलिए

इसे जल्दी बेचना होता है। बिहार आलू उत्पादन में देश में तीसरे स्थान पर है। देश में 260 लाख टन आलू का उत्पादन होता है। इसमें उत्तर प्रदेश में 30 फीसदी, पश्चिम बंगाल में 24 फीसदी और बिहार में 18 फीसदी आलू का उत्पादन होता है। बड़ी बात यह है कि बिहार दूसरे राज्यों में काफी कम आलू भेजता है, इसके बावजूद बिहार को अन्य राज्यों से आलू मंगाना पड़ता है। बिहार में आलू मुख्य रूप से अक्टूबर के अंत से नवंबर के बीच बोया जाता है और जनवरी-फरवरी से मार्च के दौरान काटा जाता है। बिहार में आलू की खेती का सबसे बड़ा रकबा मुजफ्फरपुर जिला में है। आलू की खेती का दूसरा सबसे बड़ा रकबा नालंदा जिले का है। 2015 में आलू उत्पादन में बिहार ने रिकॉर्ड बनाया था। बिहार शरीफ प्रखंड के सोहडीह गांव के किसान राकेश कुमार ने प्रति हेक्टेयर 1,088 क्विंटल आलू उपजा कर नया कीर्तिमान बनाया था। इससे पहले कतरी सराय प्रखंड के दरवेशपुरा गांव के किसान नीतीश कुमार ने प्रति हेक्टेयर 729 क्विंटल आलू उत्पादन कर विश्व रिकॉर्ड बनाया था। आंकड़ों के अनुसार आलू उत्पादन में दुनिया के देशों में चीन सबसे ऊपर है। दूसरे नंबर पर भारत है, जबकि तीसरे और चौथे स्थान पर रूस, यूक्रेन, अमेरिका और बांग्लादेश हैं। इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चर रिसर्च के अनुसार भारत में आलू उगाने में तीन राज्य सबसे आगे हैं, इनमें भारत का 74 फीसदी आलू उगाया जाता है।

बिहार में डायबिटिक और प्री-डायबिटिक 14 फीसदी

आलू से जुड़े वैज्ञानिक से बात करने के बाद एम्स दिल्ली और पटना में वर्षो से डायबिटीज के मरीजों का इलाज कर रहे डॉक्टर अजय कुमार से बात की। वे आर.एस.एस. डी.आई. (रिसर्च सोसोइटी फॉर स्टडी ऑफ डायबिटीज इन इंडिया) के बिहार चैप्टर के चेयरमैन हैं। वे बताते हैं कि देश में 77 मिलियन मरीज हैं। इसमें 21 से 34 उम्र के लोग डायबिटीज टाइप टू के मरीज हैं।

युवती का रेता गला

घायल हालत में पड़ी मिली

सहरसा। के महिषी थाना इलाके में एक अज्ञात युवती का गला रेता हुआ घायल हालात में मिली है। पुलिस घायल ने युवती को इलाज के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र महिषी में भर्ती करवाया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे सदर अस्पताल लाया गया। युवती को गंभीर हालात के मद्दे नजर मधेपुरा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। हांलाकि, पुलिस अज्ञात युवती की पहचान करने में जुटी है। महिषी थाना में पोस्टेड पुलिस अवर निरीक्षक ऋषिकेश पांडे ने बताया कि शनिवार को एक थाना क्षेत्र में लावारिस अवस्था में एक अज्ञात युवती घायल हालात में पड़ी मिली। इसका गला किसी ने तेज हथियार से रेता हुआ प्रतीत हो रहा है। मधेपुरा मेडिकल कॉलेज किया रेफर स्थानीय ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने उसे स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए लाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सहरसा रेफर कर दिया गया। सदर अस्पताल के

दुष्कर्म के प्रयास और मारपीट का आरोप

सीवान। के असांव थाना क्षेत्र के परसाहा टोला में जिला पार्षद छोटेलाल यादव और उनके समर्थकों पर दुष्कर्म के प्रयास और मारपीट का एक पक्ष ने गंभीर आरोप लगा है। इस घटना में दर्जनों लोग घायल हुए हैं। मामले में 21 वर्षीय पीड़िता ने आरोप लगाया कि जब वह खेत में काम कर रही थीं। तब गुठनी प्रखंड क्षेत्र संख्या 5 के जिला पार्षद छोटेलाल यादव 30-40 दबंगों और असामाजिक तत्वों के साथ पहुंचे। उन्होंने खेत में अकेला देखकर बदतमीजी की और दुष्कर्म का प्रयास किया। पीड़िता के पिता ब्यास यादव जब उसे बचाने आए, तो जिला पार्षद ने लाइसेंसी हथियार से हवाई फायरिंग की। परिवार के सदस्यों से भी की मारपीट इसके बाद दबंगों ने परिवार के अन्य सदस्यों पर भी हमला कर दिया। मारपीट की घटना में पीड़िता समेत अन्य लोग घायल हुए हैं।

घायलों में पीड़िता के भाई, चाचा और दादा भी शामिल हैं। हमलावरों ने पीड़िता के हाथ और पैर तोड़ दिए हैं। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और मामले की जांच शुरू कर दी है। जिला पार्षद छोटेलाल यादव के खिलाफ दुष्कर्म के प्रयास, मारपीट और हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। घटना के बाद से गांव में तनाव है। घटना के बाद दबंगों ने घायलों का पीछा कर अंदर में दुबारा हमला किया। पीड़ित परिवार का कहना है कि अगर उन्हें इंसाफ नहीं मिला, तो वे सामूहिक आत्महत्या करेंगे। कार्रवाई की मांग की ग्रामीणों ने जिला पार्षद और उनके समर्थकों की गिरफ्तारी की मांग की है। यह घटना बेहद शर्मनाक है। जिला पार्षद जैसे जनप्रतिनिधि को ऐसे कृत्य नहीं करने चाहिए। पुलिस को जल्द से जल्द आरोपियों को गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। आरोपी जिला पार्षद समर्थकों के साथ फरार असांव थाना प्रभारी रवि कुमार ने बताया कि दो पक्षों के बीच मारपीट की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पीड़ितों का इलाज सिवान सदर अस्पताल में जारी है। आरोपित जिला पार्षद छोटेलाल यादव घटना के बाद अपने समर्थकों सहित फरार हैं। थाना प्रभारी ने कहा कि अब तक पीड़ित पक्ष की ओर से आवेदन नहीं दिया गया है। आवेदन मिलने पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की जाएगी। दोषियों को गिरफ्तार कर कठोर दंड दिलाने का आश्वासन दिया गया है। फिलहाल पुलिस घटना की जांच में जुटी है और आरोपियों की तलाश जारी है।

बाराती बनकर रेड मारने पहुंची आईटी टीम

7 ठिकानों पर कार्रवाई : गाड़ी पर शादी का पंपलेट चिपकाया

मोतिहारी। की बड़ी चावल कंपनी रिपुराज एग्रो प्राइवेट लिमिटेड पर आयकर विभाग ने फिल्मी अंदाज में छापेमारी की। आयकर की टीम कंपनी में छापेमारी करने के लिए बाराती बनकर पहुंची थी।

किसी को शक न हो इसलिए गाड़ियों पर अविनाश संग नेहा शादी का पंपलेट चिपका दिया। जैसे ही टीम राइस के अंदर पहुंची, पूरे परिसर को घेरकर जांच शुरू कर दी। आयकर विभाग की यह कार्रवाई रक्सौल, मोतिहारी, पटना और दिल्ली समेत सात ठिकानों पर हुई है। 300 से ज्यादा अधिकारी और कर्मचारी, और रइ के जवान भी इस छापेमारी में शामिल थे। छापेमारी देर रात तक जारी रही। कंपनी के ट्रांजेक्शन की जांच की जा रही है। आयकर विभाग को जानकारी मिली थी कि समूह टैक्स चोरी में लिप्त है। विभाग ने

रक्सौल, मोतिहारी, पटना और दिल्ली समेत सात ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया। छापेमारी में 150 आयकर अधिकारी और 70 अर्धसैनिक बल के जवान शामिल थे। शुरूआती जांच में कंपनी की संपत्ति और निवेश उनके आयकर रिटर्न से मेल नहीं खा रहे हैं। आयकर विभाग की साइबर फोरेंसिक टीम समूह के कंप्यूटर, मोबाइल और ईमेल की जांच कर रही है। भारी मात्रा में नकदी और कीमती सामान बरामद हुए हैं। रिपुराज ग्रुप उत्तर बिहार, दूसरे राज्यों और कुछ पड़ोसी देशों में चावल का कारोबार करती है। ये कंपनी मिलिंग और गैर-बासमती चावल का नेपाल, बांग्लादेश और सऊदी अरब जैसे देशों में निर्यात करती है। ग्रुप का नेतृत्व रामेश्वर प्रसाद गुप्ता और उनके बेटे रिपु रमन एवं रिषु रमन करते हैं। 2010-11 में स्थापित इस कंपनी की पहली चावल मिल 2012 में शुरू हुई थी। इसके बाद 2018 और 2023 में नई मिलों के साथ कारोबार का विस्तार किया गया। आज यह समूह 1100 करोड़ रुपए के कारोबार वाला ब्रांड बन चुका है।

अन्य कंपनियां भी जांच के दायरे में रिपुराज एग्रो के अलावा गुप्ता परिवार की अन्य कंपनियां, जैसे डिग्गा फूड्स प्राइवेट लिमिटेड, एम.आर. फूड्स, राधिका एंटरप्राइजेज और त्रिकाल ब्रदर्स भी जांच के घेरे में हैं। आयकर विभाग समूह की संपत्ति और विदेशी व्यापार पर गहराई से नजर बनाए हुए है।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स की तैयारियों का लिया जायजा

बिहार। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रण शंकरण के साथ मिलकर खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 की तैयारियों का जायजा लिया है। अप्रैल 2025 में आयोजित होने वाले इस राष्ट्रीय खेल महोत्सव में बिहार पहली बार मेजबानी करेगा। इस आयोजन में देश भर से 12,000 से अधिक खिलाड़ी, प्रशिक्षक और प्रबंधक भाग लेंगे। खेलो इंडिया यूथ गेम्स के 23 विभिन्न खेल राज्य के विभिन्न स्थानों पर आयोजित किए जाएंगे। राजगीर खेल परिसर और पाटलिपुत्र खेल परिसर के अलावा, आईआईटी पटना, बीएमपी ग्राउंड, बिहार पुलिस अकादमी, नालंदा विश्वविद्यालय, कल्याण बिगहा शूटिंग रेंज, मगध विश्वविद्यालय परिसर गया, भागलपुर और रांची में भी खेल आयोजित होंगे। महानिदेशक रवीन्द्रण शंकरण ने बताया कि खेलो इंडिया यूथ गेम्स के साथ-साथ खेलो इंडिया पारा गेम्स भी इस वर्ष पहली बार बिहार में आयोजित किए जाएंगे, जो राज्य के खेल परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया और राज्य खेल प्राधिकरण के अधिकारियों की ओर से किए गए निरीक्षण से यह स्पष्ट है कि आगामी खेल महोत्सव की तैयारियां पूरी जोरों से चल रही हैं।

संक्षिप्त डायरी

1 लाख के लिए 2 महीने के बेटे की हत्या

भागलपुर। में 1 लाख रुपए दहेज के लिए पिता ने अपने 2 महीने के बेटे की गला दबाकर हत्या कर दी। आरोपी दहेज के लिए हमेशा अपनी पत्नी से लड़ता था, कहता था, 'ये मेरा नहीं, नाजायज बच्चा है। 1 लाख रुपए अपने मायके से लेकर आओ तब रखेंगे।' आरोपी पिता राजा नशे का आदी है। नशा करने के लिए उसने अपनी पत्नी के 30 हजार के जेवर तक बेच दिए थे। नशे के लिए पत्नी रुबी पर दहेज के लिए लगातार दबाव बनाता था। वारदात के बाद आरोपी और उसके घर वाले घर छोड़कर फरार हो गए हैं। दंपती को 3 बच्चे हैं, इनमें एक बेटी है। मृतक रोशन सबसे छोटा था। मामला सुलतानगंज थाना क्षेत्र का है। मृतक के नाना अंजनी कुमार ने बताया, 'राजा और रुबी की शादी 2019 में मंदिर से हुई थी। रिश्ते को लेकर परिवार वालों की रजामंदी थी। शादी में करीब 5 लाख रुपए खर्च हुए थे। शादी के बाद पति, सास यशोदा देवी और ससुर सिकंदर शाह मारपीट करते थे।' 'बेटी से घटना की सूचना मिलने के बाद जब हमलोग घटनास्थल पर पहुंचे तो बच्चे की लाश पड़ी थी। दो लोग शव के पास मौजूद थे, जो वहीं के रहने वाले थे।' 'गुरुवार शाम आरोपी राजा का अपनी पत्नी से दहेज को लेकर विवाद हो गया। बात बढ़ी तो उसने अपने बेटे को गया घोंट कर मार डाला। घटना के बाद बच्चे की मां रुबी ने अपने मायके वालों को मामले की सूचना दी। आज शुक्रवार को मामले में केस दर्ज हुआ है।' मृतक की मां रुबी देवी ने पुलिस को आवेदन दिया है। जिसमें 7 लोगों को नामजद आरोपी बनाया गया है। पति और ससुराल वालों पर दहेज प्रताड़ना और बेटे की हत्या का आरोप लगाया है। मामले में पुलिस ने आरोपी सास को हिरासत में लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार राजा निजी वैन चालक है। नशे में रहने के कारण बच्चों और पत्नी की देखभाल नहीं करता था। पति घर छोड़कर फरार है सिटी एसपी डॉक्टर के रामदास ने कहा कि आरोपी पति घर छोड़कर फरार हो गया है। ऋछ की टीम बुलाई गई है। मामले की जांच कराई गई है। शव का पोस्टमॉर्टम कर लिया गया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि मासूम की मौत कैसे हुई। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

गोल्डी ने तीन दिन में तीन पदक जीता

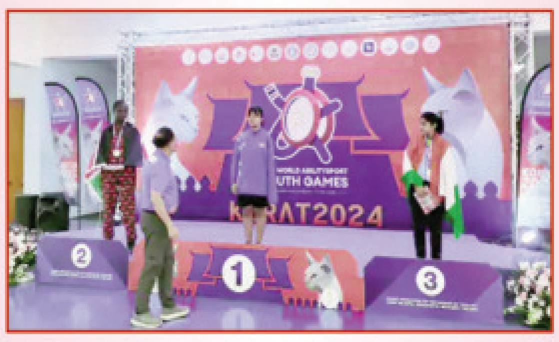

नालंदा। की बेटी गोल्डी कुमारी ने थाईलैंड में चल रहे विश्व पारा ओलंपिक यूथ गेम्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार तीन दिनों तक पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया है। तीसरे दिन डिस्कस थ्रो में कांस्य पदक जीता। गोल्डी ने 11.57 मीटर डिस्कस फेंककर तीसरा स्थान प्राप्त किया है। पहला स्थान मेजबान देश थाईलैंड के ने और दूसरा स्थान केन्या के खिलाड़ी ने हासिल किया। गोल्डी कुमारी की खेल की कहानी एक निजी वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में कक्षा 8वीं की छात्रा के रूप में शुरू होती है। उसने बाएं हाथ की दिव्यांगता के बावजूद शॉटपुट में एक सामान्य एथलीट को हराकर पहला स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद से गोल्डी ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। कुंदन कुमार पांडे ने गोल्डी कुमारी के जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कुंदन पांडे ने गोल्डी की प्रतिभा को पहचाना और उन्हें प्रशिक्षित किया। आज गोल्डी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर रही है। दिव्यांग लोग भी सामान्य लोगों की तरह सफल हो सकते गोल्डी कुमारी की सफलता हमें यह सिखाती है कि अगर हम दृढ़ निश्चय और मेहनत के साथ काम करें तो कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। दिव्यांगता एक बाधा नहीं बल्कि एक चुनौती है और अगर हम इस चुनौती को स्वीकार करें तो हम सफलता के नए आयाम छू सकते हैं। गोल्डी की सफलता से समाज में एक सकारात्मक संदेश गया है।

बेटे के ससुराल वालों पर हत्या का आरोप

नालंदा। जिले के हिलसा थाना क्षेत्र में विमलेश शर्मा उर्फ लाला सिंह की हत्या हुई थी। मामले में नया मोड़ आ गया है। मृतक की पत्नी कांति देवी ने अपने बड़े बेटे के ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है। दरअसल, विमलेश शर्मा की बीते बुधवार की शाम घर से बुलाकर अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। हत्या के 48 घंटे बीत जाने के बाद भी पुलिस अभी तक आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर पाई है। मृतक की पत्नी कांति देवी ने पुलिस को बताया कि उनके बड़े बेटे की शादी वर्ष 2011 में अरबल के झुनाठी गांव निवासी अशोक सिंह की बेटी एभी कुमारी के साथ हुई थी। शादी के बाद से ही दोनों परिवारों के बीच विवाद चल रहा था। एभी कुमारी अक्सर अपने मायके में रहती थी और ससुराल आने पर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देती थी। दोनों परिवारों के बीच कई बार विवाद हुआ था और इस संबंध में न्यायालय में भी मामला विचाराधीन है। हिलसा थानाध्यक्ष अभिजीत कुमार ने बताया कि मृतक की पत्नी की शिकायत के आधार पर बेटे के ससुर, सास और अन्य तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस टीम आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है और जल्द ही इस मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

एक लाख लीटर क्षमता वाले दुग्ध उत्पादन संयंत्र का शिलान्यास

गोपालगंज में सीएम नीतीश कुमार ने की पूजा, विभागों के स्टॉल का किया निरीक्षण

गोपालगंज । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गोपालगंज जिले के कटेया प्रखंड के बैरिया गांव में एक लाख लीटर प्रतिदिन क्षमता वाले दुग्ध उत्पादन संयंत्र का शिलान्यास किया। 53.64 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस संयंत्र से न केवल गोपालगंज, बल्कि सीवान और पश्चिमी चंपारण जिलों के 50,000 से अधिक किसानों को लाभ होगा। इस परियोजना को ग्रामीण अर्थव्यवस्था और दुग्ध उत्पादकों के लिए एक बड़ा कदम माना जा रहा है। संयंत्र का कुल क्षेत्रफल 10.81 एकड़ है, जिसमें 7197 वर्ग मीटर में संयंत्र, प्रशासनिक भवन, सर्विस ब्लॉक और भंडारण इकाइयों का निर्माण होगा। संयंत्र के निर्माण से स्थानीय दुग्ध समितियों को मजबूती मिलेगी, जिससे दुग्ध उत्पादकों की आय में वृद्धि होगी। सात निश्चय-2 योजना के तहत राज्य सरकार ने 7,000 नई दुग्ध समितियों के गठन की स्वीकृति दी है। यह संयंत्र इन समितियों से जुड़ी दुग्ध प्रोसेसिंग की जरूरतों को पूरा करेगा। स्थानीय स्तर पर दूध की प्रोसेसिंग और विपणन से किसान दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में प्रेरित होंगे। मुख्यमंत्री ने भूमि पूजन और शिलापट्ट का अनावरण करते हुए कहा कि यह संयंत्र दुग्ध उत्पादन क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण बदलाव लाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि परियोजना को समयसीमा के भीतर पूरा किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह संयंत्र न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देगा, बल्कि जल-जीवन-हरियाली अभियान को भी बढ़ावा देगा। मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया, जिसमें कृषि, मत्स्य, पशुपालन, जीविका और समाज कल्याण विभाग शामिल थे। उन्होंने दिव्यांग सशक्तीकरण योजना के तहत लाभुकों को बैट्री चालित ट्राइसाइकिल भी प्रदान की। यह संयंत्र किसानों को उनके उत्पाद का बेहतर मूल्य प्रदान करेगा। इसके अलावा, दुग्ध समितियों के गठन से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। संयंत्र के शुरू होने से दुग्ध उत्पादन और प्रसंस्करण के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। समारोह में पशु एवं मत्स्य संसाधन मंत्री रेणु देवी, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, शिक्षा मंत्री सुनील कुमार, सांसद डॉ. आलोक कुमार सुमन, विधायक अमरेंद्र कुमार पांडे, कुसुम देवी और कई अन्य मंत्री, अधिकारी और स्थानीय जन प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने इस परियोजना को ग्रामीण विकास और किसानों की समृद्धि के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया। मुख्यमंत्री ने जल-जीवन-हरियाली अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि यह संयंत्र पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ विकास के उद्देश्यों को भी पूरा करेगा। उन्होंने पर्यावरण को संरक्षित रखने की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्यमंत्री उपस्थित लोगों को संबोधित किए बिना ही वापस हेलिकॉप्टर से रवाना हो गए। जिससे लोगों में निराशा दिखी। सूबे के शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने बताया कि करीब 60 करोड़ से ऊपर की लागत से यह बन रहा है। इसकी क्षमता आगे चल कर 2 लाख लीटर प्रति लीटर भी हो सकती है। यहां के किसानों में इसकी दूरगामी और सकारात्मक प्रभाव पड़ेंगे। करीब पंद्रह हजार किसानों के मासिक आमदनी में इजाफा होगा। ट्रांसपोर्ट बढ़ेगा, वेटरनरी डॉक्टर आयेंगे। छोटे-छोटे पार्लर्स और दुकान सुधा की खुलेंगी, जिससे फायदा होगा। धीरे-धीरे सारे सुधा के प्रोडक्ट्स दही, दूध, मिठाइयां यह सभी ऐड करना शुरू कर देंगे।

कहानी

शरारती बौना

किसी गांव में एक बौना रहता था जो बड़ा शरारती था। नाम उसका था टिप्सी। वह बड़ी हंसी-खुशी में अपना जीवन बिता रहा था, परन्तु उसे अपना नाम बिल्कुल पसंद नहीं था। वह समझता था उसका नाम बड़ा पुराना और घिसा-पिटा है। नाम तो नया होना ही चाहिए। वह अपने बड़े-बूढ़ों से प्राय: पूछता रहता कि- उसका नाम नाम टिप्सी क्यों रखा गया? कोई अच्छा सा नाम क्यों नहीं रखा गया? इसका कारण उसे कोई नहीं बता सका क्योंकि इसका कोई कारण था ही नहीं। सबने उसे यही समझाया कि बौनों के नाम पुराने ढंग के होते हैं और टिप्सी अच्छा नाम है।

एक दिन टिप्सी को एक और बूढ़ा बौना मिला जिसे बस बौना सरदार कहते थे। टिप्सी को यह नाम बड़ा पसंद आया। जब टिप्सी ने उस बूढ़े से भी अपना प्रश्न दोहराया तो उसने भी वही उत्तर दिया जो दूसरे देते थे। तब टिप्सी उस बूढ़े बौने से बोला, तो फिर तुम अपना नाम मेरे नाम से बदल लो। बौने सरदार को टिप्सी की बदतमीजी पर बड़ा क्रोध आया। वह बोला तुम तुरन्त यह गांव छोड़कर जंगल में चले जाओ। एक वर्ष बाद जब तुम लौटोगे, तुम्हें पता होगा कि अपने से बड़ों के साथ किस प्रकार व्यवहार किया जाता है। टिप्सी को बौने सरदार की आज्ञा माननी पड़ी। टिप्सी बचपन से ही बड़ा ऊधमी था। उसने छोटे-मोटे जादू भी नहीं सीखे जो सब बौने जानते थे।

टिप्सी जंगल में मारा-मारा फिरता। रात को उसे किसी पेड़ के नीचे सोना पड़ता। जंगली फल खाकर ही उसे पेटे भरना पड़ता। एक दिन उसे बड़ी सर्दी लग रही थी और वह भूखा भी था। खाने के लिए कुछ ढूंढते हुए वह घूम रहा था। उसे एक पेड़ के नीचे तीन सूखे काजूफल पड़े मिले।

भूख के मारे बेहाल टिप्सी ने जब तीन काजूफल देखे तो उसकी आंखें चमक उठीं। वह प्रसन्न था कि खाने को कुछ तो मिला। उसने गांव में बड़े-बूढ़ों को सूखे काजूफल के कड़े छिलके तोड़कर उसमें से गिरी निकालते देखा था। उसने एक काजूफल को लेकर उसे ठोका और फिर दबाया ताकि उसकी गिरी बाहर निकाल सके, परन्तु छिलका अलग नहीं हुआ। उसने फिर छिलके को जोर लगा कर ठोका, परन्तु बेकार। भूख के मारे उसकी जान निकली जा रही थी। उसने कस कर एक मुक्का उस पर मारा तो छिलका अलग नहीं हुआ। उसने बारी-बारी तीनों काजूफल के छिलके हटाने चाहे, परन्तु एक भी नहीं हटा। जब टिप्सी हाथ से काजूफाल के छिलके नहीं उतार सका तो वह उस पर पैर रख कूदा वह भी व्यर्थ रहा तब उसने बांस की छड़ी फंसा कर छिलका उतारना चाहा, परन्तु विफल रहा।

टिप्सी भूखा तो पहले ही था, अब बुरी तरह थक भी चुका था। काजूफल का छिलका तक न उतार पाने के कारण उसे अपने आप पर क्रोध आ रहा था। वह एक पेड़ के नीचे बैठ गया और रोने लग। इसी बीच एक टिड्डा वहां से गुजरा। जब उसने टिप्सी को रोते हुए देखा तो इसका कारण पूछने लगा। टिप्सी रोते-रोते बोला- मुझे बिरादरी से निकाल दिया गया है। यहां न सोने का ठिकाना है, न कुछ खाने को मिलता है। ये तीन काजूफल हैं। इन्हें मैं तौड़ नहीं सकता।

टिड्डे ने क्षमा मांगी कि वह इस में टिप्सी की कोई सहायता नहीं कर सकता और अपने रास्ते हो लिया। पास ही खड़ी एक गिलहरी ने भी टिप्सी की बात सुनी।

गिलहरी को दु:खी टिप्सी पर दया आ गई। वह उसके पास आई और काजूफल के छिलके उतारने में उसकी सहायता करने का प्रस्ताव किया। गिलहरी की बात सुनकर टिप्सी का चेहरा खुशी से खिल उठा। उसने उसे यह कृपा करने की प्रार्थना की। गिलहरी ने तुरन्त अपने दांतों से कुतर-कुतर कर काजूफल के छिलके उतार दिए और गिरी निकाल कर टिप्सी को खाने के लिए दी। गिलहरी ने वृक्ष पर चढ़ कर ताजा काजूफल की गिरियां भी निकाल कर उसे पेट भर कर खिलाई। तब गिलहरी ने उसे वृक्ष पर बने अपने घर में रहने का निमंत्रण दिया।

टिप्सी ने गिलहरी का निमंत्रण स्वीकार कर लिया तथा पेड़ पर गिलहरी के मकान में बड़े मजे से रहने लगा। गिलहरी के घर में रहते-रहते, टिप्सी ने कई बातें सीखीं। उसने समझ लिया कि विनम्रता बहुत बड़ा गुण है। सभी से आदर से बात करनी चाहिए। तथा सबकी यथासंभव सहायता करनी चाहिए। जैसे कि गिलहरी ने उसकी की थी। गिलहरी ने उसे वृक्षों की भाषा भी सिखाई और पशु-पक्षियों की बोलियां भी। उसने टिप्सी को कई छोटे-मोटे जादू भी सिखाए जो उसने स्वयं वर्षों पूर्व सीखे थे, जब वह बौनों के बीच रहती थी।

जब टिप्सी को जंगल में रहते एक वर्ष पूरा हो गया तो वह बिलकुल बदल चुका था। उस एक वर्ष में उसमें बड़ी समझदारी आ चुकी थी। वह इतना विनम्र तथा शिष्ट हो चुका था कि गांव के दूसरे बौने उसे एक बुद्धिमान बौना मान कर उसका सम्मान करने लगे। अब वह शरारती टिप्सी नहीं रहा था।

क्या आप जानते हैं

अपने जाल में क्यों नहीं फँसती मकड़ी?

मकड़ी के पेट से विशेष प्रकार की ग्रंथियों से निकलने वाले द्रव से जाला बनता है। मकड़ी के शरीर के पिछले हिस्से में स्पिनेरेट नाम का अंग होता है जिसकी मदद से इस द्रव को पेट से बाहर निकालती है। हवा के संपर्क में आने पर पेट से बाहर निकाला जाने वाला द्रव सूखकर तंतु जैसा बन जाता है। इस तरह के तंतुओं से ही मकड़ी का जाला बनता है। मकड़ी के जाले में दो तरह के तंतु होते हैं। एक- सूखा जिससे जाले की फ्रेम बनती है। दूसरा- जिनसे बीच की रेखाएँ बनती हैं उसे स्पोस कहते हैं। स्पोस चिपचिपा होता है। जाले में चिपचिपे तंतुओं में ही चिपककर शिकार फँस जाता है और छूट नहीं पाता है। जब शिकार फँस जाता है तो मकड़ी सूखे धागों पर चलती हुई शिकार तक पहुँचती है और इसलिए वह जाले में नहीं उलझती। वैसे मकड़ी के शरीर पर तेल की एक विशेष परत भी चढ़ी होती है जिससे उसके जाले में फँसने का सवाल ही नहीं उठता।

पहेलियाँ ही पहेलियाँ

तुम न बुलाओ मैं आ जाऊँगी,
न भाड़ा न किराया दूँगी,
घर के हर कमरे में रहूँगी,
पकड़ न मुझको तुम पाओगे,
मेरे बिन तुम न रह पाओगे,
बताओ मैं कौन हूँ?

गर्मी में तुम मुझको खाते,
मुझको पीना हरदम चाहते,
मुझसे प्यार बहुत करते हो,
पर भाप बनूँ तो डरते भी हो।

मुझमें भार सदा ही रहता,
जगह घेरना मुझको आता,
हर वस्तु से गहरा रिश्ता,
हर जगह मैं पाया जाता।

ऊपर से नीचे बहता हूँ,
हर बर्तन को अपनाता हूँ,
देखो मुझको गिरा न देना
वरना कठिन हो जाएगा भरना।

लोहा खींचू ऐसी ताकत है,
पर रबड़ मुझे हराता है,
खोई सूई मैं पा लेता हूँ,
मेरा खेल निराला है।

उत्तर : १. हवा २. पानी ३. गैस ४. द्रव्य ५. चुंबक

चमत्कारी होते हैं पिरामिड

मिस्र के पिरामिड वहां के तत्कालीन फैरों गणों के लिए बनाए गए स्मारक स्थल हैं, जिनमें राजाओं के शवों को दफनाकर सुरक्षित रखा गया है। इन शवों के साथ खाद्यान, पेय पदार्थ, वस्त्र गहनें, बर्तन वाद्य यंत्र, हथियार, जानवर एवं कभी-कभी तो सेवक सेविकाओं को भी दफना दिया जाता था।

भारत की तरह ही मिस्र की सभ्यता भी बहुत पुरानी है और प्राचीन सभ्यता के अवशेष वहां की गौरव गाथा कहते हैं। यों तो मिस्र 138 पिरामिड हैं और काहिरा के उपनगर गीजा में तीन लेकिन सामान्य विश्वास के विपरीत सिर्फ गिजा का ग्रेट पिरामिड ही प्राचीन विश्व के सात अजूबों की सूची में है। दुनिया के सात प्राचीन आश्चर्यों में शेष यही एकमात्र ऐसा स्मारक है जिसे काल प्रवाह भी खत्म नहीं कर सका। यह पिरामिड 450 फुट ऊंचा है कि जोड़ों में एक ब्लेड भी नहीं घुसायी जा सकती। मिस्र के पिरामिडों के निर्माण में कई खगोलीय आधार भी पाये गये हैं, जैसे कि तीनों पिरामिड आरियन राशि के तीन तारों की सीध में हैं। वर्षों से वैज्ञानिक इन पिरामिडों का रहस्य जानने के प्रयत्नों में लगे हैं किन्तु अभी तक कोई सफलता नहीं मिली है।

कुछ लोग पिरामिडों में स्थित जादुई असर की बात भी कहते हैं तो है। 43 सदियों तक यह दुनिया की सबसे ऊंची संरचना रहा। 19वीं सदी में ही इसकी ऊंचाई की कीर्तिमान टूटा। इसका आधार 13 एकड़ में फैला है जो करीब 16 फुटबॉल मैदानों जितना है। यह 25 लाख चूनात्थरों के खंडों से निर्मित है जिनमें से हर एक का वजन 2 से 30 टनों के बीच है। ग्रेट पिरामिड को इतनी परिशुद्धता से बनाया गया है कि वर्तमान तकनीक ऐसी कृति को दोहरा नहीं सकती है। कुछ साल पहले तक वैज्ञानिक इसकी सूक्ष्म सममिति का पता नहीं लगा पाये थे, प्रतिरूप बनाने की तो बात ही दूरा प्रमाण बताते हैं कि इसका निर्माण करीब 2560 वर्ष ईसा पूर्व मिस्र के शासक खुफु के चौथे वंश द्वारा अपनी कब्र के तौर पर कराया गया था। इसे बनाने में करीब 23 साल लगे।

मिस्र के इस महान पिरामिड को लेकर अक्सर सवाल उठाये जाते रहे हैं कि बिना मशीनों के बिना आधनिक औजारों के मिस्रवासियों ने कैसे विशाल पाषाणखंडों को 450 फीट ऊंचे पहुंचाया और इस बृहत परियोजना को महज 23 वर्षों में पूरा किया? पिरामिड मर्मज इवान हैडिंगटन ने गणना कर हिसाब लगाया कि यदि ऐसा हुआ तो इसके लिए दर्जनों श्रमिकों को साल के 365 दिनों में हर दिन 10 घंटे के काम के दौरान हर दूसरे मिनट में एक प्रस्तर खंड को रखना होगा। क्या ऐसा संभव था? विशाल श्रमशक्ति के अलावा क्या प्राचीन मिस्रवासियों को सूक्ष्म गणितीय और खगोलीय ज्ञान रहा होगा? विशेषज्ञों के मुताबिक पिरामिड के बाहर पाषाण खंडों को इतनी कुशलता से तराशा और फिट किया गया।

रोचक तथ्य

- *ग्रेट पिरामिड एक पाषाण-कम्प्यूटर जैसा है। यदि इसके किनारों की लंबाई, ऊंचाई और कोणों को नापा जाय तो पृथ्वी से संबंधित भिन्न-भिन्न चीजों की सटीक गणना की जा सकती है।*
- *ग्रेट पिरामिड में पत्थरों का प्रयोग इस प्रकार किया गया है कि इसके भीतर का तापमान हमेशा स्थिर और पृथ्वी के औसत तापमान 20 डिग्री सेल्सियस के बराबर रहता है। यदि इसके पत्थरों को 30 सेंटीमीटर मोटे टुकड़ों में काट दिया जाए तो इनसे फ्रांस के चारों ओर एक मीटर ऊंची दीवार बन सकती है।*
- *पिरामिड में नींव के चारों कोने के पत्थरों में बॉल और सॉकेट बनाये गये हैं ताकि ऊष्मा से होने वाले प्रसार और भूंकप से सुरक्षित रहे।*
- *मिस्रवासी पिरामिड का इस्तेमाल वेधशाला, कैलेंडर, सनडायल और सूर्य की प्रिक्रमा में पृथ्वी की गति था प्रकाश के वेग को जानने के लिए करते थे।*
- *पिरामिड को गणित की जन्मकुंडली भी कहा जाता है जिससे भविष्य की गणना की जा सकती है।*

कहानी

बूढ़ा जादूगर

किसी गांव के बाहर बनी झोंपड़ी में एक बूढ़ा आदमी रहता था। वह थोड़ा-बहुत जादू भी जानता था। गांव से बाहर रहने का कारण यह था कि उसे भीड़-भाड़ से घबराहट होती थी। अपना गुजारा चलाने के लिए वह आस-पास की जमीन पर गेहूं तथा सब्जियां उगा लेता था। उसने कुछ मुर्गियां भी पाल रखी थीं और एक बकरी उसके पास थी जिसका दूध उसके लिए काफी होता था। एक बार ऐसा हुआ कि बरसात के मौसम में वर्षा बिल्कुल ना हुई। वर्षा न होने के कारण गांव वाले बड़े चिंतित हुए क्योंकि पानी का और कोई प्रबंधन न होने से उनकी फस्लें सूख जाने का भय था। परन्तु बूढ़े को इसकी कोई चिंता ना थी। उसके खेत के पास से एक पहाड़ी नाला बहता था जिसका पानी उस की फसलों के लिए काफी था। उसे वर्षा के पानी पर निर्भर रहने की कोई आवश्यकता नहीं थी। जब गांव वालों ने देखा कि वर्षा होने की संभावना नहीं तो उन्होंने बूढ़े जादूगर के पास जाने का फैसला किया। वे जानते थे कि अपनी युवावस्था में वह किसी जादूगर के सहायक के रूप में काम कर चुका था। उन्हें आशा थी कि वह वर्षा लाने वाला नृत्य जानता होगा। अत: वे उसके पास गए तथा उससे पूछा कि क्या वह वर्षा-नृत्य जानता है।

वर्षा-नृत्य मैंने अपनी जवानी में सीखा तो था बूढ़े जादूगर ने उत्तर दिया।

क्या तुम वर्षा लाकर हमारी सहायता करोगे? तुम्हें पता ही है कि अभी तक वर्षा नहीं हुई और जल्दी ही वर्षा होने की कोई आशा प्रतीत नहीं होती। यदि जल्दी ही पानी नहीं मिला तो हमारी फस्लें सूख कर बर्बाद हो जाएंगी। हम सब भूखों मर जाएंगे। गांव वालों ने बड़ी आशा के साथ बूढ़े जादूगर से प्रार्थना की। बूढ़ा आदमी खुश था कि गांव वालों ने उसे बहुत महत्व दिया था। वह वर्षा लाने के लिए नृत्य करने पहाड़ी पर गया। वर्षा-नृत्य करना कोई आसान काम नहीं था।

परन्तु बूढ़े जादूगर ने गांव वालों की भलाई के लिए उसे करने का दृढ़ निश्चय कर लिया। पहाड़ी की चोटी पर चढ़ बूढ़ा जादूगर नाचने लगा तथा ऊंचे-ऊंचे मंत्र पढ़ने लगा, ऐ वर्षा तथा बादलों के देवता मैं तुम्हारा आव्हान करता हूं। सुनो.. बिजली चमकाओं, बिजली कड़काओं बादल भेजो वर्षा करों वर्षा करों। इस मंत्र को याद करके पढ़ना बूढ़े जादूगर के लिए बड़ा कठिन सिद्ध हो रहा था। उसे पढ़े हुए बूढ़े को वर्षों बीत चुके थे तथा उसके शब्दों उच्चारण ठीक कम से करने से ही वर्षा हो सकती थी। और फिर उसे बहुत ऊंचे स्वर में पढ़ना था। तेजी के साथ नृत्य भी करना था। वह बार-बार उस मंत्र को पढ़ता रहा तथा नाचता रहा। कुछ देर के बाद वर्षा होने लगी। बूढ़ा निढाल- सा वापस लौटा। गांव वालों ने बूढ़े को धन्यवाद दिया। चौबीस घंटे तक जमकर वर्षा होती रही। जब वर्षा थमी तो खेतों में खड़ी फसलों को भरपूर पानी मिल चुका था। हर कोई बड़ा प्रसन्न था।

हेड के शतक से ऑस्ट्रेलियाई ने 337 रन बनाकर हासिल की बढ़त, भारत दूसरी पारी 128/5

एडिलेड (एजेंसी)। ट्रेविड हेड के शानदार शतक से मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम ने भारत के खिलाफ यहां दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन पहली पारी में 337 रन बना लिए थे। दिन-रात के इस मैच में भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 180 रन बनाये थे। इस प्रकार पहली पारी के आधार पर मेजबान टीम को 157 रनों की अच्छी खासी बढ़त मिल गयी हैं। वहीं इसके बाद दूसरी पारी में खेलते हुए भारतीय टीम ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 5 विकेट पर केवल 128 रन बनाये। दिन का खेल समाप्त होने के समय ऋषभ पंत 28 और नितिश कुमार रेड्डी 14 रन बनाकर खेल रहे थे। इस प्रकार इस मैच में मेजबान टीम हावी है।

पहली पारी के बाद भारतीय टीम की शुरुआत दूसरी पारी में भी अच्छी नहीं रही। पारी की शुरुआत यशस्वी जयसवाल और केएल राहुल ने की। राहुल केवल 7 के स्कोर पर कमिंस की गेंद पर विकेटकीपर एलेक्स कैरी के हाथों कैच हो गये। इसके बाद यशस्वी भी 24 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। उन्होंने 31 गेंदों पर 24 रन बनाए। विराट कोहली दूसरी पारी में भी विफल रहे और 11 रन बनाकर स्कॉट बोलैंड का शिकार बने। इसके बाद उतरे शुभमन गिल से उम्मीद थी पर वह भी 28 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। मध्यक्रम में उतरे कप्तान रोहित शर्मा केवल 6 रन बनाकर कप्तान पैट कमिंस की गेंद पर आउट हुए।

वहीं इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले दिन के

एक विकेट पर 87 रनों से आगे खेलना शुरु किया। दूसरे दिन सुबह बुमराह ने सबसे पहले मैकस्वीनी (39) का विकेट निकाला। बुमराह यही नहीं रुके। थोड़ी देर बाद उन्होंने स्टीव स्मिथ (2) को भी चलता किया। ऑस्ट्रेलिया को बड़ा सहारा लबुछेन और ट्रेविस हेड ने दिया। दोनों ने 65 रनों की साझेदारी की। लबुछेन 126 गेंदों पर 64 रन बनाकर नितिश रेड्डी का शिकार हुए। वहीं, एक छोर पर खड़े ट्रेविस हेड ने शानदार स्ट्रोक लगाए और डे नाइट टेस्ट का अपना तीसरा शतक पूरा किया। मिचेल मार्श 9 तो एलेक्स कैरी 15 रन बनाकर आऊट हो गए लेकिन ट्रेविस की तेजतर्रार पारी जारी रही और ऑस्ट्रेलिया 300 रन पार कर गया। डिनर ब्रेक तक ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 8 विकेट खोकर 332 रन हो गया। डिनर ब्रेक के बाद सिराज ने फिर से एग्रेशन दिखाए और मिचेल स्टार्क और बोलांड के विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को 337 रन पर रोक दिया। ऑस्ट्रेलिया के पास अब 157 रन की लीड है। भारत की ओर से मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह 4-4 विकेट लेने में सफल रहे।

एचआईएल में बेहतर प्रदर्शन पर हैं आमिर की नजरें

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के कप्तान आमिर अली की नजरें आगामी हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024-25 में बेहतर प्रदर्शन पर लगी हुई हैं। आमिर को नीलामी में टीम गोनासिका ने 34 लाख रुपए में खरीदा था। इस खिलाड़ी का यहां तक का सफर कठिन रहा है। आमिर ने कहा कि वह अपनी परिवार की आर्थिक हालत को बेहतर बनाना चाहते थे। इसी कारण वह हॉकी में मेहनत करने लगे।

उल्लेखनीय है कि आमिर एक डिफेंडर हैं और ने हाल ही में भारतीय टीम को जूनियर एशिया कप खिताब दिलाया और अब वह अपनी जीत की लय को जारी रखने के उद्देश्य से आगामी हॉकी इंडिया लीग में खेलने के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, जूनियर एशिया कप जीतने से उनका मनोबल बढ़ा है और वह जीत की इस लय को लीग में भी जारी रखना चाहते हैं। इस युवा के अनुसार एचआईएल में सीनियर खिलाड़ियों के अनुभवों का लाभ भी उन्हें मिलेगा। आमिर का हॉकी इंडिया लीग से जुड़ाव उनके बचपन से है। वह मनप्रीत सिंह को आदर्श मानते हैं और लखनऊ में एचआईएल मैच खेलते देखने के लिए 10 किलोमीटर पैदल चलकर जाते थे। अब उन्हें टीम गोनासिका में अपने आदर्श मनप्रीत सिंह के साथ खेलने का अवसर मिलेगा।

उन्होंने कहा, यह सोचना कि मैं कभी एचआईएल मैच देखने गया था और अब मैं उनमें खेलूंगा, एक बहुत ही खास एहसास है। मेरे माता-पिता गर्व महसूस करते हैं और इससे मुझे बहुत खुशी मिलती है। मैं अपने आदर्श मनप्रीत सिंह के साथ खेलने के लिए बहुत उत्साहित हूं और उनसे सीखने और उनके मार्गदर्शन में अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए उत्सुक हूं। युवा डिफेंडर आगामी सत्र के लिए अपने लक्ष्यों के बारे में स्पष्ट हैं। मैं अपना 100 प्रतिशत देना चाहता हूं और यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि टीम गोनासिका अच्छा प्रदर्शन करे। मुझे बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है, और मैं टीम की सफलता में योगदान देकर उस विश्वास को चुकाने के लिए दृढ़ संकल्पित हूं। आगामी सत्र के लिए मेरा लक्ष्य अपनी टीम के साथ एचआईएल ट्रॉफी उठाना है।

इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड पर शिकंजा कसा, 533 रन की बड़ी बढ़त मिली

वेलिंगटन (एजेंसी)। जैकब बेथेल 96 और बेन डकेट 92 की शानदार बल्लेबाजी से इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में अपना शिकंजा कस दिया है। इंग्लैंड ने दूसरे दिन दूसरी पारी में पांच विकेट पर 378 रन बनाकर 533 रन की बड़ी बढ़त हासिल कर ली। दूसरे दिन का खेल खत्म होते समय जो रूट 73 और कप्तान बेन स्टोक्स 35 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे। रूट ने इस अर्धशतकीय पारी के साथ टेस्ट में 50 या उससे अधिक का अपना 100वां स्कोर बनाया है। वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाले चौथे बल्लेबाज बन गए। उनसे पहले यह उपलब्धि सचिन तेंदुलकर, जैक्स कैलिस और रिकी पोंटिंग के नाम ही है। इंग्लैंड की दूसरी पारी में बेथल चार रन से अपना शतक पूरा नहीं कर पाये। उन्होंने डकेट के साथ दूसरे विकेट के लिए 220 गेंद में 187 रन की साझेदारी के साथ मैच में न्यूजीलैंड की वापसी को बाधित कर दिया। वहीं पहली पारी में शतक जड़ने वाले हैरी ब्रुक ने दूसरी पारी में 55 रन बनाये। इससे पहले एटकिंसन ने शानदार हैट्रिक लेकर मजबान कीवी टीम को पहली पारी को केवल 125 रन पर ही समेट दिया था। एटकिंसन ने नाथन स्मिथ, मैट हेनरी और टिम साउथी के विकेट लिए। इसके अलावा ब्रायडन कार्स ने 4 विकेट लिए जबकि क्रिस वोक्स और स्टोक्स ने 1-1 विकेट लिया। इंग्लैंड को पहली पारी के आधार पर 155 रन की बढ़त मिली हुई है।

एशिया कप से जूनियर विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना चाहेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

शारजाह (एजेंसी)। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम रविवार को यहां एशिया कप में बांग्लादेश के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी और उसकी निगाहें अपना खिताब बचाने के साथ अगले साल के जूनियर विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करने की होंगी। सात से 15 दिसंबर तक होने वाला यह टूर्नामेंट चिली में होने वाले एफआईएच जूनियर विश्व कप 2025 के लिए क्वालीफाइंग टूर्नामेंट भी है।

कोच तुषार खांडेकर के मार्गदर्शन में भारत की अगुआई ज्योति सिंह करेंगी जबकि साक्षी राणा उप कप्तान होंगी। टीम में दीपिका, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, सुनीता टोप्पो और मुमताज खान जैसी खिलाड़ी भी शामिल हैं जो पिछले साल की खिताबी जीत के बाद से सीनियर टीम के लिए खेल रही हैं। पिछले साल भारत ने फाइनल में दक्षिण कोरिया को 2-1 से हराकर पहली बार खिताब जीता था।

भारत को पूल ए में चीन, मलेशिया, थाईलैंड और बांग्लादेश के साथ रखा गया है। पूल बी में दक्षिण कोरिया, जापान, चीनी ताइपे, हांगकांग और श्रीलंका शामिल हैं। प्रत्येक टीम अपने पूल में प्रत्येक प्रतिद्वंद्वी के साथ एक बार खेलेगी और प्रत्येक पूल से शीर्ष दो टीम सेमीफाइनल में जगह पक्की करने के साथ अगले साल के विश्व कप में भी जगह बनाएंगी। प्रत्येक पूल की तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमें जूनियर विश्व कप के लिए अंतिम स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी।

कप्तान ज्योति ने कहा, ''हम मैदान पर उतरने और टूर्नामेंट की मजबूत शुरुआत करने के लिए उत्साहित हैं। खिताब का बचाव करना चुनौतीपूर्ण होगा, लेकिन मुझे यकीन है कि टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी और हमारे देश को गौरवान्वित करेगी।'' उन्होंने कहा, ''यह टूर्नामेंट बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि जूनियर विश्व कप के लिए क्वालीफिकेशन दांव पर है इसलिए हम फिर से खिताब जीतने के लिए दृढ़ हैं।''

अगर भारत पूल ए में शीर्ष दो टीमों में से एक रहता है तो वह 14 दिसंबर को होने वाले सेमीफाइनल में पहुंच जाएंगे। टूर्नामेंट का खिताबी मुकाबला 15 दिसंबर को खेला जाएगा।

ऋषभ ने कराया बल्लेबाज को आउट , अश्विन और रोहित हुए हैरान

एडीलेड । भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर ऋषभ पंत ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मिचेल मार्श को जिस प्रकार आउट कराया उससे सभी हैरान रह गये । यहां तक कि गेंदबाज और कप्तान रोहित शर्मा को भी इसका पता नही चला । दूसरे दिन लंच के बाद स्पिनर आर अश्विन की गेंद मिचेल मार्श के बल्ले का किनारा लेती हुई निकली और विकेट के पीछे से ऋषभ ने अंपायर की तरफ देखते हुए हाथ उठाकर आउट दिए जाने की अपील की । इस अपील को तुरंत ही अंपायर ने माना और मिचेल को आउट दे दिया । उस समय मिचेल केवल 9 रन बनाकर खेल रहे थे । ये देखकर रोहित और अश्विन हैरान हो गये । रोहित ने तो यहां तक पूछा कि क्या गेंद सही में बल्ले से लगी थी । ।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीतना है कमिंस का लक्ष्य

एडिलेड । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस का लक्ष्य भारत से जारी बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी जीतना है । कमिंस का कहना है कि उन्होंने अब तकअपने करियर में अन्य सब खिताब जीते हैं पर उन्हें ये ट्रॉफी नहीं मिल पायी है । कमिंस ने अपनी कप्तानी में एकदिवसीय विश्वकप के साथ ही एशेज और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीती है पर वह एक बार भी बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी नहीं जीत पाए है। इसलिए इस बार उनका लक्ष्य इस कमी को पूरी करना है । कमिंस ने 2011 में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था लेकिन उन्होंने भारत के खिलाफ अपना पहला टेस्ट मैच 2017 में खेला था। ऑस्ट्रेलिया 2014-15 के बाद भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज नहीं जीत पाया है। पर्थ में पहले टेस्ट मैच में 295 रन की करारी हार के बाद ऑस्ट्रेलिया पांच मैच की सीरीज में 0-1 से पीछे है पर कमिंस को पूरा भरोसा है कि उनकी टीम वापसी में सफल रहेगी । कमिंस के अनुसार ऑस्ट्रेलिया के ड्रेसिंग रूम में मौजूद कई खिलाड़ियों ने अभी तक बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी नहीं जीती है । इसलिए ये सीरीज हमारे लिए अहम है । साथ ही कहा कि पिछले कुछ वर्षों में हमने चुनौतियों का डटकर सामना करके अच्छा प्रदर्शन किया है। हमें इस सीरीज में भी ऐसा करने की जरूरत है । कमिंस से पूछा गया कि क्या उन पर बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी जीतने का दबाव है, उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि हम पर किसी तरह का दबाव है । साथ ही कहा कि आप अपने घरेलू मैदान पर सीरीज खेल रहे हैं और आप अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं। हम जानते हैं कि भारतीय टीम बेहद मजबूत है और हमें उसके खिलाफ पिछली तीन सीरीज में हार का सामना करना पड़ा हैं।

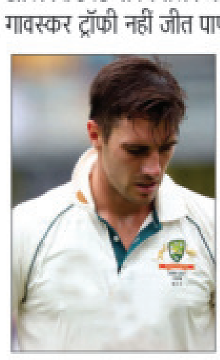

140 रन बना चुके थे ट्रेविस हेड, क्लीन बोल्ड कर मोहम्मद सिराज ने यूं दिखाया गुस्सा

एडीलेड (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज एक बार फिर से पिंक डे टेस्ट में एग्रेशन दिखाकर चर्चा में आ गए। भारतीय टीम जब पहली पारी में 180 रन पर ऑलआऊट हो गई थी तो सिराज गेंदबाजी करते हुए अपनी टीम को शुरूआती सफलता दिलाने में नाकामयाब रहे। इसी का गुस्सा वह ग्राऊंड पर निकालते हुए भी नजर आए। ऑस्ट्रेलिया को 000 रन तक ले जाने में ट्रेविस हेड का बड़ा योगदान रहा जिन्होंने 141 गेंदों पर 140 रन बनाए। उन्होंने आऊट होने से पहले मोहम्मद सिराज की ओवर में कुछ बड़े शॉट भी लगाए। रन बनने से निराश दिख रहे सिराज ने एक बेहतरीन यॉर्कर डालकर ट्रेविस हेड को क्लीन बोल्ड कर दिया और साथ ही एग्रेशन भी दिखाए।

उक्त घटनाक्रम 82वें ओवर में देखने को मिला। ट्रेविस ने सिराज का आते ही चौके से स्वागत किया था। इसके बाद उन्होंने फ्लिक मारकर सिराज को छक्का जड़ दिया। सिराज इससे निराश दिखे। उन्होंने ओवर की चौथी गेंद विकेट पर यॉर्कर दे मारी। ट्रेविस इस क्विक डिलिवरी को समझ नहीं पाए और बोल्ड हो गए। ट्रेविस जैसे ही पवेलियन की ओर जाने लगे सिराज ने उन्हें जमकर एग्रेशन दिखाए। 140 रन बनाने वाले ट्रेविस भी खामोश नहीं रहे, उन्होंने भी पलटकर जवाब दिया। घटनाक्रम की वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई।

पहले भी एग्रेशन दिखाए थे सिराज ने

मोहम्मद सिराज और मार्नस लाबुशेन के बीच पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट के दौरान भी नोंकझोक देखने को मिली थी। इस बार मार्नस का ध्यान भटकाने वाला व्यक्ति एक प्रशंसक था, जो बीयर के प्यालों का एक बड़ा ढेर लेकर साइट स्क्रीन के पार चला गया। इसने लाबुशेन का ध्यान भटका दिया। उन्होंने रनअप ले रहे सिराज को अचानक रुकने को बोल दिया। सिराज तब तक क्रीज के काफी करीब आ चुके थे। उन्होंने गेंद को अपने डिलीवरी स्ट्राइड से स्टंप पर फेंक दिया। घटना के बाद मार्नस हंस पड़े और उन्हें ध्यान भटकाने वाले प्रशंसकों की ओर इशारा किया।

डुमिनी ने दक्षिण अफीकी टीम के बल्लेबाजी कोच का पद छोड़ा

जोहानिसबर्ग । दक्षिण अफीका के पूर्व क्रिकेटर जेपी डुमिनी ने सीमित ओवरों की टीम के बल्लेबाजी कोच पद से इस्तीफा दे दिया है । डुमिनी ने कहा कि वह निजी कारणों से पद छोड़ रहे हैं । क्रिकेट दक्षिण अफीका (सीएसए) ने डुमिनी के पद छोड़ने की घोषणा की है । डुमिनी ने पिछले साल मार्च मे दक्षिण अफीकी टीम के बल्लेबाजी कोच की जिम्मेदारी संभाली थी । सीएसए ने कहा कि उन्होंने आपसी सहमति के तुरंत बाद पद छोड़ दिया । सीएसए ने सोशल मीडिया में कहा, ''पूर्व क्रिकेटर डुमिनी मार्च 2023 में अपनी नियुक्ति के बाद से सीमित ओवरों की टीम के कोचिंग स्टाफ के प्रमुख सदस्य रहे हैं पर अब उन्होंने पद छोड़ दिया है । ऐसे में शीघ्र ही उनके स्थान पर सीमित ओवरों की टीम के लिए नये बल्लेबाजी कोच की नियुक्ति की जाएगी । गौरतलब है कि डुमिनी ने दक्षिण अफीका की ओर से साल 2004 से 2019 के बीच 15 साल तक खेला है ।

भारतीय टीम दूसरा टेस्ट हारी तो डब्लयूटीसी फाइनल में पहुंचना होगा मुश्किल

एडीलेड । भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला जा रहा बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का दूसरा मुकाबला भारतीय टीम के लिए बेहद अहम है । भारतीय टीम को अगर विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) फाइनल में जगह बनानी है तो उसके लिए ये मैच जीतना जरुरी रहेगा । इसलिए गुलाबी गेंद से खेले जा रहे इस मैच को भारतीय टीम किसी भी प्रकार से जीतना चाहेगी । इस मैच में अगर भारतीय टीम हारी तो उसका नंबर एक स्थान हाथ से फिसल जाएगा । साथ ही इससे विश्वटेस्ट चैम्पियनशिप अंक तालिका पर भी प्रभाव पड़ेगा । डब्ल्यूटीसी फाइनल की रेस में अभी तीन टीमें हैं । इस सूची में भारतीय टीम 61.11 प्रतिशत अंकों के साथ पहले, 59.26 प्रतिशत अंकों के साथ दक्षिण अफीका दूसरे जबकि 57.69 प्रतिशत अंकों के साथ ऑस्ट्रेलिया तीसरे नंबर पर हैं । दूसरे टेस्ट में अगर भारतीय टीम जीतती है तो उसके 63.54 प्रतिशत अंक हो जाएंगे । वहीं ऑस्ट्रेलिया के 53.57 प्रतिशत अंक ही रह जाएंगे । अगर भारतीय टीम एडिलेड में हारी तो है तो वह सीरीज में पिछड़ जाएगी । साथ ही डब्लयूटीसी अंक तालिका में नंबर-1 का स्थान भी उसके हाथ से निकल जाएगा । एडिलेड टेस्ट में हार से भारतीय टीम के 57.29 प्रतिशत अंक ही रह जाएंगे । वहीं जीतने पर ऑस्ट्रेलिया के खाते में 60.71 प्रतिशत अंक हो जाएंगे और उनके पास नंबर-1 बनने का अवसर रहेगा । ऐसे में अगर टीम इंडिया एडिलेड में भी जीत दर्ज करती है तो सीरीज में 2-0 से आगे हो जाएगी । साथ ही अंक तालिका में भी शीर्ष पर बनी रहेगी ।

ट्रॉफी के बिना सब है बेकार : मैक्सवेल

मुम्बई । ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पंजाब किंग्स के लिए खेलते हुए कई रिकॉर्ड बनाए हैं । मैक्सवेल पंजाब किंग्स के कप्तान भी रहे थे पर मेंटॉर वीरेन्द्र सहवाग से मतभेद के बाद उन्हें टीम छोड दी । वह 2014 में किंग्स इलेवन पंजाब में शामिल हुए थे । उनकी टीम तब फाइनल में पहुंची थी पर वहां कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से हार गयी गई। मैक्सवेल ने इस आईपीएल में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 552 रन बनाए थे । पंजाब के साथ अपने अपने सफर को याद करते हुए मैक्सवेल ने कहा कि हम उस समय अंतिम ओवर में हार गए थे । इस क्रिकेटर ने कहा कि आपका सफर कितना भी अच्छा क्यों न हो पर ट्रॉफी के बिना सब बेकार है। साल 2014 के बाद पंजाब का प्रदर्शन गिर गया और वह अंक तालिका में आखिरी स्थानों पर रही । मैक्सवेल ने इसको लेकर कहा कि तब टीम के लिए कठिन समय था और एक युवा खिलाड़ी के रूप में उनके लिए इसे स्वीकार करना मुश्किल रहा था। 2017 में मैक्सवेल की एक बार फिर पंजाब टीम में वापसी हुई। तब सहवाग टीम मेंटर बन गये थे। वहीं मैक्सवेल को कप्तानी मिली । मैक्सवेल ने कहा कि टीम बनते ही स्पष्ट हो गया था कि इसपर सहवाग का प्रभाव है । उन्होंने कोच जे अरुणकुमार के साथ मिलकर फैसले लेने की जिम्मेदारी ली, जिससे खिलाड़ियों और कोचों के बीच भ्रम पैदा हो गया। जिसका प्रभाव टीम पर पड़ा । मैक्सवेल ने कहा कि एक मुकाबले में इशांत शर्मा को आखिरी समय पर टीम में जगह दे दी गई जोकि निर्णय लेने में अव्यवस्था को दिखाता था। टीम पर सहवाग की पकड़ बढ़ती गई । जिससे उनके बीच मतभेद भी बढ़ने लगे । और निराशाजनक सीज़न के बाद मैक्सवेल और सहवाग के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया । मैक्सवेल के अनुसार सहवाग ने सार्वजनिक रूप से उनकी आलोचना की थी जो सही नहीं था। मैक्सवेल ने साझा किया कि यह अप्रिय था, खासकर जब मुझे लगा कि हम अच्छी शर्तों पर अलग हुए हैं । उस घटना के बाद दोनों ने फिर कभी बात नहीं की और मैक्सवेल ने फेंचाइजी मालिकों को सूचित किया कि अगर सहवाग जारी रहेगा तो वह चले जाएंगे ।

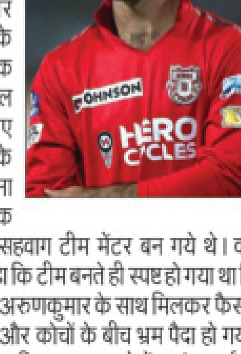

ऑस्ट्रेलिया दौरे के आखिरी दो टेस्ट खेलेंगे शमी, मुश्ताक अली अभियान खत्म करके होंगे रवाना

नई दिल्ली (एजेंसी) भारत के सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रही श्रृंखला के आखिरी दो टेस्ट में खेलने के लिए तैयार हैं और उनकी 'प्लेइंग किट' पहले ही ऑस्ट्रेलिया पहुंच चुकी है जबकि एनसीए की मेडिकल टीम से फिटनेस मंजूरी मिलना बस औपचारिकता मात्र है। बंगाल के इस अनुभवी क्रिकेटर के लिए 14 दिसंबर से ब्रिसबेन में शुरू हो रहे टेस्ट में खेलना आसान नहीं हो सकता है।

हालांकि, ये तय है कि वह 'बॉक्सिंग डे' (26 दिसंबर) को मेलबर्न में चौथे टेस्ट में दिखाई देंगे। इस क्रिकेटर के करीबी एक सूत्र ने बताया कि एनसीए से फिटनेस प्रमाण पत्र बहुत जल्द मिल जाएगा। सूत्र ने पीटीआई को बताया, ''शमी की भारतीय किट पहले ही ऑस्ट्रेलिया भेज दी गई है। वह मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 टूर्नामेंट को पूरा करेंगे और फिर रवाना हो जाएंगे।''

शमी (34 साल) भारत के लिए पिछला टूर्नामेंट नवंबर 2023 में वनडे विश्व कप फाइनल में खेले थे और इसके बाद टखने की सर्जरी के कारण उन्हें लंबे समय तक बाहर रहने पर मजबूर होना पड़ा। न्यूजीलैंड के खिलाफ उनकी वापसी तय लग रही थी लेकिन इससे ठीक पहले शमी के घुटने में सूजन आ गई जिससे उनकी वापसी में देरी हुई।

वहीं सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का नॉकआउट दौर बेंगलुरु में हो रहा है इसलिए उम्मीद है कि एनसीए (राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी) की मेडिकल टीम के प्रमुख डॉ. नितिन पटेल और 'स्ट्रेंथ' और अनुकूलन ट्रेनर निशांत बोरदोलोई बंगाल के राष्ट्रीय टी20 चैंपियनशिप में टीम का अभियान खत्म होने के बाद उनका आकलन करेंगे। बंगाल के मुख्य कोच लक्ष्मी रतन शुक्ला अपने मुख्य गेंदबाज पर नजर रखे हैं।

उन्होंने पीटीआई से कहा, ''शमी चंडीगढ़ के खिलाफ हमारे लिए प्री-क्वार्टर फाइनल खेलेंगे। वह कल तक बेंगलुरु में हमारे साथ जुड़ जाएंगे। हालांकि, मुझे नहीं पता कि अगर हम क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करते हैं तो वह उपलब्ध होंगे या नहीं। लगता है कि वह फिट होंगे और ऑस्ट्रेलिया के आखिरी दो टेस्ट के लिए उपलब्ध होंगे।'' शुक्ला भी भारत के पूर्व प्रमुख रवि शास्त्री के विचार से सहमत हैं जिन्हें लगता है कि ब्रिस्बेन में शमी की जरूरत है।

अल्लू अर्जुन ने रेवती की मौत पर दुख जताया और कहा- परिवार की हर संभव मदद करुंगा

-महिला के परिवार से मिलने और 25 लाख का मुआबजा देने की कही बात

मुंबई। हैदराबाद के संध्या थिएटर में पुष्पा 2 की स्क्रीनिंग के दौरान भगदड़ मचने से एक महिला की जान चली गई और एक बच्चा बेहोश हो गया। इस मामले में अल्लू अर्जुन, उनकी सुरक्षा एजेंसी और थिएटर के खिलाफ केस दर्ज हुआ था। अब मामले पर अल्लू अर्जुन ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने वीडियो शेयर कर जान गंवाने वाली महिला रेवती की मौत पर दुख जताया है। साथ ही अभिनेता ने इलाज का खर्च उठाने की भी जिम्मेदारी ली है। वीडियो में वह कह रहे हैं कि महिला के परिवार से मैं खुद जाकर मिलूंगा। अल्लू ने कहा कि इस मुश्किल घड़ी में महिला के परिवार वाले अकेले नहीं हैं। वह उनके साथ खड़े हैं। अल्लू अर्जुन ने कहा है कि उन लोगों के लिए उनसे जो कुछ भी हो पाएगा, वह करुंगा। अल्लू ने कहा कि वह मृत महिला के परिवार को 25 लाख का मुआवजा दूंगा। साथ ही इलाज और दवाइयों का सारा खर्च उठाएंगे। मृत महिला के पति मोगादमपल्ली भास्कर ने बातचीत में अल्लू को मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया। भास्कर ने कहा कि अगर अल्लू और उनकी टीम बताकर थिएटर आते तब न तब उसकी पत्नी की मौत होती और ना ही बेटे की ऐसी हालत होती। भास्कर ने बताया कि बेटे की जिद के कारण वह फिल्म देखने गया था क्योंकि वह अल्लू अर्जुन का फैन है।

जम्मू-कश्मीर के स्कूलों में सर्दियों की छुट्टियों का हुआ ऐलान

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर में शीतकालीन छुट्टियों का ऐलान किया गया है। स्कूल शिक्षा विभाग ने कश्मीर संभाग के शीतकालीन जोनों में क्रमशः 10 और 16 दिसंबर से चरणबद्ध तरीके से शीतकालीन अवकाश की घोषणा की है। स्कूल शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव सुरेश कुमार गुप्ता के अनुसार आदेश में कहा गया है कि 5वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए छुट्टियां 10 दिसंबर से 28 फरवरी तक और 6वीं कक्षा से 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए छुट्टियां 16 दिसंबर से 28 फरवरी तक रहेंगी। गुप्ता ने आदेश दिया कि सरकारी हाई और हायर सेकेंडरी स्कूलों के शिक्षण स्टाफ 10वीं, 11वीं और 12वीं कक्षाओं की आगामी बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी के लिए 10 फरवरी, 2025 से संबंधित मुख्यालयों पर उपलब्ध रहेगा। उन्होंने कहा कि सभी शिक्षक छुट्टियों के दौरान छात्रों को ऑनलाइन मार्गदर्शन देते रहे।

बाबरी मस्जिद विध्वंस पर गव.. उद्धव के करीबी की पोस्ट, एमवीए से बाहर हुई सपा

मुंबई । समाजवादी पार्टी (सपा) ने महा विकास अघाड़ी (एमवीए) से अलग होने की घोषणा कर दी है। यह निर्णय शिवसेना (यूबीटी) के नेता और उद्धव ठाकरे के करीबी मिलिंद नार्वेकर द्वारा बाबरी मस्जिद विध्वंस का समर्थन कर पोस्ट के बाद आया है। दरअसल नार्वेकर ने सोशल मीडिया पर बाबरी मस्जिद विध्वंस की एक तस्वीर साझा की। पोस्ट में शिवसेना संस्थापक बाल ठाकरे का कथन भी शामिल था, जिसमें उन्होंने कहा था, मुझे उन लोगों पर गर्व है जिन्होंने ऐसा किया। इस पोस्ट के साथ उद्धव और आदित्य ठाकरे की तस्वीरें भी थीं। इसके अलावा, शिवसेना (यूबीटी) ने एक समाचार पत्र में विज्ञापन दिया था, जिसमें बाबरी विध्वंस की तारीफ की गई थी। इसके बाद महाराष्ट्र सपा अध्यक्ष अबू आजमी ने कड़ा विरोध जताकर कहा कि अगर एमवीए में ऐसी भाषा इस्तेमाल होती है, तब भाजपा और उनमें क्या फर्क है? हमें इसतरह के गठबंधन में क्यों रहना चाहिए? उन्होंने कहा कि वे इस मुद्दे पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से चर्चा कर रहे हैं और एमवीए से अलग होने का फैसला पक्का है। वहीं एमवीए में शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस, और एनसीपी का शरद पवार गुट शामिल है। सपा का यह कदम एमवीए के लिए बड़ा झटका साबित हो सकता है, खासकर उस समय में जब महाराष्ट्र की राजनीति पहले से ही कई आंतरिक विवादों और भाजपा के दबदबे के कारण मुश्किल दौर से गुजर रही है।

पूजा सिंघल को ईडी कोर्ट से बड़ी राहत... 28 माह बाद जेल से आएंगी बाहर

रांची । झारखंड की निलंबित आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल को ईडी कोर्ट ने बड़ी राहत देकर जमानत दे दी है। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 11 मई 2022 को गिरफ्तारी के बाद से वे 28 माह से जेल में थी। कोर्ट ने उन्हें दो लाख रुपये के निजी मुचलके पर जमानत दी है। साथ ही पूजा को अपना पासपोर्ट जमा करने का भी आदेश दिया गया है। पूजा सिंघल का मामला- पूजा सिंघल झारखंड कैडर की चर्चित आईएएस अधिकारी हैं। वह झारखंड राज्य खनिज विकास निगम (जेएसएमडीसी) की चेयरमैन और उद्योग व खान सचिव के रूप में काम कर चुकी हैं। उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग और मनरेगा घोटाले से जुड़े आरोपों के चलते ईडी ने गिरफ्तार किया था। आरोप है कि खूंटी में डीसी रहते हुए उन्होंने घोटाले में अपनी भूमिका निभाई।

क्या है मनरेगा घोटाला?

यह मामला झारखंड के खूंटी जिले में मनरेगा फंड में कथित अनियमितताओं से जुड़ा है। 2009-2010 के दौरान, जब पूजा खूंटी में उपायुक्त थीं, घोटाले के आरोप लगे। ईडी ने मामले की जांच के दौरान बड़े पैमाने पर वित्तीय गड़बड़ियों का खुलासा किया। आरोप है कि पूजा और उनके करीबी सहयोगियों के द्वारा धन का दुरुपयोग किया गया।

दिल्ली हवाई अड्डे पर 73 लाख रुपये मूल्य का सोना बरामद, आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर शुक्रवार को सीमा शुल्क विभाग ने 73 लाख रुपये का विदेशी सोना बरामद किया और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। आरोपी इंदौर से दिल्ली आ रहा था। सीमा शुल्क विभाग के मुताबिक, आरोपी के सामान की जांच के दौरान संदिग्ध वस्तुएं मिली, जिसमें पीली धातु के 13 टुकड़े थे।

शाही इमाम बुखारी की पीएम मोदी से अपील, मुस्लिम समुदाय के साथ संवाद स्थापित करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की ऐतिहासिक जामा मस्जिद के शाही इमाम सैयद अहमद बुखारी ने नमाज के दौरान देश में बढ़ते सांप्रदायिक तनाव पर चिंता जाहिर की। इस दौरान बुखारी भावुक हो गए। उन्होंने नम आंखों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुस्लिम समुदाय के साथ संवाद स्थापित करने की बात की। उन्होंने कहा, हम 1947 से भी बदतर स्थिति में खड़े हैं। किसी को नहीं पता कि देश भविष्य में किस दिशा में जाएगा।

बुखारी ने प्रधानमंत्री मोदी से तत्काल मुद्दे पर संज्ञान लेने की मांग की। उन्होंने सुझाव दिया कि तीन हिंदुओं और तीन मुसलमानों को बुलाकर चर्चा करें। उन्होंने कहा, आप उस कुर्सी के साथ न्याय कीजिए जिस पर आप बैठे हैं। मुसलमानों का दिल जीतिए। उन उपद्रवियों को रोकिए जो देश का माहौल बिगाड़ने का काम कर रहे हैं।

उन्होंने मुस्लिम युवाओं से धैर्य बनाकर रखने का अनुरोध कर कहा कि कोई भी कदम सोच-समझकर उठाएं। यह अपील उत्तर प्रदेश के संभल में 24 नवंबर को हुई हिंसक झड़पों के बाद आई है।

बता दें कि 19 नवंबर को कोर्ट के आदेश पर मस्जिद का सर्वेक्षण हुआ। एक याचिका में दावा किया गया था कि इस स्थल पर पहले एक हरिहर मंदिर था। इसके बाद से संभल में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। बुखारी ने कहा, एएसआई (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) ने हमें बताया है कि दिल्ली जामा मस्जिद का सर्वेक्षण करने का कोई इरादा नहीं है, लेकिन मोदी सरकार को संभल, अजमेर और अन्य जगहों पर हो रहे सर्वेक्षणों पर गंभीरता से सोचना चाहिए। ये चीजें देश के लिए अच्छी नहीं हैं। हाल ही में राजस्थान की अदालत में याचिका दायर की गई है जिसमें दावा किया गया है, कि अजमेर शरीफ दरगाह शिव मंदिर पर बनी है। इस याचिका को स्वीकार कर अजमेर की अदालत ने एएसआई, अजमेर दरगाह कमेटी और अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय मंत्रालय को नोटिस जारी किया है।

बांग्लादेश मामले पर मायावती का बड़ा हमला, सिर्फ मुस्लिम वोटों की खातिर चुप हैं कांग्रेस

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने बांग्लादेश में हिंदू दलितों के खिलाफ हो रहे अत्याचारों पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने आरोप लगाया कि बांग्लादेश में विशेष रूप से दलित और कमजोर वर्ग के हिंदूओं को निशाना बनाया जा रहा हैं, और कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे पर चुप साधे हुए है। मायावती ने आरोप लगाया कि कांग्रेस केवल मुस्लिम वोटों के खातिर ऐसा कर रही है, जबकि बांग्लादेशी हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचारों पर उन्हें आवाज उठानी चाहिए थी। मायावती ने कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और उनके समर्थकों को एक ही सिक्के के दो पहलू बताकर कहा कि इन दलों ने देश के सामाजिक और राजनीतिक ढांचे को नुकसान पहुंचाने का काम किया है। उन्होंने मोदी सरकार से अपील कर कहा कि वह अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए बांग्लादेशी दलितों के अधिकारों की रक्षा करें और उन्हें भारत में लाने के लिए उचित कदम उठाए। इस बीच, बीजेपी विधायक नितेश राणे ने 10 दिसंबर को महाराष्ट्र में हिंदू रैली आयोजित करने का ऐलान कर दिया है। उनका कहना था कि इस रैली का उद्देश्य बांग्लादेशी हिंदुओं को यह संदेश देना है कि वे अकेले नहीं हैं और भारत के हिंदू उनके समर्थन में खड़े हैं। राणे ने कहा, हम हिंदू बनकर सड़कों पर उतरकर और अपनी ताकत दिखाएंगे। यह रैली बांग्लादेशी हिंदुओं को अत्याचार के खिलाफ हमारा समर्थन दिखाने के लिए है।

बारिश के आसार, दिल्ली समेत आस-पास क्षेत्रों में बढ़ेगी ठंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। राजधानी दिल्ली में सर्दियों की पहली बारिश का इंतजार अब खत्म होने जा रहा है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, 8 दिसंबर को हल्की बारिश की संभावना है, जिससे ठंड में इजाफा होगा। बारिश के बाद न्यूनतम तापमान गिरकर 6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। दिन के तापमान में भी 2-3 डिग्री की गिरावट देखने को मिल सकती है।

भारतीय मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को राजधानी का अधिकतम तापमान 25.1 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य है, जबकि न्यूनतम तापमान 8.5 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से एक डिग्री कम रहा है। हवा में नमी का स्तर 32 से 90 प्रतिशत तक रहा। शनिवार को सुबह के समय स्मॉग छाने के साथ ही 8 दिसंबर को संभावित बारिश के बाद 9 दिसंबर से मौसम साफ होने की संभावना है, जिससे ठंड बढ़ने लगेगी। अनुमान है कि 9 दिसंबर को न्यूनतम तापमान 7 डिग्री तक गिर सकता है, जबकि अधिकतम तापमान 23 डिग्री रहने की उम्मीद है। 10 और 11 दिसंबर को न्यूनतम तापमान 6 डिग्री और अधिकतम 23-24 डिग्री के बीच रह सकता है।

यहां बताते चलें कि इस सीजन में कोहरा छाना जल्दी शुरू हुआ है। नवंबर में 17 से 20 तारीख तक घना कोहरा देखा गया था, जबकि 8 से 11 दिसंबर तक मध्यम कोहरे की संभावना व्यक्त की गई है। विजिबिलिटी कम होने से लोगों को परेशानी हो सकती है। दिसंबर और जनवरी में भी कोहरे के कई स्पेल देखने को मिल सकते हैं। बहरहाल बारिश होने पर दिल्ली समेत आस-पास के इलाकों में ठंड बढ़ने के आसार हैं।

महाराष्ट्र में नया गेम: अजित पवार ने दिखाया पावर गेम, शरद पवार को लग सकता है झटका

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में अब बीएमसी चुनाव को लेकर राजनैतिक दल कमर कसने लगे हैं। यहां अभी से अपने अपने दांव लगाने के लिए अपनी जमीन तैयार करने में लगे हैं। चर्चा शुरू हो गई है कि जलगांव के पूर्व संरक्षक मंत्री और शरद पवार के करीबी नेता गुलाबराव देवकर शरद पवार समूह छोड़ने की कगार पर हैं। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि गुलाबराव देवकर अजित पवार के गुट में जा रहे हैं। शरद पवार गुट के नेता पूर्व संरक्षक मंत्री गुलाबराव देवकर ने जानकारी दी है कि एनसीपी अजित पवार गुट जल्द ही एनसीपी अजित पवार गुट में शामिल होगा। गुलाबराव देवकर ने प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे से मुलाकात की। इस मुलाकात में क्या चर्चा हुई इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। हालांकि इस मुलाकात के बाद चर्चा है कि वह शरद पवार गुट छोड़ने वाले हैं।

इसलिए आगामी स्थानीय स्वशासन चुनाव से पहले इसे एनसीपी शरद पवार गुट के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। वहीं अगर ऐसा होता है तो उत्तर महाराष्ट्र में अजित पवार के गुट की ताकत बढ़ेगी। विधानसभा चुनाव में जलगांव ग्रामीण सीट पर गुलाबराव पाटिल और गुलाबराव देवकर के बीच कड़ी टक्कर थी। गुलबाराव पाटिल ने जलगांव ग्रामीण सीट से लगातार दूसरी बार बड़े वोटों के अंतर से जीत हासिल की है। 2019 के विधानसभा चुनाव में गुलाबराव रघुनाथ पाटिल ने भी जीत हासिल की। 2024 के चुनाव में दोनों गुलाबरावों के बीच काटे की टक्कर थी। लेकिन गुलाबराव पाटिल लगातार दूसरी बार भारी मतों के अंतर से जीते।

जबकि बता दें कि यहां विधानसभा चुनाव हो भी गया और देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री भी बन गए, लेकिन बीएमसी चुनाव अभी बाकी है और इसके लिए खेल भी शुरू हो गया है। महायुति को राज्य में खूब वोट मिले। 5 दिसंबर को महागठबंधन में देवेंद्र फड़णवीस ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने उप मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। अब राज्य में तीन दिवसीय सम्मेलन होगा। इस विधानसभा चुनाव के बाद निर्वाचित 288 उम्मीदवारों को प्रोटेम स्पीकर कालिदास कोलमकर शपथ दिलाएंगे।

छात्रों पर लाठीचार्ज, नीतिश सरकार की बर्बरतापूर्ण कार्रवाई : तेजस्वी यादव

पटना । बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने नॉर्मलाइजेशन के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज करने को प्रशासन की बर्बरतापूर्ण कार्रवाई बताकर निंदा की है। उन्होंने कहा कि पटना में बीपीएससी अभ्यर्थियों पर बर्बरतापूर्ण लाठीचार्ज हुआ है, जो भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी)-नीतीश सरकार के अहंकार और तानाशाही का प्रतीक है। तेजस्वी ने कहा कि मुख्यमंत्री 225 करोड़ की तथाकथित दिखावटी 'संवाद यात्रा पर निकलने से पहले यह जवाब दें कि क्या बिहार के वर्तमान व भविष्य, बिहार के छात्रों से संवाद स्थापित करना उनके एवं उनकी सरकार के लिए कठिन है? क्या आयोग द्वारा स्पष्टीकरण देना उनकी शान के खिलाफ है? क्या सर्वर की खामी को स्वीकारते हुए फॉर्म भरने के मौका को पुन- उपलब्ध करवाना असंभव है? नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी ने कहा कि क्या पेपरलीक एवं कदाचार मुक्त परीक्षा की मांग करना अनुचित है? आयोग व बिहार की नीतिश सरकार के रुख को देख क्या अभ्यर्थी यह मान लें कि यह परीक्षा औपचारिकता मात्र रह गई है। बता दें कि बिहार लोक सेवा अयोग (बीपीएससी) की 70वीं सिविल सेवा परीक्षा में नॉर्मलाइजेशन के विरोध में बीपीएससी कार्यालय के बाहर हजारों की संख्या में प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया।

दिल्ली के शीर्ष पद पर वैंकेसी नहीं, इसलिए इंडिया गठबंधन के शीर्ष पर पहुंचने की कोशिश

*** ममता बनर्जी के बयान पर भाजपा नेता नकवी का तंज**

नई दिल्ली (एजेंसी)। विपक्षी महागठबंधन इंडिया ब्लॉक को लेकर पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के बयान पर भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने तंज कसा। उन्होंने कहा, सत्ता के शीर्ष पर कोई वैकेंसी नहीं है, इसलिए इंडिया गठबंधन के शीर्ष पर पहुंचने की कोशिश की जा रही है। दरअसल ममता के विपक्षी महागठबंधन इंडिया ब्लॉक को समर्थन देने वाले बयान पर नकवी ने कहा, उन लोगों को अच्छी तरह पता है कि दिल्ली की सत्ता के शीर्ष के लिए कई दशकों तक कोई वैकेंसी नहीं आने वाली है। लेकिन अगर विपक्षी महागठबंधन की बात की जाएं तब खानदान अनेक हैं, लेकिन उनकी ख्वाहिशें एक हैं। उन्हें सत्ता की शीर्ष पर कोई वैकेंसी नहीं दिख रही है, इसलिए कोशिश में लगे हैं कि गठबंधन के शीर्ष पर ही पहुंच जाओ।

इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने आरोप लगाया है कि उनके फोन और लैपटॉप को हैक करने की कोशिश हुई है। इस पर नकवी ने कहा, गुरु नंबरी तब चेला दस नंबरी। ये वे लोग हैं, जिन्हें सपनो में भी जासूसी नजर आती है। किसानों की मांगों को लेकर विपक्ष द्वारा सरकार को घेरने के सवाल पर नकवी ने कहा, पिटी हुई पटकथा पर परिवार का प्रायोजित पॉलिटिकल पाखंड समय-समय पर चलता रहता है। उनके इस पाखंड को जनता बार-बार परास्त करती है। वहीं, जहां तक किसानों की बात है कि पीएम मोदी की सरकार 2014 से आज तक मेरा गांव मेरा देश, मेरा खेत मेरा खलिहान, मेरी कृषि मेरा कृषक इन सभी को प्राथमिकता देकर काम कर रही है।

ई-श्रम पोर्टल पर 1 दिसंबर तक 30.43 करोड़ से अधिक असंगठित श्रमिक रजिस्टर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद को बताया गया कि मोदी सरकार के ई-श्रम पोर्टल पर 1 दिसंबर तक 30.43 करोड़ से अधिक असंगठित श्रमिक रजिस्टर्ड हैं। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने लिखित उत्तर में बताया कि ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्टर्ड ग्रामीण क्षेत्रों के अनौपचारिक श्रमिकों की संख्या 1 दिसबंर तक 27.22 करोड़ है। मंत्रालय ने आधार से जुड़े असंगठित श्रमिकों (एनडीयूडब्ल्यू) का एक राष्ट्रीय डेटाबेस बनाने के लिए 26 अगस्त, 2021 को ई-श्रम पोर्टल लंच किया था। ई-श्रम पोर्टल का मकसद असंगठित श्रमिकों को उनकी खुद की घोषणा के आधार पर एक यूनिवर्सल खाता संख्या (यूएएन) प्रदान कर उन्हें रजिस्टर और सपोर्ट करना है। ई-श्रम पर रजिस्ट्रेशन के लिए श्रमिकों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का भी इस्तेमाल हो रहा है। मंत्रालय के अनुसार, असंगठित श्रमिकों को रजिस्ट्रेशन में मदद करने के लिए राज्य सेवा केंद्रों (एसएसके) और कॉमन सर्विस सेंटर की सेवाओं को शामिल किया गया है।

श्रमिकों तक पहुंच बढ़ाने और उन्हें रजिस्ट्रेशन/अपडेट की सुविधा उनके मोबाइल फोन पर ही उपलब्ध करवाई जा रही है। उमंग एप पर ई-श्रम पोर्टल को शामिल किया गया है। अब तक, विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों की 12 योजनाओं को पहले ही ई-श्रम पोर्टल के साथ इंटीग्रेट या मैप किया जा चुका है। केंद्रीय बजट 2024-25 के अनुसार, अन्य सरकारी वेबसाइटों के साथ ई-श्रम पोर्टल का इंटीग्रेशन 'वन-स्टॉप-सॉल्यूशन' की सुविधा प्रदान करेगा। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने असंगठित श्रमिकों को जल्द से जल्द ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करने के लिए पंचायती राज मंत्रालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और ग्रामीण विकास मंत्रालय आदि जैसे अन्य मंत्रालयों से भी संपर्क किया है।

आशंका- भारतीय सीमाओं के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं पाकिस्तान और बांग्लादेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस ने पाकिस्तान के नागरिकों के लिए वीजा नियमों में ढील देने का फैसला लिया है। इसके तहत अब पाकिस्तानियों को बांग्लादेश में यात्रा के लिए सुरक्षा मंजूरी की आवश्यकता नहीं होगी, जो पहले आवश्यक थी। बांग्लादेश सरकार ने 2019 में सुरक्षा कारणों से एक आदेश जारी किया था, जिसमें पाकिस्तानी नागरिकों को बांग्लादेश में प्रवेश करने के लिए वीजा प्राप्त करने से पहले अनापत्ति मंजूरी प्राप्त करनी होती थी। लेकिन अब यूनुस सरकार ने इसे पलट दिया है। इस कदम के परिणामस्वरूप, पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच रिश्तों में तेजी से नजदीकियां बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। इसे लेकर भारत के सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यह बदलाव भारत की पूर्वी और उत्तर-पूर्वी सीमाओं पर एक नई सुरक्षा चुनौती उत्पन्न कर सकता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को पाकिस्तान और बांग्लादेश के रिश्तों पर गहरी नजर रखनी चाहिए। बांग्लादेश के साथ पाकिस्तान के रिश्तों में बढ़ती नजदीकी का भारत की सुरक्षा नीति पर प्रभाव पड़ सकता है, खासकर यदि इस पर आतंकवाद या कट्टरपंथी गतिविधियों का असर होता है। ऐसे में भारत को किसी भी संभावित खतरे से निपटने के लिए अपने सुरक्षा इंतजामों को और भी मजबूत करना होगा और बांग्लादेश की सीमाओं के पास निगरानी को बढ़ाना होगा। भारत सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस नए राजनीतिक बदलाव के मद्देनजर क्षेत्रीय सुरक्षा को कोई नुकसान न पहुंचे। साथ ही, यह भी महत्वपूर्ण है कि किसी भी बाहरी तत्व के लिए भारतीय सीमा में घुसपैठ करने का रास्ता बंद किया जाए, ताकि देश की आंतरिक सुरक्षा बनाए रखी जा सके। बांग्लादेश और पाकिस्तान के बढ़ते कूटनीतिक संबंध भारत के लिए एक नई चुनौती बन सकते हैं। हालाँकि, दोनों देशों के बीच सहयोग का कोई स्पष्ट और तत्काल सैन्य खतरा तो नहीं है, लेकिन यह स्थिति आतंकवाद और कट्टरपंथी गतिविधियों के जरिए भारत के लिए गंभीर परिणाम ला सकती है। ऐसे में भारत को अपनी सुरक्षा रणनीति में बदलाव कर इस बदलाव पर लगातार निगरानी रखनी चाहिए और उचित कदम उठाने चाहिए ताकि राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच कूटनीतिक रिश्तों में हाल ही में आई बदलावों को लेकर विशेषज्ञों ने चिंता जताई है। खासकर, बांग्लादेश में नए अंतरिम सरकार के गठन के बाद से दोनों देशों के बीच बढ़ती नजदीकियां भारत के लिए एक सुरक्षा खतरे के रूप में उभर सकती हैं। इस रिपोर्ट में चर्चा की गई है कि पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच नए संबंधों के चलते भारत की पूर्वी और उत्तर-पूर्वी सीमाओं पर सुरक्षा से संबंधित गंभीर चुनौती उत्पन्न हो सकती है।

विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि पाकिस्तान-बांग्लादेश के बढ़ते संबंधों से कट्टरपंथी और आतंकवादी तत्वों के लिए बांग्लादेश की यात्रा करने का अवसर मिल सकता है। बांग्लादेश की भारत के साथ 4,096 किलोमीटर लंबी सीमा है, और पाकिस्तान के कट्टरपंथी समूहों द्वारा इस सीमा का इस्तेमाल भारत के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए किया जा सकता है। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आई.एस.आई. (इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस) का भी पूर्व में बांग्लादेश में सक्रिय होने का इतिहास रहा है। 1971 के भारत-पाक युद्ध और उसके बाद बांग्लादेश में पाकिस्तान के अत्याचारों और शेख मुजीबुर रहमान की हत्या में आई.एस.आई. की भूमिका ने दोनों देशों के रिश्तों को हमेशा के लिए प्रभावित किया। इसके बावजूद, 2001 से 2006 तक बांग्लादेश में बी.एन.पी. (बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी) और जमात-ए-इस्लामी के शासन के दौरान, पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आई.एस.आई. ने बांग्लादेश को आतंकवादी और विद्रोही समूहों के लिए एक आधार के रूप में इस्तेमाल किया।

भारत में 2001 और 2006 के बीच हुए कई बड़े आतंकवादी हमलों के पीछे बांग्लादेश का कनेक्शन सामने आया था। 2004 में चटगांव बंदरगाह पर पाकिस्तान द्वारा हथियारों की तस्करी की कोशिश के दौरान बांग्लादेश की धरती का इस्तेमाल किया गया था। इसके अलावा, बी.एन.पी. सरकार के कुछ मंत्रियों का नाम भी भारत में उग्रवाद को बढ़ावा देने में शामिल रहा था। ऐसे में पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच बढ़ती नजदीकी से भारत को सुरक्षा के लिहाज से गंभीर चिंताएं उत्पन्न हो रही है।

हालांकि, 2019 से पहले शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के दौरान पाकिस्तान के साथ बांग्लादेश के रिश्ते अत्यधिक तनावपूर्ण रहे थे, लेकिन अब बांग्लादेश में हसीना सरकार के सत्ता से बेदखल होने के बाद पाकिस्तान का दूतावास बांग्लादेश में अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिशें कर रहा है। इस सिलसिले में, पाकिस्तान के उच्चायुक्त सैयद अहमद मारूफ ने हाल ही में बांग्लादेश के विपक्षी दल, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की नेता खालिदा जिया से मुलाकात की। इसके अलावा, यह भी देखा गया कि 1971 के बाद पहली बार एक पाकिस्तानी मालवाहक जहाज बांग्लादेश के चटगांव बंदरगाह पर पहुंचा है, जो एक संकेत है कि पाकिस्तान बांग्लादेश के साथ अपने व्यापारिक और कूटनीतिक रिश्तों को फिर से सशक्त बनाने की कोशिश कर रहा है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**